RNI No : MPHIN/2022/82783
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 02, अंक 02 मासिक पत्रिका
फरवरी 2023

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

भावात्मक और सांस्कृतिक एकजुटता का माध्यम...

मातृभाषा

अविनाश लवानिया : भोपाल डीएम

केएल दलवानी उपसचिव, विधानसभा, सूचना का अधिकार भोपाल

हमारा देश हमारा अभिमान

फरवरी 2023

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठकग्वालियर

विशेष संवाददाता
- रवि परिहार • रविकांत शर्मा

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- डॉ श्री. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- डॉ. श्री दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे • श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव,
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार • श्रीमती रितु मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील • हरशूल

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी । (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय	02
शुभाशीष	03
कवर स्टोरी	04-05
देश-प्रदेश	06-07
स्मरण	07
महाराष्ट्र	08
विदेश	10
राजस्थान	11
प्रदेश	12
रिकॉर्ड	13
देश	14
प्रदेश	15
इन्दौर	18
विज्ञान	19
राजस्थान	20-21
राजस्थान	22-23
इन्दौर	24
भोपाल	25
प्रदेश	32-33
देश	38-39
धर्म	40
त्यौहार	41
स्वास्थ्य	42-43
मौसम	44
जीवनशैली	45
ग्लैमर	46-47

48
घर के अंदर से चोरी से फोटो लेने पर लगाई पैपराजी की क्लास...

संपादकीय

महाशिवरात्रि.. भगवान शिव की आराधना करने का पावन दिन

महाशिवरात्रि भारतीयों का एक प्रमुख त्यौहार है। यह भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। माघ फागुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारम्भ इसी दिन से हुआ। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग (जो महादेव का विशालकाय स्वरुप है) के उदय से हुआ। इसी दिन भगवान शिव का विवाह देवी पार्वती के साथ हुआ था। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव व पत्नी पार्वती की पूजा होती हैं। यह पूजा वृत रखने के दौरान की जाती है। साल में होने वाली 12 शिवरात्रियों में से महाशिवरात्रि को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत सहित पूरी दुनिया में महाशिवरात्रि का पावन पर्व बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। समुद्र मंथन अमर अमृत का उत्पादन करने के लिए निश्चित था, लेकिन इसके साथ ही हलाहल नामक विष भी पैदा हुआ था। हलाहल विष में ब्रह्माण्ड को नष्ट करने की क्षमता थी और इसलिए केवल भगवान शिव इसे नष्ट कर सकते थे। भगवान शिव ने हलाहल नामक विष को अपने कण्ठ में रख लिया था। जहर इतना शक्तिशाली था कि भगवान शिव बहुत दर्द से पीड़ित हो उठे थे और उनका गला बहुत नीला हो गया था। इस कारण से भगवान शिव 'नीलकंठ' के नाम से प्रसिद्ध हैं। उपचार के लिए, चिकित्सकों ने देवताओं को भगवान शिव को रात भर जागते रहने की सलाह दी। इस प्रकार, भगवान शिव के चिन्तन में एक सतर्कता रखी। शिव का आनन्द लेने और जागने के लिए, देवताओं ने अलग-अलग नृत्य और संगीत बजाने। जैसे सुबह हुई, उनकी भक्ति से प्रसन्न भगवान शिव ने उन सभी को आशीर्वाद दिया। शिवरात्रि इस घटना का उत्सव है, जिससे शिव ने दुनिया को बचाया। तब से इस दिन, भक्त उपवास करते है।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

...आध्यात्मिक पथ पर चलने वाले साधकों के लिए महत्वपूर्ण दिन

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक पथ पर चलने वाले साधकों के लिए बहुत महत्व रखती है। यह उनके लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है जो पारिवारिक परिस्थितियों में हैं और संसार की महत्वाकांक्षाओं में मग्न हैं। पारिवारिक परिस्थितियों में मग्न लोग महाशिवरात्रि को शिव के विवाह के उत्सव की तरह मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाओं में मग्न लोग महाशिवरात्रि को, शिव के द्वारा अपने शत्रुओं पर विजय पाने के दिवस के रुप में मनाते हैं। परंतु, साधकों के लिए, यह वह दिन है, जिस दिन वे कैलाश पर्वत के साथ एकात्म हो गए थे। वे एक पर्वत की भाँति स्थिर व निश्चल हो गए थे। यौगिक परंपरा में, शिव को किसी देवता की तरह नहीं पूजा जाता। उन्हें आदि गुरु माना जाता है, पहले गुरु, जिनसे ज्ञान उपजा। ध्यान की अनेक सहस्राब्दियों के पश्चात्, एक दिन वे पूर्ण रुप से स्थिर हो गए। वही दिन महाशिवरात्रि का था। उनके भीतर की सारी गतिविधियाँ शांत हुईं और वे पूरी तरह से स्थिर हुए, इसलिए साधक महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात्रि के रुप में मनाते हैं। इसके पीछे की कथाओं को छोड़ दें, तो यौगिक परंपराओं में इस दिन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसमें आध्यात्मिक साधक के लिए बहुत सी संभावनाएँ मौजूद होती हैं। आधुनिक विज्ञान अनेक चरणों से होते हुए, आज उस बिंदु पर आ गया है, जहाँ उन्होंने आपको प्रमाण दे दिया है कि आप जिसे भी जीवन के रुप में जानते हैं, पदार्थ और अस्तित्व के रुप में जानते हैं, जिसे आप ब्रह्माण्ड और तारामंडल के रुप में जानते हैं; वह सब केवल एक ऊर्जा है, जो स्वयं को लाखों-करोड़ों रुपों में प्रकट करती है। यह वैज्ञानिक तथ्य प्रत्येक योगी के लिए एक अनुभव से उपजा सत्य है। योगी' शब्द से तात्पर्य उस व्यक्ति से है, जिसने अस्तित्व की एकात्मकता को जान लिया है।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

21 फरवरी अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

भावात्मक और सांस्कृतिक एकजुटता का माध्यम...

मातृभाषा

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मातृभाषा दिवस को मनाने का उद्देश्य है भाषाओं और भाषाई विविधता को बढ़ावा देना, लेकिन आज हम भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग का संकल्प कर सकते हैं। युनेस्को ने सन् 1999 में प्रतिवर्ष 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाए जाने की घोषणा की थी। मातृभाषा एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है।

दुनिया भर में भाषा की सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में पूरी जागरूकता विकसित करने, उसकी समझ और संवाद के आधार पर एकजुटता को प्रेरित करते हुए मातृभाषा को बढ़ावा देने के लिये यूनेस्को द्वारा हर वर्ष 21 फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है कि विश्व में भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा देना। यूनेस्को द्वारा अन्तरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की घोषणा से बांग्लादेश के भाषा आन्दोलन दिवस को अन्तरराष्ट्रीय स्वीकृति मिली, जो बांग्लादेश में सन् 1952 से मनाया जाता रहा है। बांग्लादेश में इस दिन एक राष्ट्रीय अवकाश होता है। 2008 को अन्तरराष्ट्रीय भाषा वर्ष घोषित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने अन्तरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्व को फिर दोहराया है। 2023 के अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की थीम, "बहुभाषी शिक्षा और शिक्षा को बदलने की आवश्यकता" है।

मातृभाषा एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। ऐसी ही स्थिति पैदा हुई थी 21 फरवरी 1952 को बांग्लादेश में जब 1947 में भारत के विभाजन के बाद पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में उर्दू को राष्ट्रीय भाषा घोषित कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र में बांग्ला और बंगाली बोलने वालों की अधिकता ज्यादा थी और 1952 में जब अन्य भाषाओं को पूर्वी पाकिस्तान में अमान्य घोषित किया गया तो ढ़ाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंदोलन छेड़ दिया। आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस ने छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलानी शुरु कर दी जिसमें कई छात्रों की मौत हो गई। अपनी मातृभाषा के हक में लड़ते हुए मारे गए शहीदों की ही याद में मातृभाषा दिवस मनाया जाता है।

भारत में मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिये नरेन्द्र मोदी सरकार प्रयासरत है। उन्होंने उच्च शिक्षा के स्तर पर भी बहुभाषिकता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वीकार किया है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। इसी मत को भारत के राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र तथा शिक्षा संबंधित सभी आयोगों आदि ने भी माना है। भारतीय वैज्ञानिक सी. वी. श्रीनाथ शास्त्री के अनुभव के अनुसार अंग्रेजी माध्यम से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने वाले की तुलना में भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़े छात्र, अधिक उत्तम वैज्ञानिक अनुसंधान करते हैं। महात्मा गाँधी ने कहा था, "विदेशी माध्यम ने बच्चों की तंत्रिकाओं पर भार डाला है, उन्हें रट्टू बनाया है, वह सृजन के लायक नहीं रहे। विदेशी भाषा ने देशी भाषाओं के विकास को बाधित किया है।" इसी संदर्भ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम के शब्दों का यहां उल्लेख आवश्यक हो जाता है कि "मैं अच्छा वैज्ञानिक इसलिए बना, क्योंकि मैंने गणित और विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा में प्राप्त की।''

सिर्फ मातृ शब्द की वजह से मातृभाषा का सही अर्थ और भाव समझने में हमेशा से दिक्कत हुई है। मातृभाषा बहुत पुराना शब्द नहीं है, मगर इसकी व्याख्या करते हुए लोग अक्सर इसे बहुत प्राचीन मान लेते हैं। हिन्दी का मातृभाषा शब्द दरअसल अंग्रेजी के मदरटंग मुहावरे का शाब्दिक अनुवाद है। बच्चे का शैशव जहां बीतता है, उस माहौल में ही जननी भाव है। जिस परिवेश में वह गढ़ा जा रहा है, जिस भाषा के माध्यम से वह अन्य भाषाएं सीख रहा है, जहां विकसित-पल्लवित हो रहा है, वही महत्वपूर्ण है।

हिन्दी के संदर्भ में सामने नहीं आया बल्कि इसका संदर्भ बांग्लाभाषा और बांग्ला परिवेश था। अंग्रेजी राज में जिस कालखंड को पुनर्जागरणकाल कहा जाता है उसका उत्स बंगाल भूमि से ही है। राजा राममोहनराय, ईश्वरचंद्र विद्यासागर जैसे उदार राष्ट्रवादियों का सहयोग अंग्रेजों ने शिक्षा प्रसार हेतु लिया। पूरी दुनिया में बह रही नवजागरण की बयार को भारतीय जन भी महसूस करें इसके लिए भारतीयों को पारंपरिक अरबी-फारसी की शिक्षा की बजाय अंग्रेजी सीखने की जरूरत मैकाले ने महसूस की। यहां हम उसकी शिक्षा पद्धति की बहस में नहीं पड़ेंगे। सिर्फ भाषा की बात करेंगे। हर काल में शासक वर्ग की भाषा ही शिक्षा और राजकाज का माध्यम रही है। मुस्लिम दौर में अरबी-फारसी शिक्षा का माध्यम थी। यह अलग बात है कि अरबी-फारसी में शिक्षा ग्रहण करना आम भारतीय के लिए राजकाज और प्रशासनिक परिवेश को जानने में तो मदद करता था मगर इन दोनों भाषाओं में ज्ञानार्जन करने से आम हिन्दुस्तानी के वैश्विक दृष्टिकोण में, संकुचित सोच में कोई बदलाव नहीं आया। क्योंकि अरबी फारसी का दायरा सीमित था। अरबी-फारसी के जरिये पढ़ेलिखे हिन्दुस्तानी प्राचीन भारत, फारस और अरब आदि की ज्ञान-परंपरा से तो जुड़ रहे थे मगर सुदूर पश्चिम में जो वैचारिक क्रांति हो रही थी उसे हिन्दुस्तान में लाने में अरबी-फारसी भाषाएं सहायक नहीं हो रही थी।

भारतीयों को अंग्रेजी भाषा भी सीखनी चाहिए, यह सोच महत्वपूर्ण थी। इसी मुकाम पर यह बात भी सामने आई कि विशिष्ट ज्ञान के लिए तो अंग्रेजी माध्यम बने मगर आम हिन्दुस्तानी को आधुनिक शिक्षा उनकी अपनी जबान में मिले। उसी वक्त मदर टंग जैसे शब्द का अनुवाद मातृभाषा सामने आया। यह बांग्ला शब्द है और इसका अभिप्राय भी बांग्ला से ही था। तत्कालीन समाज सुधारक चाहते थे कि आम आदमी के लिए मातृभाषा में (बांग्ला भाषा) में आधुनिक शिक्षा दी जाए। आधुनिक मदरसों की शुरूआत भी बंगाल से ही मानी जाती है।

मातृकुल नहीं, परिवेश महत्वपूर्ण-

मातृभाषा शब्द की पुरातनता स्थापित करनेवाले ऋग्वेदकालीन एक सुभाषित का अक्सर हवाला दिया जाता है-मातृभाषा, मातृ संस्कृति और मातृभूमि ये तीनों सुखकारिणी देवियाँ स्थिर होकर हमारे हृदयासन पर विराजें। मैने इसके मूल वैदिकी स्वरूप को टटोला तो यह सूक्त हाथ लगा- इला सरस्वती मही तिस्त्रो देवीर्मयोभुवः। जिसका अंग्रेजी अनुवाद कुछ यूं किया गया है-

यहां दिलचस्प तथ्य यह है कि वैदिक सूक्त में कहीं भी मातृभाषा शब्द का उल्लेख नहीं है। इला और मही शब्दों का अनुवाद जहां संस्कृति, मातृभूमि किया है वहीं सरस्वती का अनुवाद मातृभाषा किया गया है। मातृभाषा का जो वैश्विक भाव है उसके तहत तो यह सही है मगर मातृभाषा का रिश्ता जन्मदायिनी माता के स्थूल रूप से जोड़ने के आग्रही यह साबित नहीं कर पाएंगे कि सरस्वती का अर्थ मातृभाषा कैसे हो सकता है? यहां सरस्वती शब्द से अभिप्राय सिर्फ वाक् शक्ति से है, भाषा से है। गौरतलब है कि वैदिकी भाषा, जिसमें वेद लिखे गए, अपने समय की प्रमख भाषा थी। सुविधा के लिए उसे संस्कृत कह सकते हैं, मगर वह संस्कृत नही थी। वैदिकी अथवा छांदस सामान्य सम्पर्क भाषा कभी नहीं रहीं। विद्वानों का मानना है कि वेदकालीन भारत में निश्चित ही कई तरह की प्राकृतें प्रचलित थीं जो अलग अलग "जन" (जनपदीय व्यवस्था) में प्रचलित थीं। आज की बांग्ला, मराठी, मैथिली, अवधी जैसी बोलियां इन्हीं प्राकृतों से विकसित हुई। तात्पर्य यही कि ये विभिन्न पाकृतें ही अपने अपने परिवेश में मातृभाषा का दर्जा रखती होंगी और विभिन्न जनसमूहों में बोली जाने वाली इन्ही भाषाओं के बारे में उक्त सूक्त में सरस्वती शब्द का उल्लेख आया है। मेरा स्पष्ट मत है कि मातृभाषा में मातृशब्द से अभिप्राय उस परिवेश, स्थान, समूह में बोली जाने वाली भाषा से है जिसमें रहकर कोई भी व्यक्ति अपने बाल्यकाल में दुनिया के सम्पर्क में आता है।

जाहिर है कि मातृभाषा से तात्पर्य उस भाषा से कतई नहीं है जिसे जन्मदायिनी मां बोलती रही है। अकेली मां बच्चे के परिवेश के लिए उत्तरदायी नहीं है और न ही जन्म के लिए। सिर्फ मां की भाषा को मातृभाषा से जोड़ना एक किस्म की ज्यादती है, सामाजिक व्यवस्था के साथ भी। भारत समेत ज्यादातर सभ्यताओं में भी, कोई स्त्री, विवाहोपरांत ही बच्चे को जन्म देती है। बच्चे की भाषा के लिए अगर सिर्फ मां ही उत्तरदायी मान ली जाए, तब अलग-अलग भाषिक पृष्टभूमि वाले दम्पतियों में बच्चे की भाषा मातृपरिवार की होगी और बच्चे को वह भाषा सीखने के लिए माता का परिवेश ही मिलना भी चाहिए। मातृसत्ताक व्यवस्थाओं में यह संभव है, मगर पितृसत्तात्मक व्यवस्था में यह कैसे संभव होगा? यह मानना कि प्रत्येक को अपनी मातृभाषा सिर्फ मां से ही मिलती है, मातृभाषा शब्द का आसान मगर कमजोर निष्कर्ष है और वैश्विक संदर्भ इसे अमान्य करते हैं। एक बच्चा मां की कोख से जन्म जरूर लेता है, मगर मातृकुल के भाषायी परिवेश में नहीं, बल्कि मां ने जिस समूह में उसे जन्म दिया है. उसी परिवेश की भाषा से उसका रिश्ता होता है। इस मामले में नारी मुक्ति या पुरुष प्रधानता वाली भावुकता भी बेमानी है। मातृसत्ताक और पितृसत्ताक के दायरे से बाहर आकर देखें तो भी बच्चे का शैशव जहां बीतता है, उस माहौल मे ही जननि भाव है। जिस परिवेश में वह गढ़ा जा रहा है, जिस भाषा के माध्यम से वह अन्य भाषाएं सीख रहा है, जहां विकसित-पल्लवित हो रहा है, वही महत्वपूर्ण है। यही उसका मातृ-परिवेश कहलाएगा। माँ के स्थूल अर्थ या रूप से इसकी रिश्तेदारी खोजना फिजूल होगा।

महिला प्राचार्य को जलाने वाले पूर्व छात्र पर रासुका लगाया

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी इलैया राजा टी. ने इस जघन्य वारदात को अंजाम देने के आरोप में गिरफ्तार आशुतोष श्रीवास्तव (24)को रासुका के तहत जेल भेजने का आदेश दिया।

इंदौर के एक निजी फार्मेसी महाविद्यालय के परिसर में 54 वर्षीय महिला प्राचार्य को दिनदहाड़े पेट्रोल डालकर जलाने वाले पूर्व छात्र के खिलाफ जिला प्रशासन ने शुक्रवार को सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत मामला दर्ज किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी इलैया राजा टी. ने इस जघन्य वारदात को अंजाम देने के आरोप में गिरफ्तार आशुतोष श्रीवास्तव (24)को रासुका के तहत जेल भेजने का आदेश दिया।

अधिकारी के मुताबिक सिमरोल थाना क्षेत्र स्थित बीएम कॉलेज ऑफ फार्मेसी के इस पूर्व छात्र ने महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विमुक्ता शर्मा (54) को इस संस्थान के परिसर में 20 फरवरी को पेट्रोल डालकर बुरी तरह जला दिया था। उन्होंने बताया कि महिला प्राचार्य अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रही हैं। अधिकारी ने बताया कि श्रीवास्तव को वारदात वाले दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया था और पुलिस हिरासत में उससे लगातार पूछताछ जारी है।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) भगवत सिंह विरदे ने पीटीआई- को बताया,''आरोपी मानसिक तौर पूरी तरह स्वस्थ है और हमारी जांच में पता चला है कि उसने महिला प्राचार्य को पक्की साजिश के तहत पेट्रोल डालकर जलाया था।'' गौरतलब है कि पुलिस ने वारदात की वजह को लेकर श्रीवास्तव से शुरुआती पूछताछ के हवाले से बताया था कि उसने बी. फार्मा. की परीक्षा जुलाई 2022 में उत्तीर्ण कर ली थी, लेकिन कई बार मांगे जाने के बावजूद बीएम कॉलेज ऑफ फार्मेसी का प्रबंधन उसे उसकी अंकसूची नहीं दे रहा था।

बहरहाल, श्रीवास्तव के इस दावे को महाविद्यालय प्रबंधन गलत बता रहा है। प्रबंधन का कहना है कि कथित तौर पर आपराधिक प्रवृत्ति का यह पूर्व छात्र कई बार सूचना दिए जाने के बाद भी अपनी अंकसूची लेने महाविद्यालय नहीं आ रहा था।

दो दिन पहले किया निकाह, रिसेप्शन के ठीक पहले दूल्हा-दुल्हन की मिली लाश

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने एक घर से नवदंपति के शव बरामद किए हैं। असलम (24) और काहकाशा बानो (22) ने रविवार को शादी कर ली और उनकी रिसेप्शन पार्टी थी, जिसके लिए वे एक कमरे के अंदर तैयार हो रहे थे।

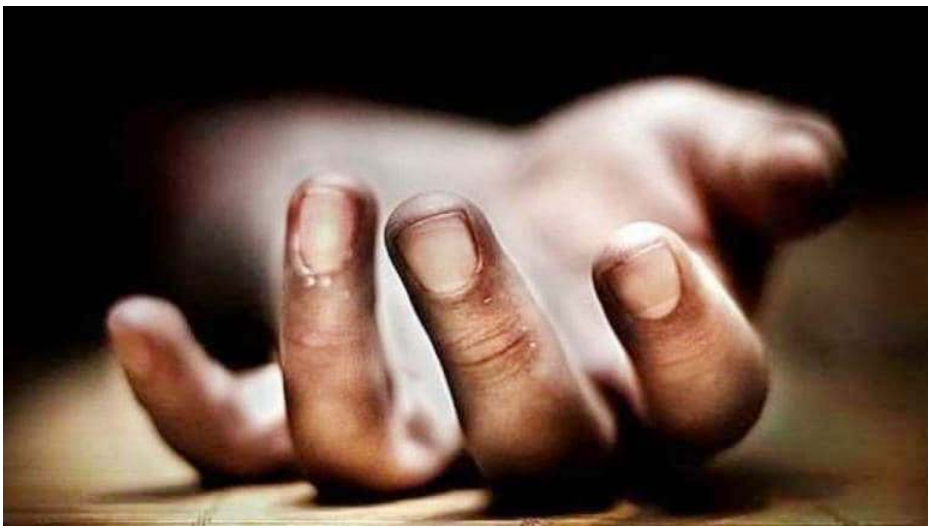

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने एक घर से नवदंपति के शव बरामद किए हैं। असलम (24) और काहकाशा बानो (22) ने रविवार को शादी कर ली और मंगलवार को उनकी रिसेप्शन पार्टी थी, जिसके लिए वे एक कमरे के अंदर तैयार हो रहे थे। जब घर वाले दूल्हा-दुल्हन को लेने के लिए आये तब उन्होंने देखा की कमरे के अंदर दोनों के शव पड़े हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की राजधानी शहर रायपुर से एक चौंकाने वाली घटना बताई गई है, जहां मंगलवार को शादी के रिसेप्शन से ठीक पहले एक नवविवाहित जोड़े को मृत पाया गया था। यह संदेह है कि दंपति एक लड़ाई में शामिल हो गए, जिसमें आदमी ने खुद को मारने से पहले अपनी पत्नी को छुरा घोंप दिया। दूल्हे की मां ने दुल्हन की चीख सुनी और मौके पर पहुंच गई, लेकिन वह दरवाजा नहीं खोल पायी।

एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी के हवाले से कहा, 'कमरे को अंदर से बंद कर दिया गया था और जब दोनों ने जवाब नहीं दिया, तो परिवार के सदस्यों ने एक खिड़की से झाँक लिया और उन्हें खून से लथपथ में बेहोश पड़े पाया। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस पहुंची उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कि मौके से चाकू बरामद किया गया था। यह घटना मंगलवार देर शाम तिक्रापरा पुलिस स्टेशन के तहत बृजनगर में हुई।

पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस को आशंका है कि विवाद के बाद पति ने पत्नी की हत्या करने के बाद आत्महत्या की होगी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मंगलवार शाम शहर के टिकरापारा थाना क्षेत्र अंतर्गत बृजनगर स्थित एक मकान से असलम (24) और उसकी पत्नी कहकशा बानो (22) के शव बरामद किए जिन पर चाकू से वार के निशान थे। उन्होंने बताया कि असलम और कहकशा बानो की रविवार को शादी हुई थी और मंगलवार की रात उनकी शादी का रिसेप्शन रखा गया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब दोनों अपने कमरे के भीतर समारोह के लिए तैयार हो रहे थे तब दूल्हे की मां ने दुल्हन की चीख सुनी और वहां पहुंची।

अधिकारियों के अनुसार, जब दूल्हे की मां ने कमरे के भीतर प्रवेश करने की कोशिश की तो कमरा अंदर से बंद था और दोनों ने कोई जवाब नहीं दिया। बाद में जब परिवार के सदस्यों ने खिड़की से झांककर देखा तो दोनों कमरे में खून से लथपथ पड़े थे। परिवार के सदस्यों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस दल वहां पहुंचा और दरवाजा तोड़कर दोनों के शव बरामद किए। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस को आशंका है कि किसी बात को लेकर दंपति के बीच कहासुनी हुई और पति ने पत्नी पर चाकू से हमला कर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान

वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा

भाजपा नेता ने कहा कि भारतीय राष्ट्रवाद प्रादेशिक न होकर, सांस्कृतिक है। पश्चिम के राष्ट्रवाद में प्रादेशिक, यानी भूमि पहले है, और चेतना बाद में, जबकि भारतीय राष्ट्रवाद में चेतना पहले है, प्रादेशिक बाद में है।

पश्चिम बंगाल में विश्व भारती विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, अगले 4-5 वर्षों में, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं समझता हूं कि आज बंगाल में फिर से जागृति लाने की जरूरत है, ताकि यह धरती एक बार फिर ज्ञान, विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में देश को नया योगदान दे सके। मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस दिशा में पूर्ण प्रतिबद्धता से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व-भारती, अपने नाम के अनुरूप ही, अपने और गुरुदेव के values को स्पष्ट करती है। विश्व भारती एक ऐसा शब्द है, जिसमें 'विश्व' भी है, और 'भारती' भी है।

भाजपा नेता ने कहा कि भारतीय राष्ट्रवाद प्रादेशिक न होकर, सांस्कृतिक है I पश्चिम के राष्ट्रवाद में प्रादेशिक, यानी भूमि पहले है, और चेतना बाद में, जबकि भारतीय राष्ट्रवाद में चेतना पहले है, प्रादेशिक बाद में है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव ने पश्चिम के राष्ट्रवाद का जो स्वरूप देखा था, उसने साम्राज्यवाद और सैनिक शासन को जन्म दिया, जिसका परिणाम विश्व युद्ध की विभीषिका के रूप में हमारे सामने आया। भारतीय राष्ट्रवाद तो गुरुदेव के शब्दों से ज्यादा उनकी काम में देखा जा सकता है। अंग्रेजों द्वारा जलियावाला बाग हत्याकांड के बाद अपनी प्रतिष्ठित 'नाइटहुड' की उपाधि वापस कर देना इसका

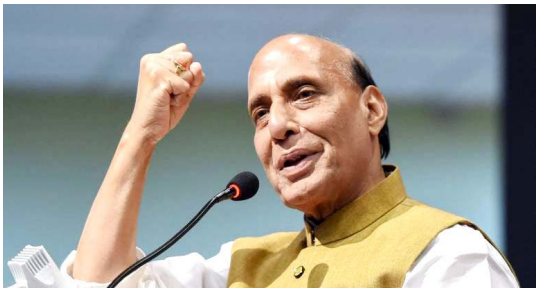

बड़ा प्रमाण है। रक्षा मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि आज जब हमारा देश प्रगति की राह पर आगे बढ़ रहा है, देश विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए नए मानकों स्थापित कर दुनिया भर में अपनी धाक जमा रहा है, 'Make in India' से होते हुए 'Make for the world' की राह पर आगे बढ़ रहा है, तो निश्चित ही यह गुरुदेव के विजन का परिणाम है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मुझे उम्मीद है कि 2047 तक हमारा देश third या second नहीं, बल्कि top economy के रूप में दुनिया के सामने होगा। यह उपलब्धि, गुरुदेव को एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी, ऐसा मेरा मानना है। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हमने बच्चों के व्यक्तित्व विकास, और उचित शिक्षक-छात्र अनुपात पर भी पूरा ध्यान दिया है।

सिक्योरिटी काउंसिल के वर्तमान ढांचे पर पुनर्विचार की आवश्यकता, भारत की बड़ी भूमिका : लिज ट्रस

एबीपी नेटवर्क के 'आइडियाज ऑफ इंडिया सम्मेलन' को संबोधित करते हुए ट्रस ने यह भी कहा कि यूक्रेन को उत्तरी अमेरिका और यूरोपीय देशों के सैन्य संगठन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने की जरूरत है।

ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वर्तमान ढांचे में पुनर्विचार की आवश्यकता पर बल दिया और इस वैश्विक संस्था में भारत की बड़ी भूमिका का समर्थन किया। एबीपी नेटवर्क के 'आइडियाज ऑफ इंडिया सम्मेलन' को संबोधित करते हुए ट्रस ने यह भी कहा कि यूक्रेन को उत्तरी अमेरिका और यूरोपीय देशों के सैन्य संगठन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमें स्वतंत्रता और लोकतंत्र को लेकर भी आगे रहने की जरूरत है।

चीन और रूस जैसे हमारे विरोधी अपने आर्थिक मॉडल को बढ़ावा देने में बहुत अच्छे हैं। वे गलत सूचना और प्रौद्योगिकी का उपयोग कर दुनिया से संवाद के सभी तरीकों को अपनाते हैं।'' ट्रस ने कहा, ''वे लोगों के सोचने के तरीके को प्रभावित करने के लिए आर्थिक जबरदस्ती की शक्ति का भी उपयोग करते हैं।'' उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत की

आवाज ''अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण'' होने जा रही है। ट्रस ने कहा कि वह भारत जैसे सहयोगियों के साथ अधिक व्यापार करने की बहुत बड़ी समर्थक हैं। उन्होंने कहा, ''जब मैं व्यापार मंत्री थी, तब मैंने भारत के साथ मुक्त व्यापार वार्ता शुरू की थी।'' उन्होंने कहा, ''मैं यह भी देखना चाहती हूं कि हम समान विचारधारा वाले देशों के साथ मिलकर काम करें। इसे अकसर मैं आर्थिक नाटो कहती हूं।

EC के फैसले पर स्टे लगाने से SC का इनकार

हिजाब मामला फिर पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्ट तक इस सप्ताह यानी 20 फरवरी से 24 फरवरी 2023 तक क्या कुछ हुआ। कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं।

सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्ट तक के वीकली राउंड अप में इस सप्ताह कानूनी खबरों के लिहाज से काफी गहमा-गहमी वाला है। जहां एक तरफ हिंडनबर्ग अडानी विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया को रिपोर्टिंग से रोकने की मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। वहीं शिवसेना उद्धव गुट को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। इलाहबाद हाई कोर्ट ने कानपुर अग्निकांड मामले में यूपी सरकार से जवाब मांगा है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने पलानीस्वामी को अन्नाद्रमुक के अंतरिम महासचिव के रूप में बने रहने की अनुमति दी। असम सरकार के एक्शन पर कोर्ट सख्त नजर आया है। हिजाब मामला सुप्रीम कोर्ट में फिर से पहुंचा। ऐसे में आज आपको सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्ट तक इस सप्ताह यानी 20 फरवरी से 24 फरवरी 2023 तक क्या कुछ हुआ। कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।

मीडिया पर नहीं लगा सकते रोक

सुप्रीम कोर्ट ने 24 फरवरी को अडानी-हिंडनबर्ग मामले पर मीडिया को रिपोर्टिंग से रोकने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज कर दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने याचिका खारिज करते हुए कहा, 'हम मीडिया को कोई निषेधाज्ञा जारी नहीं करने जा रहे हैं। इस मामले को अधिवक्ता एमएल शर्मा ने चर्चा के समय उठाया, जिन्होंने कहा कि हर दिन नए घटनाक्रम होते हैं। उन्हें जवाब देते हुए, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि शीर्ष अदालत मामले पर आदेश पारित करेगी और 'हमें जो करना है वह करेंगे।

पलानी ही AIADMK के 'स्वामी'

सुप्रीम कोर्ट ने 23 फरवरी को मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें एडप्पादी पलानीस्वामी (ईपीएस) को अन्नाद्रमुक के अंतरिम महासचिव के रूप में बने रहने की अनुमति दी गई थी। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि इस आदेश का ओपीएस और ईपीएस के बीच विवाद के संबंध में उच्च न्यायालय में लंबित मामले पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईपीएस गुट के समर्थकों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जश्न मनाया और चेन्नई में सड़कों पर उतर आए।

अग्निकांड पर सख्त हुआ हाई कोर्ट

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को 13 फरवरी को कानपुर देहात जिले में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक मां-बेटी की मौत की जांच की प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय ने इस मुद्दे पर राज्य के गृह सचिव से व्यक्तिगत हलफनामा भी मांगा है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी की खंडपीठ ने सुनवाई की अगली तारीख 16 मार्च तय की।

सुप्रीम कोर्ट में फिर से मामला

कर्नाटक की छात्राओं के एक समूह ने हिजाब पहनकर परीक्षा देने की अनुमति की मांग को लेकर तत्काल सुनवाई के लिए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कर्नाटक में प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा 9 मार्च से शुरू होने की उम्मीद है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने छात्र याचिकाकर्ताओं को आश्वासन दिया कि वह इस मामले को देखेंगे और एक पीठ का गठन करेंगे।

निर्वाचन आयोग के आदेश पर रोक लगाने से SC का इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने सीएम एकनाथ शिंदे खेमे से महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा दायर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने और पार्टी का नाम आवंटित करने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई थी। शीर्ष अदालत ने शिंदे गुट को असली शिवसेना मानने वाले चुनाव आयोग के आदेश पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने ठाकरे की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर किया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े से जवाब मांगा।

भारतीय भाषाओं पर आधारित होगा जीवन व चिंतन, तभी आएगा स्वराज : प्रो. द्विवेदी

आईआईएमसी के महानिदेशक के अनुसार माताएं और भाषाएं अपने पुत्र और पुत्रियों से सम्मानित होती हैं। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाएं केवल भाषाएं नहीं हैं। ये न्याय की भाषाएं हैं।

स्वराज सिर्फ अंग्रेजों का चला जाना और हिन्दुस्तानियों का सत्ता में आ जाना नहीं है। स्वराज का मतलब है कि अब हमारा सारा जीवन और चिंतन हमारी भाषाओं पर आधारित होगा। स्वभाषा, स्वभूषा, स्व-संस्कृति होगी। कोई चीज थोपी नहीं जाएगी। ज्ञान परंपरा अपने आधारों पर खड़ी होगी।' यह विचार भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी ने भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) और माउंट कार्मेल कॉलेज (स्वायत्त), बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय परिदृश्य में भारतीय भाषाएं और राष्ट्रीय एकता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. हरीश अरोड़ा, भारतीय भाषा समिति के सहायक कुलसचिव जे. पी. सिंह, प्रख्यात कवि एवं लेखक उद्भ्रांत, वरिष्ठ पत्रकार कुमार जीवेंद्र झा, प्रो. रचना विमल, प्रो.एस.ए. मंजूनाथ एवं सेमिनार संयोजक डॉ. कोयल विश्वास उपस्थित रहे।

स्व और भाषा को भूल चुके हैं लोग

'भारतीय भाषाएं एवं जनसंचार' विषय पर आयोजित प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि आज हम 'स्व' और 'भाषा' को भूल चुके हैं। हिन्दी और भारतीय भाषाएं सशक्त होकर दुनिया के मंच पर स्थापित हो रही हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिन्दी बोलकर दुनिया के हृदय पर राज कर रहे हैं। हिन्दी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी आदि हमारी अपनी मातृभाषाएं हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा है कि देश में संवैधानिक रूप से स्वीकृत सभी भाषाएं राष्ट्र भाषाएं हैं और हिन्दी राज भाषा है, क्योंकि हर देश की एक भाषा होती है, जिसके माध्यम से देश काम करता है।

अपने पुत्र-पुत्रियों से सम्मानित होती हैं माताएं और भाषाएं

आईआईएमसी के महानिदेशक के अनुसार माताएं और भाषाएं अपने पुत्र और पुत्रियों से सम्मानित होती हैं। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाएं केवल भाषाएं नहीं हैं। ये न्याय की भाषाएं हैं। अगर देश के गरीबों, मजदूरों, आम लोगों, किसानों को न्याय दिलाना है, तो उनसे उनकी भाषाओं में बात करनी पड़ेगी, उनकी भाषाओं में शिक्षा की व्यवस्था करनी पड़ेगी और उनकी भाषा में ही सारी व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ेगी, नहीं तो इस लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं है।

जनसंचार का सबसे बड़ा अभियान है चुनाव

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि चुनाव अभियान जनसंचार का सबसे बड़ा अभियान है। इस देश में कोई भी अंग्रेजी में वोट मांगकर सत्ता तक नहीं पहुंचा है। इसके लिए हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं का ही प्रयोग होता है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों से भारतीय भाषाओं को आज वैश्विक मंच मिला है। युवाओं को इसका सही इस्तेमाल करना चाहिए।

राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान होती हैं भाषाएं

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. हरीश अरोड़ा ने कहा कि वैश्विक संदर्भों से पूर्व भारतीय भाषाओं को भारत के संदर्भ में भी देखने की जरूरत है। भाषा व्यक्तित्व के साथ-साथ राष्ट्र की भी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखती है। 1,650 से अधिक भारतीय भाषाएं छोटे-छोटे समुदायों में आज भी जीवित हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सामूहिक संस्कृति ही उस राष्ट्र की पहचान बनती है। शिक्षक समुदाय आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान तो दे सकता है। लेकिन, उस ज्ञान को आगे बढ़ाने का काम युवा पीढ़ी को करना होगा।

भाषा को ज्ञान के रूप में देखने की जरूरत

वरिष्ठ पत्रकार कुमार जीवेंद्र झा ने कहा कि भारतीय भाषाएं संस्कृत जैसी स्थिति में न आएं] इसलिए हिंदी और अन्य मातृभाषाओं की महत्ता को समझने की जरूरत है। सभी भाषाएं राष्ट्र को जोड़ती हैं। भाषाओं के विकास व संवर्धन में शिक्षकों की भूमिका अहम है। स्कूल-कॉलेजों में पाठ्यक्रमों में विदेशी भाषाओं की जगह भारतीय भाषाओं का विकल्प दें। भाषा को ज्ञान के रूप में देखने की जरूरत है।

सत्ता में आने पर अमेरिका से नफरत करने वाले देशों की मदद बंद कर देंगे : हेली

भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने संकल्प लिया है कि सत्ता में आने पर वह अमेरिका से नफरत करने वाले देशों को मिलने वाली आर्थिक सहायता को पूरी तरह से बंद कर देंगी। पाकिस्तान, चीन, इराक और अन्य देशों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''एक मजबूत अमेरिका बुरे लोगों को रकम नहीं दे सकता।'' दक्षिण कैरोलिना की दो बार की गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत रही चुकीं 51 वर्षीय हेली ने इस महीने की शुरुआत में औपचारिक रूप से 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल होने की बात कही थी।

'न्यूयॉर्क पोस्ट' में लिखे एक लेख में हेली ने कहा, ''सत्ता में आने पर हम अमेरिका से नफरत करने वाले देशों को मिलने वाली आर्थिक सहायता को पूरी तरह से बंद कर देंगे। एक मजबूत अमेरिका बुरे लोगों को रकम नहीं दे सकता। अमेरिका हमारे लोगों की गाढ़ी कमाई को बर्बाद नहीं करता।'' उन्होंने कहा, ''और केवल वही नेता हमारे भरोसे के लायक हैं, जो हमारे दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए खड़े होते हैं और हमारे दोस्तों के साथ खड़े होते हैं। हेली ने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल विदेशी सहायता पर 46 अरब डॉलर खर्च किए हैं, जो चीन, पाकिस्तान और इराक जैसे देशों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी करदाताओं को यह जानने का हक है कि यह रकम कहां जा रही है और इस रकम से क्या किया जा रहा है।

भारत ने पाक को फिर धोया... कहा-तुम तो जवाब के लायक भी नहीं

यूएन में भारत के प्रतिनिधि प्रतीक माथुर ने कहा कि आतंकवादियों को पनाह देने वाला देश पहले अपना ट्रैक रिकॉर्ड देखे। प्रतीक माथुर ने कहा कि मैं इस मंच से कहना चाहता हूं कि भारत इस बार पाकिस्तान के शरारती उकसावों का जवाब नहीं देगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर फटकार लगाई है। भारतीय प्रतिनिधि ने पाकिस्तान को आतंकवादियों का सुरक्षित पनाहगाह बताया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत ने पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए अपना ट्रैक रिकॉर्ड देखने की सलाह दी है। यूएन में भारत के प्रतिनिधि प्रतीक माथुर ने कहा कि आतंकवादियों को पनाह देने वाला देश पहले अपना ट्रैक रिकॉर्ड देखे। प्रतीक माथुर ने कहा कि मैं इस मंच से कहना चाहता हूं कि भारत इस बार पाकिस्तान के शरारती उकसावों का जवाब नहीं देगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रतिनिधि को हमारी सलाह है कि अतीत में हमाने कई बार आरओआर का इस्तेमाल किया है। पाकिस्तान हमेशा से आतंकवाद को शरण देने का काम करता है। । हमारी पाकिस्तान के प्रतिनिधि को सलाह है कि 'उत्तर के अधिकार' के तहत हमारे द्वारा अतीत में दिए कई जवाबों को देखें।''

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने आपातकालीन विशेष सत्र के दौरान यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान के दौरान अपनी बात करते हुए जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया, जिसके बाद माथुर ने 'उत्तर देने के अधिकार' का इस्तेमाल किया। माथुर ने कहा, ''पाकिस्तान को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए जिसका आतंकवादियों को पनाह देने का पुराना रिकॉर्ड रहा है और वह बेधड़क ऐसा करता है। दो दिन की गहन वार्ता के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए हैं कि शांति के मार्ग पर चलकर ही संघर्ष की स्थिति से निपटा जा सकता है। ऐसे में यह गलत समय पर की गई बात है।

फ्रिज में मिले मॉडल के शव के टुकड़े, पूर्व पति के परिजन पर लगाए गए आरोप

पुलिस ने एक बयान में बताया कि हांगकांग की मॉडल एबी चोई की हत्या के मामले में उसके पूर्व ससुर और ससुर के बड़े भाई पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि उसकी पूर्व सास पर न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पैदा करने का आरोप लगाया गया है।

हांगकांग में एक रेफ्रिजरेटर से एक मॉडल के शव के टुकड़े मिलने के मामले में पुलिस ने उसके पूर्व पति के परिजन के खिलाफ हत्या के आरोप दर्ज किए हैं। पुलिस ने एक बयान में बताया कि हांगकांग की मॉडल एबी चोई की हत्या के मामले में उसके पूर्व ससुर और ससुर के बड़े भाई पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि उसकी पूर्व सास पर न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पैदा करने का आरोप लगाया गया है। प्राधिकारियों ने मॉडल के पूर्व पति (28) को भी शनिवार को गिरफ्तार किया था, लेकिन उसके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाए गए। यह मामला उस समय सामने आया था, जब पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को हांगकांग के ताई पो में एक गांव के एक मकान में रखे फ्रिज से मॉडल के शव के हिस्से बरामद किए थे। पुलिस अधीक्षक एलन चुंग ने शनिवार को बताया कि मकान से 'मीट ग्राइंडर', आरी, रेनकोट, दस्ताने और मास्क भी बरामद किए गए। चुंग ने बताया कि मॉडल के पूर्व पति एवं उसके परिवार का पीड़िता के साथ वित्तीय विवाद था।

मरू महोत्सव-2023 ऐतिहासिक कुलधरा गांव में रंगोली

पर्यटकों ने खाभा फोर्ट में लिया लोक संगीत व मयूर नृत्यों का आनंद...

मरू महोत्सव के अंतिम दिन देशी-विदेशी सैलानियों ने जैसलमेर जिले के ऐतिहासिक कुलधरा गांव एवं खाभा फोर्ट में आयोजित कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया। साथ ही, वहां पर आयोजित लोक संगीत कार्यक्रमों का भी लुत्फ उठाया। प्राचीन खाभा फोर्ट पर पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के तत्वावधान में मयूर नृत्य के दृश्यावलोकन व संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पर पहुंचे देशी-विदेशी पर्यटकों ने प्रातःकाल नाचते हुए मयूरों को देखा एवं उनके नृत्य को कैमरों में कैद किया। वहीं, पर्यटक लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत वाद्य संगीत को सुन मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह सके।

यहां सैलानियों ने पहाड़ों के बीच उगते हुए सूर्य को निहारा एवं प्राचीन कला संस्कृति को भी बारीकी से देखा। उन्होंने यहां के जियोलॉजिकल संग्रहालय का भी अवलोकन किया। लोक कलाकार तगाराम भील, इमामदीन, फोटे खान ने लोक संस्कृति के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जैसलमेर के कुलधरा गांव में श्री चन्द्रप्रकाश व्यास के निर्देशन में प्राचीन घरों में पर बहुत ही सुन्दर रंगोली बनाई गई। घरों पर बेहतरीन और आकर्षक मांडणे बनाए गए। देशी-विदेशी सैलानियों ने वहां पहुंचकर भवनों पर सुन्दर एवं सुसज्जित माडणों की डिजाइन को बारीकी से देखा एवं उनको अपने कैमरों में कैद किया।

घोड़ों की टापों से गूंजा रण क्षेत्र

लाणेला गांव के विशाल भू-भाग में फैले रण क्षेत्र में शानदार घुड़दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के तहत गेलफ घुड़दौड़ में 7, मादरी में 5, छोटी रेवाल में 35 तथा बड़ी रेवाल में 10 घोड़े शामिल हुए। प्रतियोगिता 4 श्रेणियों में आयोजित की गई। इसमें गेलफ घुड़दौड़ में ईश्वर केवलिया प्रथम, लीलू गिरी द्वितीय और नारायण सिंह डेढ़ा का घोड़ा तृतीय स्थान पर रहा। मादरी घुड़दौड़ में रूप सिंह खारा प्रथम, भवानी सिंह पूनमनगर द्वितीय तथा नारायण आसोतरा का घोड़ा तृतीय स्थान पर रहा। छोटी रेवाल घुड़दौड़ में मोहम्मद जांगड़ गुजरात प्रथम, हडुवंत सिंह मूलाणा द्वितीय तथा हजारी सिंह जोधा का घोड़ा तृतीय स्थान पर रहा। सबसे तेज चाल वाली बड़ी रेवाल घुड़दौड़ में गोस्त खान लखनऊ प्रथम, रूपसिंह खारा बाड़मेर द्वितीय और करण भटट् नडियाद गुजरात का घोड़ा तृतीय स्थान पर रहा। इस अवसर पर जैसलमेर विधायक श्री रूपाराम धनदे, उप महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल नॉर्थ असीम व्यास, सिंधी हॉर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विक्रम सिंह नाचना ने सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह् एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

नई शिक्षा नीति में प्राचीन ज्ञान की धरोहर, होगा विकास का मार्ग प्रशस्त....

राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि नई शिक्षा नीति प्राचीन ज्ञान के आलोक में समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगी। इससे विद्यार्थी हमारी संस्कृति के जीवन मूल्यों से जुड़े रहतेआधुनिक विकास की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि नई शिक्षा नीति प्राचीन ज्ञान के आलोक में समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगी। इससे विद्यार्थी हमारी संस्कृति के जीवन मूल्यों से जुड़े रहतेआधुनिक विकास की ओर अग्रसर हो सकेंगे। अजमेर में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय में आयोजित दशम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मिश्र ने बुधवार को कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय विश्वविद्यालयों को वैश्विक रैंकिंग में स्थान दिलाने के लिए काम किया जाए ताकि वह रोजगार मांगने के बजाए देने की सोच विकसित करे।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति मे ऐसे अनुसंधान और शिक्षण से जुड़े विश्वविद्यालयों की स्थापना पर जोर दिया गया है जिससे विद्यार्थी नवाचार एवं नए विषयों के अन्वेषण के लिए प्रेरित हो सकें। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति ऐसे आकांक्षी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाली है जिसमें बड़ी संख्या में छात्र आर्थिक, सामाजिक या जाति बाधाओं का सामना कर रहे हैं। इस शिक्षा नीति के तहत ऐसे जिलों को 'विशेष शैक्षिक क्षेत्र' के रूप में नामित कर उनके विकास की बात कही गयी है। मिश्र ने कहा कि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जी.ई.आर) केवल 27.1 प्रतिशत है, जो विश्व की तुलना में बहुत कम है। हमें इस अनुपात को बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध रूप से लगातार काम करना होगा। उन्होंने विश्वविद्यालयों से ऐसे पाठ्यक्रम और नवाचार करने को कहा जिससे उच्च शिक्षा में गुणवत्ता में सुधार के साथ ही नामांकन वृद्धि हो।

सरकार ने भोपाल के पास इस्लाम नगर का नाम बदलकर जगदीशपुर किया...

केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद नाम बदलने की घोषणा करने वाली राजपत्र अधिसूचना जारी की गई। विपक्षी दल कांग्रेस ने इस पर रोष जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह के कृत्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा भ्रष्टाचार और विकास की कमी से लोगों का ध्यान हटाने के लिए किए जा रहे हैं।

मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य की राजधानी भोपाल के पास स्थित ऐतिहासिक इस्लाम नगर का नाम बदलकर जगदीशपुर कर दिया है। जगदीशपुर इस इलाके का पहले का नाम था। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद नाम बदलने की घोषणा करने वाली राजपत्र अधिसूचना बुधवार को जारी की गई। विपक्षी दल कांग्रेस ने इस पर रोष जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह के कृत्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा भ्रष्टाचार और विकास की कमी से लोगों का ध्यान हटाने के लिए किए जा रहे हैं।इस्लाम नगर, अफगान-मुगल शासक दोस्त मोहम्मद खान द्वारा स्थापित भोपाल रियासत की राजधानी था। मालूम हो कि पिछले साल मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रसिद्ध गोंड रानी के नाम पर हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन कर दिया था जबकि भोपाल से लगभग 80 किलोमीटर दूर होशंगाबाद जिले का नाम बदलकर नर्मदापुरम कर दिया गया।

प्रदेश कांग्रेस की मीडिया शाखा के अध्यक्ष के के मिश्रा ने मुगलों से ताल्लुक रखने वाले इलाकों के नाम

बदलने की इस प्रवृत्ति पर हमला करते हुए कहा, '' चूंकि विकास की कमी के साथ-साथ भ्रष्टाचार भाजपा की पहचान बन गया है, इसलिए लोगों का ध्यान हटाने के लिए यह नाम बदलने की रणनीति में लिप्त है। हालांकि भाजपा प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य उन वीर शख्सियतों को लोगों के दिमाग में फिर से स्थापित करना है जिन्हें एक बड़ी साजिश के तहत व्यवस्थित तरीके से इतिहास में नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने दावा किया कि इस तरह से असली नामों को सामने लाने के बाद लोगों के दिमाग से उपनिवेशवाद के प्रतीक स्वतः ही मिट जाते हैं। केंद्र सरकार ने हाल ही में राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन का नाम बदलकर '' अमृत उद्यान '' कर दिया है जिसकी कुछ विपक्षी दलों ने आलोचना की।

पत्रकार बनने के लिए पत्रकारिता में डिग्री या डिप्लोमा अनिवार्य होना चाहिए : पीसीआई

पैनल के सदस्य वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश दुबे ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा सरकार को कुछ निर्देश जारी किए जाने के बाद पीसीआई ने प्रिंट मीडिया संवाददाताओं या पत्रकारों के लिए आवश्यक योग्यता के मुद्दे पर विचार करने के लिए उपसमिति का गठन किया है। भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की उपसमिति द्वारा आयोजित बैठक में भाग लेने वालों का कहना है कि पत्रकार बनने के लिए पत्रकारिता में डिग्री या डिप्लोमा अनिवार्य योग्यता होनी चाहिए। पैनल ने मंगलवार से दो दिनों तक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के परिसर में पत्रकारिता के विभिन्न हितधारकों और शिक्षकों से मुलाकात की। पैनल के सदस्य वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश दुबे ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा सरकार को कुछ निर्देश जारी किए जाने के बाद पीसीआई ने प्रिंट मीडिया संवाददाताओं या पत्रकारों के लिए आवश्यक योग्यता के मुद्दे पर विचार करने के लिए उपसमिति का गठन किया है।

उपसमिति का नेतृत्व राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के पूर्व निदेशक जे. एस. राजपूत कर रहे हैं और इसके अन्य सदस्यों में प्रकाश दुबे, समूह संपादक, दैनिक भास्कर; सुमन गुप्ता, संपादक,

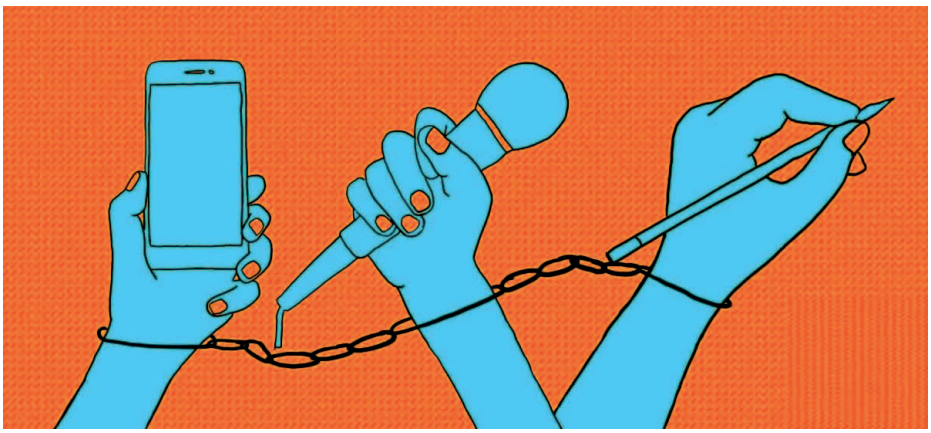

जनमोर्चा, लखनऊ और श्याम सिंह पंवार छोटे और मध्यम समाचार पत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। दुबे ने कहा कि हितधारकों ने सुझाव दिया कि पत्रकारिता में डिग्री या डिप्लोमा को एक आवश्यक योग्यता के रूप में निर्धारित किया जाना चाहिए। माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के कुलपति के. जी. सुरेश ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों की तरह पत्रकारिता की शिक्षा (पाठ्यक्रम) एक पत्रकार के लिए जरूरी है। बुधवार को बैठक खत्म होने के बाद सुरेश ने पीसीआई पैनल के सदस्यों के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की।

महाशिवरात्रि के मौके पर उज्जैन में बना गिनीज बुक रिकॉर्ड...

महाशिवरात्रि के मौके पर बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में खास रिकॉर्ड बना है। इस रिकॉर्ड के बाद उज्जैन ने अयोध्या का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। महाशिवरात्रि के मौके पर मध्यप्रदेश के उज्जैन में तेल के दिये प्रज्जविलत कर नया रिकॉर्ड बना है। मध्य प्रदेश में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में नया विश्व रिकॉर्ड बना है। यहां शनिवार शाम यानी 18 फरवरी को क्षिप्रा नदी के तट पर लाखों दीये प्रज्जवलित कर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। इस दौरान उज्जैन में 18.82 लाख दीये जलाकर नया रिकॉर्ड बनाया और गिनीज बुक में नाम दर्ज किया है।

बता दें कि इस दौरान गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम भी मौजूद रही। टीम के स्वप्निल डांगरीकर ने कहा कि उज्जैन से पहले तेल के दीये प्रज्जवलित करने का विश्व रिकॉर्ड दीपावली के मौके पर अयोध्या में बना था जहां 15.76 लाख दीये प्रज्ज्वलित हुए थे । इस बार इस रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए उज्जैन में 18.82 लाख दीये जलाए गए है। जानकारी के मुताबिक क्षिप्रा नदी के तट पर इतनी बड़ी संख्या में दीप प्रज्ज्वलन के कार्य को करीब 20 हजार स्वयंसेवकों ने पूरा किया।

उन्होंने कहा कि दीयों को कम से कम पांच मिनट के लिए जलना था, जो कि सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन करने में स्थानीय प्रशासन के साथ नागरिकों के समूहों ने भी जी तोड़ मेहनत की है। दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम में खुद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी शिरकत की थी। वो यहां अपनी पत्नी साधना सिंह चौहान के साथ पहुंचे थे।

बता दें कि इस दौरान कुल 18,82,229 दीप जलाए गए। कार्यक्रम को और आकर्षक बनाने के लिए लेजर शो का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी पत्नी के साथ नौका पर बैठ कर रामघाट से भूखीमाता तक लगाये गये दीपों की अद्भुत छटा को निहारने भी गए। बता दें कि कार्यक्रम के बाद घाटों की रोशनी को बंद किया गया ताकि घाटों पर लगाए गए दीयों की रोशनी का आनंद लिया जा सके जो कि क्षिप्रा नदी के तट पर दिख रहा था। इस खास मौके पर 'शिव ज्योति अर्पणम' का टाइटल सॉन्ग भी लॉन्च किया गया।

जानकारी के मुताबिक महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महाकाल की नगर उज्जैन में 21 लाख तेल के दीपक जलाने का लक्ष्य रखा गया था हालांकि 18.82 लाख दीये जलाने में ही सफलता मिल सकी। दीयों की गिनती के लिए ड्रोन कैमरों की मदद ली गई थी। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब महाशिवरात्रि के मौके पर उज्जैन में दीपोत्सव कार्यक्रम किया गया है। इससे पहले वर्ष 2022 में भी महाशिवरात्रि के मौके पर 11,71,078 मिट्टी के दीये जलाए गए थे।

मुख्यमंत्री को सौंपा गया सर्टिफिकेट

जानकारी के मुताबिक गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की टीम के स्वप्निल डंगरीकर और निश्चल बारोट ने वर्ल्ड रिकार्ड स्थापित होने का प्रमाण-पत्र मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपा है। इस मामले पर स्वप्निल डंगरीकर ने कहा कि उज्जैन में 18 फरवरी की शाम को 18 लाख 82 हजार 229 दीप सफलतापूर्वक प्रज्ज्वलित किए गए है। शिव ज्योति अर्पण कार्यक्रम में रामघाट पर दीप प्रज्ज्वलन का कार्य शाम 7 बजे से शुरू हुआ।

महिलाएं किसी भी जिम्मेदारी को उठाने में सक्षम : राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू

यहां अपने पूर्व शिक्षण संस्थान, रमा देवी महिला विश्वविद्यालय (आरडीडब्ल्यूयू) के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि वे समाज के साथ-साथ पूरे देश में किसी भी जिम्मेदारी को उठाने में सक्षम हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, चाहे वह राजनीति, अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल, साहित्य और संगीत हो। यहां अपने पूर्व शिक्षण संस्थान, रमा देवी महिला विश्वविद्यालय (आरडीडब्ल्यूयू) के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि वे समाज के साथ-साथ पूरे देश में किसी भी जिम्मेदारी को उठाने में सक्षम हैं।

राष्ट्रपति ने रेखांकित किया, " सामाजिक असमानता पैदा करने वाला लैंगिक भेदभाव ध्वस्त हो गया है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, चाहे वह राजनीति हो, रक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल, साहित्य, संगीत या कला हो। संसद के इतिहास में पहली बार 100 से ज्यादा (महिला) सांसद हैं।" वह अपने गृह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं। मुर्मू आदिवासी बहुल जिले मयूरभंज के दूर दराज के राइरंगपुर इलाके से ताल्लुक रखती हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने कॉलेज में जो सबक सीखे और अनुभव प्राप्त किए, उससे उन्हें एक बेहतर इंसान बनने में मदद मिली। राष्ट्रपति ने भावुक होते हुए कहा, " मैंने कॉलेज परिसर के ठीक बाहर फेरीवालों द्वारा बेची जाने वाली खाद्य सामग्री से गुजारा

किया। 25 पैसे में मुट्ठी भर मूंगफली मिलती थी, जो मेरे लिए काफी थी। मैं खुश थी।" उन्होंने कहा कि वह आरडीडब्ल्यूयू की छात्राओं और संकाय सदस्यों के प्यार और स्नेह से अभिभूत हैं।

मुर्मू ने कहा कि उन्हें संस्थान की छात्रा होने पर गर्व है, जहां सभी छात्राओं के साथ समान व्यवहार किया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों की चार महिलाओं को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की। बाद में परिसर से बाहर निकलते समय मुर्मू ने देखा कि कुछ लड़कियां उनका अभिवादन करने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रही हैं। वह फौरन अपनी कार से उतरीं और उनसे हाथ मिलाया।

कभी लचर कानून व्यवस्था के लिए जाना जाने वाला उप्र अब तेजी से तरक्की कर रहा : मोदी

उत्तर प्रदेश में चयनित 9,055 पुलिस उप निरीक्षकों, प्रादेशिक सशस्त्र बल (पीएसी) के प्लाटून कमांडर और अग्निशमन अधिकारियों को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बांटे जा रहे नियुक्ति पत्र समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि एक समय था जब उत्तर प्रदेश माफियाओं और ध्वस्त कानून व्यवस्था की वजह से जाना जाता था, लेकिन आज इसकी पहचान बेहतर कानून व्यवस्था और तेज गति से विकास की ओर अग्रसर राज्य के रूप में होती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत किया है।

उत्तर प्रदेश में चयनित 9,055 पुलिस उप निरीक्षकों, प्रादेशिक सशस्त्र बल (पीएसी) के प्लाटून कमांडर और अग्निशमन अधिकारियों को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बांटे जा रहे नियुक्ति पत्र समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से कहा, ''एक समय था जब उत्तर प्रदेश माफियाओं और ध्वस्त कानून व्यवस्था की वजह से जाना जाता था, लेकिन आज इसकी पहचान बेहतर कानून व्यवस्था और तेजी से विकास कर रहे राज्य के रूप में होती है।''

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड किया हुआ वीडियो संदेश सुनाया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना एवं अन्य ने हिस्सा लिया। मोदी ने कहा कि यह अवसर 9,000 से अधिक परिवारों के चेहरे पर खुशी लेकर आया है और कहा कि इस नयी भर्ती से राज्य पुलिस बल और मजबूत होगा। मोदी ने कहा, ''मुझे बताया गया कि 2017 से जब से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार आयी है, अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस में डेढ़ लाख से ज्यादा नयी नियुक्तियां हुई हैं। यानी भाजपा के शासन में रोजगार और सुरक्षा दोनों में बढ़ोतरी हुई है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम सब जानते हैं कि जहां भी कानून व्यवस्था मजबूत होती है, वहां रोजगार की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जहां सुरक्षित माहौल बनता है, निवेश बढ़ने लगता है।''

मोदी ने कहा, ''इन दिनों रोजगार मेला मेरे लिए एक विशेष कार्यक्रम बन गया है। कई महीनों से मैं देख रहा हूं कि हर सप्ताह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित किसी न किसी राज्य में रोजगार मेले हो रहे हैं। हजारों नौजवानों को रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। मेरा सौभाग्य है कि मुझे उसमें साक्षी बनने का अवसर मिल रहा है।'' प्रधानमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामना देते हुए कहा, ''आज जिन्हें नियुक्ति पत्र मिला है, उन्हें एक बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि आपके जीवन में नयी जिम्मेदारी, नयी चुनौतियां, नये अवसर आने वाले हैं, रोज नया अवसर आपके लिए इंतजार कर रहा है।''

उन्होंने कहा, ''मैं व्यक्तिगत रूप से उत्तर प्रदेश के सांसद के तौर पर कह रहा हूं, भले आपको नियुक्ति पत्र मिला है, आपके नये जीवन की शुरुआत हुई है, लेकिन अपने भीतर के विद्यार्थी को कभी मरने मत देना। हर पल नया सीखना। क्षमता बढ़ाना है।'' उत्तर प्रदेश में वाराणसी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले मोदी ने ऑनलाइन शिक्षा के साधनों का जिक्र करते हुए कहा कि अब तो ऑनलाइन शिक्षा के काफी साधन उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आपके प्रगति के लिए जरूरी है कि अपने जीवन को रुकने मत दीजिए। जीवन भी नयी ऊंचाइयों को पार करता चलें, इसलिए योग्यता को बढ़ाना है।

तालाब बनने से ग्वालियर के किसान हुए लाभान्वित...

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में किसानों को राहत पहुंचाने के लिए एस एम सहगल फाउंडेशन (सहगल फाउंडेशन) ने साल 2021-22 में ''भूजल विकास परियोजना'' का क्रियान्वन किया। इसका उद्देश्य है कि तालाबों और कुओं का पुनर्भरण किया जा सके। इस परियोजना के जरिए घटते जल स्तर को फिर से बढ़ाने पर जोर दिया गया।

ग्वालियर मध्य प्रदेश के उत्तरी भाग में स्थित है जहाँ की जलवायु बेहद गर्म है और विशेष रूप से अप्रैल, मई और जून माह में चिलचिलाती गर्मी उच्च स्तर पर पहुंच जाती है। ग्रीष्मकाल में अधिकतम तापमान 43 से 48 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुँच जाता है। समुदाय की आजीविका का मुख्य साधन कृषि है और किसान अपनी फसलों की सिंचाई के लिए सतही जल पर निर्भर हैं, जिससे इस क्षेत्र में जल स्तर कम होता जा रहा है जो किसानों की आजीविका के लिए खतरा है।

एस एम सहगल फाउंडेशन (सहगल फाउंडेशन) ने साल 2021-22 में मध्य प्रदेश में ग्वालियर जिले के मुरैना और घाटीगांव ब्लॉक में डीसीबी बैंक लिमिटेड के सहयोग से "भूजल विकास परियोजना" का क्रियान्वन किया जिसका मुख्य उद्देश्य तालाबों के साथ पुनर्भरण कुओं का निर्माण करके ऐसी प्रणाली विकसित करना था जिससे घटते जल स्तर को फिर से बढ़ाया जा सके। कृषक समुदाय कृषि जरूरतों के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए दुगनावली और भाटपुरा डांग गांवों में 38 मिलियन लीटर सतही जल भंडारण क्षमता विकसित की गई, जिससे 364 परिवारों में 1950 से अधिक की आबादी और उनके 825 पशुधन को सीधे लाभ हुआ। दुगनावली गांव में पुनर्भरण कुएं में अतिरिक्त जल भंडारण और पुनर्भरण क्षमता विकसित की गई। इस प्रकार यहाँ लंबे समय के लिए भूजल की मात्रा और गुणवत्ता में सुधार किया गया और समुदाय की जरूरतों और पशुओं के लिए अधिक जल उपलब्धता प्रदान की गई।

दुगनावली गांव के रहने वाले कमल किशोर ने कहा कि "यहाँ जल संरक्षण के लिए बनाए गए तालाब से उनकी फसलों को समय पर पर्याप्त सिंचाई मिलती है। जब से तालाब बना है, मेरे कुएँ का जलस्तर भी बढ़ गया है। पहले मोटर चलाने पर कुएं का पानी लगभग 1.5 घंटे में खत्म हो जाता था, पर अब मोटर को तीन घंटे आराम से चलाया जा सकता है।"

ऐसा ही अनुभव भाटपुरा डांग गांव के करतार सिंह गुर्जर और लोकेंद्र फुल राजेंद्र का भी रहा। तालाब बनने से पानी की उपलब्धता रहती है जिससे किसान अनेक प्रकार की फसलें उगाने लगे हैं। करतार सिंह कहते हैं कि, "तालाब के कारण अब मैं अपनी फसलों की समय पर सिंचाई कर पाता हूं। हमारे बोरवेलों और कुओं में भी पानी का स्तर बढ़ गया है; मैंने इस साल अन्य फसलों के साथ अपनी घर के लिए कुछ सब्जियों की भी खेती की है।"

लोकेंद्र फुल ने बताया कि, मैं एक बीघा जमीन में सरसों की खेती करता था। इस साल तालाब में पानी की उपलब्धता के कारण मैंने अपनी फसल का क्षेत्र दुगना कर दिया और दो बीघे में सरसों की खेती की है। जल विकास परियोजना के सकारात्मक परिणामों से प्रभावित होकर समुदाय ने डीसीबी बैंक लिमिटेड और सहगल फाउंडेशन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

पत्रकार बनने के लिए पत्रकारिता में डिग्री या डिप्लोमा अनिवार्य होना चाहिए : पीसीआई पेनल

पैनल के सदस्य वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश दुबे ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा सरकार को कुछ निर्देश जारी किए जाने के बाद पीसीआई ने प्रिंट मीडिया संवाददाताओं या पत्रकारों के लिए आवश्यक योग्यता के मुद्दे पर विचार करने के लिए उपसमिति का गठन किया है।

भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की उपसमिति द्वारा आयोजित बैठक में भाग लेने वालों का कहना है कि पत्रकार बनने के लिए पत्रकारिता में डिग्री या डिप्लोमा अनिवार्य योग्यता होनी चाहिए। पैनल ने मंगलवार से दो दिनों तक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के परिसर में पत्रकारिता के विभिन्न हितधारकों और शिक्षकों से मुलाकात की। पैनल के सदस्य वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश दुबे ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा सरकार को कुछ निर्देश जारी किए जाने के बाद पीसीआई ने प्रिंट मीडिया संवाददाताओं या पत्रकारों के लिए आवश्यक योग्यता के मुद्दे पर विचार करने के लिए उपसमिति का गठन किया है।

उपसमिति का नेतृत्व राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के पूर्व निदेशक जे. एस. राजपूत कर रहे हैं और इसके अन्य सदस्यों में प्रकाश दुबे, समूह संपादक, दैनिक भास्कर; सुमन गुप्ता, संपादक, जनमोर्चा, लखनऊ और श्याम सिंह पंवार छोटे और मध्यम समाचार पत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। दुबे ने कहा कि हितधारकों ने सुझाव दिया कि पत्रकारिता में डिग्री या डिप्लोमा को एक आवश्यक योग्यता के रूप में निर्धारित किया जाना चाहिए।

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के कुलपति के. जी. सुरेश ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों की तरह पत्रकारिता की शिक्षा (पाठ्यक्रम) एक पत्रकार के लिए जरूरी है। बुधवार को बैठक खत्म होने के बाद सुरेश ने पीसीआई पैनल के सदस्यों के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। चौहान ने विश्वास व्यक्त किया कि भोपाल में उपसमिति को मिले सुझाव मददगार साबित होंगे।

सात दिन का काशी बना बुरहानपुर, चार दिन में जुटे 7.10 लाख भक्त

सतयुग में काशी विश्वनाथ से अधिक महत्व पौराणिक ब्रह्मपुर का रहा है।ऐसा ताप्ती महापुराण में भी वर्णित किया गया है। श्री शिव महापुराण कथा से मानो फिर बुरहानपुर का वह महत्व लौट आया है। सात दिन के लिए काशी जैसा माहौल बना हुआ है। पंडित प्रदीप मिश्रा ने ऐसी आस्था जगाई कि महज चार दिन में 7.10 लाख से ज्यादा भक्त बुरहानपुर पहुंच गए। यह दावा हमारा नहीं, बल्कि बढ़ता विशाल पंडाल खुद बयां कर रहा है। शहर के इतिहास में यह पहली कथा है, जिसमें इतनी संख्या में भक्त पहुंचे हैं।

व्यासपीठ से पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा- जब मिट्टी का दिया रातभर अंधेरे से लड़ सकता है तो भगवान का दिया हुआ तू इंसान जीवन की छोटी-छोटी समस्या से क्यों नहीं लड़ सकता। समस्या आने पर भगवान बदलना और भटक कर तंत्र-मंत्र, छू-मंतर अर्थात तात्कालिक हल के लिए भोले को भूल जाने वाले को बाद में पछताना पड़ता है। इसलिए भगवान से भरोसा मत छोड़ना। भय में जीने की आदत को छोड़ो। एक लोटा जल चढ़ाओं, सब दुःख गल जाएंगे। उन्होंने कहा कि अपने भक्ति के बल को बढ़ाओ तो भगवान खुद आपको ढूंढेंगा। हम अपनी दृढ़ता और विश्वास को नहीं बढ़ा रहे है यही समस्या का सबसे बड़ा कारण है।

ऐसा है भक्तों का आंकलन

- पहले दिन 2 लाख वर्गफीट में पंडाल बिछा था। तीन दिन में 2 लाख वर्गफीट और बढ़ा है। 3600 और 13500 वर्गफीट के तीन डोम।
- जानकार अनुसार औसत 3 वर्गफीट में एक व्यक्ति बैठ सकता है। ऐसे में पहले दिन 1.10 लाख, दूसरे दिन 1.90 लाख, तीसरे दिन 2.10 लाख, चौथे दिन 2 लाख भक्त पहुंचने का अनुमान है।

पहले दिन 2.17 लाख वर्गफीट में थी बैठक व्यवस्था, चार दिन 2 लाख वर्गफीट का पंडाल बढाना पड़ा

बढ़ा रोजगार

- महाराष्ट्र से रोज 48 एसटी, 25 वॉल्वो चल रही हैं। ट्रेनों से
- जिले में 130 और बाहर शहरों से 120 यात्री बसें फूल चल रही है।
- अलग-अलग क्षेत्रों के माध्यम से हजारों हाथों को रोजगार भी मिल रहा है।
- काशी, हरिद्वार, शेगांव, शिर्डी, ओंकारेश्वर, उज्जैन, इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर सहित अन्य क्षेत्र के व्यापारी धार्मिक सामग्री बेच रहे हैं।

कथा सुनने वाले भक्तों की नि:शुल्क दाढ़ी-कटिंग

- बुरहानपुर अहीर नाभिक समाज कथा सुनने वाले भक्तों की निःशुल्क दाढ़ी-कटिंग कर रहा है। अहीर नाभिक समाज अध्यक्ष संतोष वारुड़े ने बताया- दिन में सेवादार दाढ़ी-कटिंग कर रहे हैं। रात को चाय बांट रहे हैं।
- भुसावल का अग्रवाल परिवार रोज 20 क्विंटल खिचड़ी निःशुल्क बांट रहा। चार दिन में 80 क्विंटल खिचड़ी बंट चुकी है।
- सूर्यवंशी लोहार समाज रोज 1200 लीटर गन्ना जूस बांट रहा है। अब तक 4800 लीटर जूस बंट चुका है।
- एक समाज रोज 10 क्विटल आलू वड़े बांट रहा है। अब तक 40 क्विंटल आलू वड़े भक्त खा चुके है।
- फतेह गुरु गोविंदसिंह जिन में भोजनशाला से रोज 1.90 लाख रोटी बंट रही है।

मोदीजी के नेतृत्व में एक नए भारत का हो रहा उदय : मुख्यमंत्री

यूथ गेम्स में प्रदेश के पदक विजेताओं को अगले खेलों के लिये दिये जायेंगे 5 लाख, सभी खिलाड़ियों को जान से ज्यादा संभाल कर रखेंगे...

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी देकर अद्भुत कार्य किया है। उनके नेतृत्व में एक नए भारत का उदय हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान तात्या टोपे स्टेडियम में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान कहा कि कल ही भारत की महिला टीम ने टी-20 अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप जीता है। खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के लिए मध्यप्रदेश में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश में 18 खेलों के लिये 11 खेल अकादमी स्थापित की गई हैं। ये खेल नए खिलाड़ी गढ़ने का काम करेंगे। देश के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी नाम रोशन करेंगे। मध्यप्रदेश के खिलाड़ी जो पदक जीत कर आयेंगे उनको अगले खेलों के लिए 5 लाख रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। जोर लगा दो जान लगा दो हिन्दुस्तान का दिल धड़का दो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आरंभ की घोषणा की। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खेल मशाल अमरकंटक को स्थापित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि खेलो इंडिया गेम्स में शामिल होने आये सभी खिलाड़ियों को हम जान से ज्यादा संभाल कर रखेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी सही कहते हैं कि जब कोई खिलाड़ी ओलिम्पिक में पदक जीतता है, तो 130 करोड़ देखवासी गौरवान्वित होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिये हर स्तर पर प्रयास किये गये हैं। पहले मध्यप्रदेश की खेलों में गिनती नहीं होती थी। पिछले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 38 पदक जीत कर प्रदेश का नाम रौशन किया था। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में पहले खेलों का बजट 5 करोड़ रूपये हुआ करता था, जो अब बढ़ कर 347 करोड़ रूपये हो गया है। प्रदेश के खिलाड़ियों और खेलों को आगे बढ़ाने के लिये कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी और न ही फंड की कमी आने देंगे।

केन्द्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में खेलों को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स जब पिछली बार हरियाणा में हुआ था तो कई रिकार्ड टूटे, जिसमें लड़कियों की भूमिका उल्लेखनीय रही। मध्यप्रदेश में भी ऐसे ही कई रिकार्ड तोड़ने के लिए उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री मोदी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने का कार्य निरंतर कर रहे हैं। भारत के युवा खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। परम्परागत खेलों को राष्ट्रीय स्तर पर शामिल किया गया है। केन्द्रीय मंत्री श्री ठाकुर ने मध्यप्रदेश में देश के कोने-कोने से आए सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन किया।

प्रदेश की खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स से मध्यप्रदेश में खेलों का नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने मध्यप्रदेश को खेलो इंडिया की मेजबानी देने के लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि खेलों की वजह से पूरे देश के खिलाड़ियों को आज यहाँ एकत्रित होने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में कई खेल सुविधाओं का विस्तार किया है। श्रीमती सिंधिया ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिये शुभकामनाएँ दी।

समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान से हुआ। शिवभक्ति केन्द्रित नृत्य प्रस्तुति हुई। टीटी नगर स्टेडियम के मुख्य ग्राउंड में लगभग 100 मीटर लम्बे स्टेज पर मध्यप्रदेश की संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर को दर्शाया गया। इसमें नर्मदा घाट, खजुराहो मंदिर, भीमबेटका, श्री महाकाल महालोक, साँची स्तूप, ओरछा के मंदिर, भेड़ाघाट और ग्वालियर फोर्ट की प्रतिकृति बनाई गई। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के शुभारंभ समारोह में लेजर-शो के साथ आकर्षक आतिशबाजी की गई।

समारोह में सिने जगत के सुप्रसिद्ध प्लेबेक सिंगर श्री शान और सुश्री नीति मोहन ने गीत-संगीत की प्रस्तुतियों से मौजूद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों का मन मोह लिया। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध ड्रमर शिवामणि और ग्रुप द्वारा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की 100 लोक कलाकारों के साथ प्रस्तुति दी गई। इसके अतिरिक्त अभिलिप्सा पांडा द्वारा 'हर हर शंभु' और नटराज डांस ग्रुप की प्रस्तुति, प्रिंस डांस ग्रुप द्वारा जी-20 की 'वसुधैव कुटुम्बकम' पर शानदार डांस प्रस्तुति दी। समारोह में प्रख्यात टीवी स्टार जय भानुशाली ने एंकरिंग की।

केन्द्रीय खेल राज्य मंत्री श्री निसिथ प्रामाणिक, अरूणाचल प्रदेश के खेल मंत्री श्री मामा नटुंग, गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय के साथ मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह भी मौजूद थी।

64 वर्ष के बाद वही तिथि, वही नक्षत्र में नवनिर्मित मंदिर में विराजीं मां अन्नपूर्णा

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने किया लोकार्पण... महामंडलेश्वर ने मूर्तियों के हृदय स्थल को अंगूठे से छूकर किया नामकरण

इंदौर के इतिहास में आस्था और अध्यात्म का नया अध्याय शुक्रवार को उस वक्त जुड़ गया, जब संतों ने 64 वर्ष बाद उसी तिथि, उसी नक्षत्र में उसी परिसर में मां अन्नपूर्णा, महाकाली और महासरस्वती के साथ श्रीगणेश, हनुमानजी और महादेव को भिक्षा देती हुई मां पार्वती की मूर्तियों में मंत्रों के साथ चैतन्यता प्रदान की। वर्ष 1959 में महामंडलेश्वर स्वामी प्रभानंद गिरि ने माघ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर पुनर्वसु नक्षत्र में जब मां अन्नपूर्णा के साथ अन्य देवियों की स्थापना की थी, उसी संयोग में एक बार फिर यह अनुष्ठान हुआ।इस मौके पर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि, जूना पीठाधीश आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, श्रीविद्याधाम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती, अण्णा महाराज सहित कई साधु-संत उपस्थित थे। मंत्रोच्चार से गूंजते मंदिर में स्वामी अवधेशानंद गिरि ने बारी-बारी से मूर्तियों के हृदय स्थल को अंगूठे से छूआ और उनका नामकरण किया। पूरा मंदिर जयघोष से गूंज उठा। प्राण प्रतिष्ठा के बाद हर मूर्ति को दर्पण दिखाया गया।

भगवान की मूर्तियों को दिया नामः ब्रह्म मूहुर्त में यजमानों ने अपने आभूषण तक उतारकर मूर्तियों की स्थापना वेदी के नीचे डाल दिए। वहीं दोपहर 11.30 बजे अभिजित मुहूर्त में हुई प्राण प्रतिष्ठा विधि के समय मुख्य द्वार पर शहनाई वादन ने मंगलबेला को सुरीला बना दिया। आतिशबाजी कर भक्तों ने प्रसन्नता का प्रमाण दिया। ड्रोन से पुष्पवर्षा की गई। शाम को मंदिर के लोकार्पण के बाद भक्तों को दर्शन का मौका मिला। यहां स्थापित गणेशजी की मूर्ति को सिद्धिविनायक और हनुमानजी की मूर्ति को संकटमोचन नाम दिया गया। बाहर स्थापित मां पार्वती और शिवजी की मूर्ति को गौरीशंकर नाम दिया गया। अंत में देवी-देवताओं को मुख्य यजमान विनोद नीना अग्रवाल ने दर्पण दिखाया। अनुष्ठान आचार्य पं. कल्याणदत्त शास्त्री के निर्देशन में हुआ।

इस तरह हुई स्थापना

गुरुवार शाम शैयाधिवास के बाद शुक्रवार सुबह ब्रह्म मुहूर्त में इन मूर्तियों को यथास्थान पर स्थापित किया गया। स्थापना की विधि स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि ने कराई। इस दौरान जिस वेदी पर मूर्तियां स्थापित होनी थीं, उनके नीचे स्वर्ण, रजत, रत्न आदि डाले जाने थे। इस दौरान यजमानों ने अपने आभूषण उतारकर अर्पित कर दिए। वेदी को मजबूती प्रदान करने का कार्य वास्तुविद सत्यप्रकाश राजपूत ने किया। यह क्रिया सुबह 5 बजे से 6 बजे तक जारी रही। इसके बाद 11.30 बजे अभिजित मुहूर्त में महामंडलेश्वर ने गर्भगृह में प्रवेश किया।

हृदय पर अंगूठे का स्पर्श कराकर प्राण प्रतिष्ठा

अन्नपूर्णा पाठशाला के पं. किशोर जोशी वैदिक ने बताया कि गणपतिजी के स्मरण के बाद प्राण प्रतिष्ठा के लिए संकल्प लिया। फिर बीजमंत्रों द्वारा स्थापना की गई। इसके बाद शरीर की सभी इंद्रियों का मंत्रों के माध्यम से स्मरण करते हुए ओम का 15 बार उच्चारण किया गया। बाद में हृदय पर अंगूठे का स्पर्श कराकर प्राण प्रतिष्ठा की गई। गर्भगृह के बाहर विराजित हनुमानजी और गणेशजी का भी पूजन किया गया।

धरती ने 1700 के बाद से करीब 21 फीसदी आर्द्रभूमि गंवाई...

'नेचर' जर्नल में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वर्ष 1700 के बाद से करीब 21 फीसदी आर्द्रभूमि समाप्त हुई है। हालात यह हैं कि अब कई तरह के दलदली क्षेत्र नक्शे के साथ-साथ हमारी यादों से भी ओझल हो गये हैं।

क्रिश्चियन डन, वरिष्ठ व्याख्याता (प्राकृतिक विज्ञान), बांगोर विश्वविद्यालय बांगोर (वेल्स), 10 फरवरी (द कन्वरसेशन) ग्रह (पृथ्वी) के बहुत से प्राकृतिक वासों की तरह पिछले 300 से अधिक वर्षों के दौरान आर्द्रभूमि भी क्रमिक रूप से नष्ट हुई है। 'नेचर' जर्नल में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वर्ष 1700 के बाद से करीब 21 फीसदी आर्द्रभूमि समाप्त हुई है। हालात यह हैं कि अब कई तरह के दलदली क्षेत्र नक्शे के साथ-साथ हमारी यादों से भी ओझल हो गये हैं। इन क्षेत्रों को सुखाकर खेती की जमीन में परिवर्तित कर दिया गया या फिर इन पर निर्माण कर लिया गया।

पानी के भरोसेमंद स्रोत के नजदीक होने और अमूमन समतल होने के नाते शहर बसाने और खेत बनाने के लिहाज से आर्द्रभूमि हमेशा से प्रमुख निशाना रही है। दलदली भूमि से पानी हटा देने से बहुत उपजाऊ भूमि की प्राप्ति होती है। लेकिन आर्द्रभूमि आधुनिक संकटों का कुछ बेहतरीन प्राकृतिक समाधान प्रदान करती है। आर्द्रभूमि प्रदूषकों को दूर कर या उन्हें छानकर पानी को साफ करती, बाढ़ के पानी को हटाती है, वन्य जीवों को आश्रय प्रदान करती, हमारी मानसिक और शारीरिक सेहत को सुधारती है और जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार कार्बन का भंडारण करती है।

पीटलैंड (एक खास तरह की आर्द्रभूमि) पूरी दुनिया के जंगलों का कम से कम दोगुना कार्बन का भंडारण करते हैं। इसके बावजूद आर्द्रभूमि का क्षय हुआ, लेकिन पूरी दुनिया में यह क्षय एक समान नहीं है। सन 1700 से धरती के अनमोल आर्द्रभूमि खत्म हुई है, इसकी जानकारी 'नेचर' जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन में मिली है। पहले अनुमान था कि हमारी आर्द्रभूमि का 50 फीसदी तक खत्म हो गई है, लेकिन ताजा शोध से पता चला है कि यह आंकड़ा 21 फीसदी के करीब हो सकता है-जो भारत के आकार के बराबर क्षेत्र है।

कुछ देशों में यह नुकसान सर्वाधिक हुआ है मसलन आयरलैंड में 90 फीसदी से अधिक आर्द्रभूमि समाप्त हुई है। वैश्विक स्तर पर आर्द्रभूमि के खत्म होने का प्रमुख कारण कृषि के लिए दलदली भूमि से जल की निकासी है। इसी तरह, यूरोप की करीब 50 फीसदी तो ब्रिटेन की करीब 75 फीसदी आर्द्रभूमि समाप्त हुई है। अमेरिका, मध्य एशिया, भारत, चीन, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया में भी मूल आर्द्रभूमि के सापेक्ष 50 फीसदी समाप्त हो चुकी है। लेकिन साइबेरिया और कनाडा के उत्तरी पीटलैंड्स में अब भी प्रचुर मात्रा में आर्द्रभूमि है जिसका क्षय नहीं हुआ और यही हमारे के लिए राहत की बात है।

पारिस्थितिकी तंत्र की 'टॉनिक' आर्द्रभूमि भूमि पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में टॉनिक की तरह काम करती है। आर्द्रभूमि में कुछ एकड़ के नुकसान से वैश्विक या राष्ट्रीय स्तर पर भले ही बहुत फर्क नहीं पड़ता हो, लेकिन नजदीकी शहरों पर इसका घातक असर पड़ता है खासकर बरसात में बाढ़ के समय। इसके अलावा कई प्रजाति के पौधों और जीव जन्तुओं के लिए भी इस तरह का नुकसान आपदाकारी है। सौभाग्य से देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने स्थानीय और वैश्विक स्तर पर आर्द्रभूमि की महत्ता को समझना शुरू कर दिया है।

कुछ देशों ने 'कोई सकल नुकसान नहीं' की नीति को अपनाया है, जिसके तहत विकासकर्ताओं के लिए यह बाध्यकारी है कि वे जिस भी प्राकृतिक आवास को नुकसान पहुंचाते हैं, वे उनका पुनर्विकास भी करें। ब्रिटेन ने वादा किया है कि पीट आधारित कंपोस्ट की बिक्री पर वर्ष 2024 तक पाबंदी लगाएगा। अब दुनियाभर में भारी भरकम खर्च करके आर्द्रभूमि का संरक्षण किया जा रहा है।

उदाहरण के लिए अमेरिका में 'फ्लोरिडा एवरग्लेड्स' (एक आर्द्रभूमि) के संरक्षण के लिए 35 वर्षीय योजना के तहत 10 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किये गये। आर्द्रभूमि का 20 फीसदी क्षय हुआ है या 50 फीसदी, यह नहीं मायने रखता। मायने यह रखता है कि लोग अब आर्द्रभूमि को बेकार भूमि समझना छोड़ दें। संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट में इंगित किया गया है कि धरती की करीब 40 फीसदी प्रजातियों का जीवन और प्रजनन आर्द्रभूमि पर निर्भर करता है और एक अरब लोग अपनी आजीविका के लिए इन पर निर्भर हैं।

डेल्फिक गेम्स ऑफ राजस्थान

शास्त्रीय संगीत से लेकर पॉप और फ़िल्मी गीतों के उभरते सितारों ने की सुरों की बरसात...

डेल्फिक कॉन्सिल ऑफ राजस्थान द्वारा जवाहर कला केंद्र में आयोजित डेल्फिक गेम्स ऑफ राजस्थान के दूसरे दिन रंगायन सभागार में शास्त्रीय संगीत, पॉप म्यूजिक और फ़िल्मी गीतों के उभरते सितारों ने एक से एक धमाकेदार प्रस्तुतियों से सुरों की बौछार कर श्रोताओं मन्त्रमुग्ध कर दिया। अपनी स्वरचित रचनाओं, शास्त्रीय गीत की विभिन्न विधाओं और फिल्मी गीतों के सधे हुए सुरों से नवोदित और युवा कलाकारों ने कार्यक्रम को संगीतमय बना दिया।

संगीत की शास्त्रीय विधा, पॉप म्यूजिक और फिल्मी संगीत की श्रेणी में शास्त्रीय संगीतकार प्रोफ़ेसर मधु तेलंग भट्ट, प्रसिद्ध गायक श्री गौरव जैन और फिल्मी दुनिया में जयपुर से गायकी की धूम मचाने वाले श्री रविंद्र उपाध्याय ने नवोदित संगीत सितारों के लिए निर्णायक की भूमिका अदा की।

18 से 35 आयु वर्ग के युवाओं के लिए आयोजित इन डेल्फिक गेम्स में शास्त्रीय संगीत श्रेणी में हुल्लास पुरोहित तथा द्वितीय पुरस्कार ऐश्वर्य आर्य और मोहम्मद शोएब को दिया गया।पॉप म्यूजिक में प्रथम पुरस्कार अनिल हशवानी और दूसरा पुरस्कार गोवर्धन ने प्राप्त किया। इसी प्रकार भारतीय फ़िल्मी गीतों की श्रेणी में विजेता रही अलीना भारती और दूसरा पुरस्कार हर्ष कुमार गोला को दिया गया।

इस अवसर पर काउंसिल की अध्यक्षा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं प्रमुख शासन सचिव सहकारिता विभाग श्रीमती श्रेया गुहा ने प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की और इस दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी के विजेताओं और विभिन्न श्रेणीयों में प्रतिभागी विजेताओं को सम्मानित किया।

इस दौरान उद्घोषक और कार्यक्रम संचालक शेखर पारीक और सपना शाह ने राजस्थान की कला एवं संस्कृति से जुड़ी शानदार प्रश्नोत्तरी पूछ कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में नार्थ ईस्ट डेल्फिक काउंसिल की समन्वयक श्रीमती जाहन्वी फूकन ने अतिथियों को दुशाला व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। काउंसिल की कोषाध्यक्ष एवं आरएएस अधिकारी श्रीमती क्षिप्रा शर्मा ने सभी आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राज्य सरकार प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए प्रतिबद्ध - मंत्री श्री जाट

राजस्व मंत्री श्री रामलाल जाट ने मंगलवार को भीलवाड़ा जिले के विधानसभा क्षेत्र मांडल में सुवाणा ब्लॉक के विभिन्न गांवों में पदयात्रा व मोहल्लेवार जनसुनवाई की। इस दौरान श्री जाट ने आमजन की समस्याओं को सुना और समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राजस्व मंत्री श्री रामलाल जाट ने उपस्थित जनसमूह को राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़नें का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। श्री जाट ने कहा कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से आमजन को महंगे इलाज की चिंता से मुक्ति मिली है। इस योजना के तहत प्रदेशवासियों के लिए 10 लाख रूपये तक का इलाज निःशुल्क कर दिया गया है। इलाज का पूरा खर्चा राज्य सरकार वहन कर रही है। आमजन के लिए आईपीडी-ओपीडी उपचार, सभी प्रकार की दवाइयां और महंगी जांचें निःशुल्क कर दी गई हैं। साथ ही, प्रदेशवासियों को 5 लाख रूपये का दुर्घटना बीमा भी दिया जा रहा है।

शिक्षक भर्ती परीक्षा

25 फरवरी से 1 मार्च तक होगी

9 लाख 64 हजार 965 अभ्यर्थी भाग्य आजमाएंगे

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने 48,000 पदों पर होने जा रही शिक्षक भर्ती परीक्षा का टाइम टेबल जारी कर दिया है। 25 फरवरी से 1 मार्च तक पांच दिन 9 पारियों में भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए 9 लाख 64 हजार 965 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। बोर्ड द्वारा अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड 19 फरवरी तक जारी कर दिए जाएंगे। जिसे दिखाकर अभ्यर्थी भर्ती परीक्षा से 1 दिन पहले और 1 दिन बाद तक रोडवेज बसों में फ्री में सफर कर सकेंगे।

शिक्षक भर्ती परीक्षा का टाइम टेबल

- प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/ विशेष शिक्षा) की परीक्षा 25 फरवरी को सुबह 9:30 से दोपहर 12:00 बजे तक होगी।
- उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/विशेष शिक्षा) की परीक्षा का विज्ञान और गणित का पेपर 25 फरवरी को दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगी।
- उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/विशेष शिक्षा) की परीक्षा का सामाजिक विज्ञान का पेपर 26 फरवरी को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगा।
- उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/ विशेष शिक्षा) की परीक्षा का हिन्दी पेपर 26 फरवरी को दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा।
- उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/विशेष शिक्षा) की परीक्षा का संस्कृत का पेपर 27 फरवरी को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगा।
- उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/ विशेष शिक्षा) की परीक्षा का अंग्रेजी का पेपर 27 फरवरी को दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा।
- उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/विशेष शिक्षा) की परीक्षा का उर्दू भाषा पेपर 28 फरवरी को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगा।
- उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/ विशेष शिक्षा) की परीक्षा का पंजाबी भाषा का पेपर 28 फरवरी को दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा।
- उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक (सामान्य/ विशेष शिक्षा) की परीक्षा का सिंधी भाषा का 1 मार्च को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगा।

9 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स होंगे मुख्य परीक्षा में शामिल

23-24 जुलाई को हुई रीट-2022 के पास अभ्यर्थी शिक्षक भर्ती परीक्षा में आवेदन कर सकेंगे। ऐसे में शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 के लिए कुल 9,64,965 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इसमें लेवल-1 में कुल 2,12,259 और लेवल-2 में कुल 7,52,706 अभ्यर्थी भाग्य आजमाएंगे। इन अभ्यर्थियों में विशेष शिक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 16,418 है। लेवल -1 और लेवल-2 में सर्वाधिक आवेदन ओबीसी केटेगरी में है। सबसे कम एमबीसी में है। लेवल-2 में सर्वाधिक 3.30 लाख आवेदन ओबीसी और सबसे कम 28,566 आवेदन एमबीसी केटेगरी के हैं। इसी तरह से लेवल-1 में भी सबसे अधिक 77,770 आवेदन ओबीसी के ही है। जबकि सबसे कम 12,350 एमबीसी केटेगरी में है। इस भर्ती के लिए 25 फरवरी से 1 मार्च तक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस भर्ती में लेवल-1 में 21 हजार और लेवल-2 में 27 हजार पद हैं।

विशेष शिक्षा में आए आवेदन

विशेष शिक्षा में कुल 16,418 आवेदन जमा हुए हैं। अध्यापक भर्ती लेवल-1 में 12,129, लेवल 2 में अंग्रेजी में 288, हिंदी में 823, पंजाबी में 41, संस्कृत में 194, विज्ञान-गणित में 1,336, सामाजिक अध्ययन में 1,584 और उर्दू में 23 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। सिंधी विषय के लिए एक भी अभ्यर्थी ने आवेदन नहीं किया। लेवल 1 में केटेगरीवाइज इस प्रकार है आवेदन इस भर्ती में लेवल-1 में कुल 2,12,259 आवेदन आए हैं। इसमें सामान्य के 42,737, ईडब्ल्यूएस के 22,863, एमबीसी के 12,350, ओबीसी के 77,770, एससी के 27,544, एसटी के 28,896 और सहरिया के 99 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। लेवल 2 में केटेगरीवाइज इस प्रकार है आवेदन इस भर्ती में लेवल-2 के सभी विषयों के लिए कुल मिलाकर 7,52,706 आवेदन जमा हुए हैं। इनमें सामान्य के 63,514, ईडब्ल्यूएस के 88,216, एमबीसी के 28,566, ओबीसी के 3,30,418, एससी के 1,12,331, एसटी के 1,29,423 और सहरिया के 238 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

ग्रेड थर्ड शिक्षक भर्ती प्रक्रिया

- राजस्थान में ग्रेड थर्ड टीचर के कुल 48,000 पदों पर भर्ती होगी। इसमें लेवल-1 में 21,000 और लेवल-2 के 27,000 पद शामिल हैं।
- लेवल-1 और लेवल-2 के लिए दो चरण में भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसमें पहले चरण की परीक्षा सिर्फ पात्रता के लिए, जबकि दूसरे चरण की परीक्षा का आयोजन टीचर्स के सिलेक्शन के लिए किया जाएगा।
- 23 और 24 जुलाई को आयोजित हुई पात्रता परीक्षा का रिजल्ट 29 सितंबर को जारी किया जा चुका है।

मूकाभिनय कलाकार श्री जानवे को राष्ट्रपति ने किया संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान के वरिष्ठ रंगकर्मी विलास जानवे को गुरूवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में वर्ष 2021 के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया । पुरस्कार के रूप में श्री विलास जानवे को ताम्र पत्र, एक लाख रुपये एवं अंगवस्त्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर देश के 128 कलाकारों को अकादमी पुरस्कार के लिए नवाजा गया।

68 वर्षीय श्री जानवे पिछले पांच दशकों से मूकाभिनय से जुड़े हैं। मूकाभिनय में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाले वे देश के पांचवें कलाकार हैं। इससे पूर्व यह पुरस्कार प.बंगाल के गुरु योगेश दत्ता, पद्मश्री निरंजन गोस्वामी, असम के मोइनुल हक और त्रिपुरा के सपन नंदी को मिल चुका है। श्री जानवे को संस्कृति मंत्रालय से मूकाभिनय के क्षेत्र में 2001 में सीनियर फेलोशिप मिल चुकी है।

श्री विलास जानवे ने 1998 से शुरू राष्ट्रीय मूकाभिनय उत्सवों में पत्नी श्रीमती किरण जानवे के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करने के साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा ,चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान की कला अकादमियों और शैक्षणिक संस्थाओं के लिए मूकाभिनय की कार्यशालाएं निर्देशित की हैं। अपने गुरु पद्मश्री निरंजन गोस्वामी को मूकाभिनय की कार्यशालाओं में सहायता करने के साथ ही उन्होंने ऐतिहासिक एवं सामाजिक विषयों पर कई मूकाभिनयों की संरचना की है। देश के कई मंचों पर भी वे अपनी इस कला का प्रदर्शन कर चुके हैं। उदयपुर के पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में 28 वर्ष तक कार्यक्रम अधिकारी रहे श्री जानवे ने सी.सी.आर.टी क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर में परामर्शक के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने सेन्ट्रल जेल, उदयपुर में मूकाभिनय का प्रशिक्षण दिया है। श्री जानवे ने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की नोबेल पुरस्कार रचना गीतांजली की कविताओं पर मूकाभिनय कर नवाचार किया है।

हिस्ट्रीशीटर बेटे की मां ने परेशान होकर खाया जहर, मौत...

बेटे के आरोपी होने की सच्चाई जानकर एक मां ने जहर खाकर जान दे दी है। मामला राजस्थान के राजसमंद का है जहां एक भू व्यवसायी का अपहरण करने वाले अपहरणकर्ता और आरोपी की मां ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। राजस्थान के राजसमंद में स्थानीय भू-व्यवसायी को अगवा करने वाले आरोपी और हिस्ट्रीशीटर दीपक से मिलने के बाद उसकी मां ने जहर खाकर जान दे दी है। हिस्ट्रीशीटर दीपक की मां ने पांच फरवरी को दम तोड़ा। पोस्टमार्टम के बाद उसका शव केलवा थाना पुलिस ने परिवजनों को शव सौंप दिया है। जानकारी के मुताबिक चीरवा निवासी गीता देवी (50) पत्नी प्रेमशंकर मेनारिया अपने हिस्ट्रीशीटर बेटे दीपक से मिलने के लिए अस्पताल पहुंची थी। वो अपने बेटे की हरकतों से बेहद आहत हो गई थी। चार फरवरी की सुबह 11 बजे घर से निकलने के बाद 12 बजे उसने बेटे से अस्पताल में मुलाकात की और उससे 30 मिनट तक बातचीत की। इसके बाद बस में बैठकर सोमनाथ चौराहा पहुंची और यहां उसकी तबियत खराब हो गई। उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मृतका ने खुद अपने परिवार को बताया था कि उसने विशैला पदार्थ खाया है। मौत के बाद पुलिस ने शव को एमबी हॉस्पिटल पहुंचाया। यहां पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

जानकारी के मुताबिक बेटे को पुलिस की हिरासत में देखकर मां काफी दुखी थी। बेटे के अपराधी होने से परेशान होकर मां घर से ही मौत को गले लगाने का विचार कर निकली थी। अपनी जान देने से पहले आरोपी दीपक की मां ने बेटे से मुलाकात की। इसके बाद विषाक्त पदार्थ खाकर अपनी जान दे दी।

इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में अब मिलेगा 125 दिन रोजगार...

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि शहरों में बेरोजगारों के लिए इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना मददगार साबित हो रही है और महात्मा गांधी नरेगा (मनरेगा) की तर्ज पर शुरू की गई इस योजना में अब प्रति वर्ष, प्रति परिवार 125 दिवस का रोजगार मिलेगा।

राजस्थान सरकार इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में अब हर साल प्रति परिवार 125 दिन रोजगार देगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस योजना में रोजगार दिवस की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि शहरों में बेरोजगारों के लिए इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना मददगार साबित हो रही है और महात्मा गांधी नरेगा (मनरेगा) की तर्ज पर शुरू की गई इस योजना में अब प्रति वर्ष, प्रति परिवार 125 दिवस का रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री गहलोत ने हर हाथ को रोजगार और बेरोजगारों को सम्बल प्रदान करने के लिए 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन रोजगार के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। गहलोत द्वारा योजना के अनुमोदित दिशा-निर्देशों में इस संशोधन की सहमति दी गई है। यह संशोधन एक अप्रैल, 2023 से प्रभावी होगा। शहरी बेरोजगारों को 25 दिवस का अतिरिक्त रोजगार उपलब्ध कराने से लगभग 1,100 करोड़ रुपए का व्यय होना संभावित है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा इस संबंध में बजट 2023-24 में घोषणा की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की 2022-23 की बजट घोषणा में इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना लागू की गई थी। पिछले साल योजना के तहत प्रति परिवार, प्रतिवर्ष 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 800 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया था। इसकी शुरुआत नौ सितंबर, 2022 को जयपुर से हुई। योजना में जरूरतमंद परिवार जन आधार कार्ड के माध्यम से जॉब कार्ड बनवाकर रोजगार की मांग कर सकते हैं। इस योजना में पर्यावरण सरंक्षण, जल संरक्षण, हैरिटेज संरक्षण, स्वच्छता, सेवा, कन्वर्जेंस तथा सम्पत्ति विरूपण रोकने संबंधी कार्यों सहित अन्य कई तरह के कार्य अनुमत किए गए हैं। बयान के अनुसार, योजना के तहत अब तक 4.51 लाख से अधिक जॉब कार्ड बनाए गए हैं और 6.94 लाख से अधिक सदस्य अब तक योजना से जुड़े हैं।

डर से सीमावर्ती इलाकों का विकास नहीं करवाया कांग्रेस सरकारों ने : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर देश के सैनिकों के शौर्य को कम करके आंकने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि कांग्रेस सरकारों ने इस डर से सीमावर्ती इलाकों में विकास नहीं करवाया कि कहीं उनकी बनाई नई सड़कों का इस्तेमाल दुश्मन न कर ले लेकिन कांग्रेस को यह पता नहीं था कि सीमा पर दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना हमारी सेनाओं को बखूबी आता है। प्रधानमंत्री ने कहा,''कांग्रेस की सरकारें सीमा से जुड़े गांवों और शहरों का इसलिये विकास नहीं करती थी क्योंकि वो डरती थीं... और यह संसद में उन्होंने बोला है।

मोदी ने कहा,'' वो डरती थीं कि हम सीमा पर रास्ते बना देंगे.. सड़कें बना देंगे तो दुश्मन उसी पर चलकर के चला आयेगा तो क्या होगा?.. हमारी बनाई सड़कों पर दुश्मन आ जायेगा तो क्या होगा?..मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस क्यों हमेशा हमारे सैनिकों का शौर्य उनकी बहादुरी को कम करके आंकती रही?'' मोदी ने आगे कहा,''सीमा पर दुश्मनों को रोक देना, उन्हें मुंह तोड़ जवाब देना हमारी सेना को बखूबी आता है। इसलिये अब भाजपा सरकार सीमावर्ती जिलों में सीमा के पास बने गांवों में भी विकास के कामों में तेजी ला रही है।''

उन्होंने कहा,'' बीते नौ वर्षों में हमने राजस्थान सहित

देश के पूरे बॉर्डर पर रोड और रेल का सशक्त नेटवर्क तैयार कर दिया है। केन्द्र सरकार राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र में भी लगभग 1400 किमी सड़कों पर काम कर रही है। इसके अलावा अभी करीब करीबएक हजार किमी की सड़क राजस्थान में और बनाने का प्रस्ताव है यानी भाजपा राजस्थान को नई संभावनाओं का प्रदेश बना रही है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के दिल्ली-दौसा-लालसोट खंड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे राज्य में विकास को गति देगा।

मोदी ने एक अन्य कार्यक्रम में इसे राष्ट्र को समर्पित किया। मोदी ने कहा कि पिछले नौ साल में केंद्र सरकार ने सीमावर्ती इलाकों में सड़क और रेल का जाल बिछाया है। मोदी ने धनावड़ (दौसा) में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के एक खंड को राष्ट्र को समर्पित करने के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक्सप्रेस वे राजस्थान में भी विकास को गति देगा। उन्होंने कहा, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पहले चरण को राष्ट्र को समर्पित करते हुए मुझे बहुत गर्व हो रहा है। यह देश के सबसे बड़े व सबसे आधुनिक एक्सप्रेसवे में से एक है। यह विकसित होते भारत की एक और भव्य तस्वीर है।

मोदी ने कहा,''बीते 9 वर्षों से केंद्र सरकार भी निरंतर इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत बड़ा निवेश कर रही है। राजस्थान में भी हाईवे के लिए बीते वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक दिए गए हैं। इस वर्ष के बजट में तो हमने इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 10 लाख करोड़ रुपए की व्यवस्था की है। ये 2014 की तुलना में 5 गुना अधिक है। इस निवेश का बहुत बड़ा लाभ राजस्थान को होने वाला है। यहां के गांव, गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को होने वाला है।''

संस्कृति एवं ज्वलंत मुद्दों को पेंटिंग्स से दर्शाया, युवा कलाकारों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की ओर से चार दिवसीय डेल्फिक खेल के अंतिम दिन जवाहर कला केंद्र में आयोजित आर्ट कैंप में पेंटिंग्स एवं इंस्टॉलेशन करने वाले युवा कलाकारों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए । आर्ट कैंप में संचालक शुभंकर विश्वास के मार्गदर्शन में 23 युवा कलाकारों ने पेंटिंग्स इंस्टॉलेशन के माध्यम से मन के भावों को प्रदर्शित किया। आर्ट कैंप में युवा कलाकारों ने कला संस्कृति एवं ज्वलंत मुद्दों को पेंटिंग्स के माध्यम से प्रदर्शित किया। इस मौके पर राजस्थान डेल्फिक काउंसिल की अध्यक्ष एवं प्रमुख शासन सचिव सहकारिता श्रीमती श्रेया गुहा ने कहा कि डेल्फिक का मंच युवा कलाकारों को आगे बढ़ाने का है । इन कलाकारों ने बेहतरीन पेंटिंग्स के द्वारा अपनी कला को बखूबी प्रदर्शित किया है। इस आर्ट कैंप में प्राचीन सभ्यता, दर्शन, धर्म ,अध्यात्म,विमूर्त चित्र, राजस्थानी परिवेश,मानव विचार एवं स्थापत्य कला सहित अन्य विषयों और मनोभावों को पेंटिंग्स के द्वारा प्रस्तुत किया गया ।कैंप में दीपांजलि ने संस्कृति का आधार ,देविका ने राजस्थानी पुरुष के भाव, नाथूलाल ने हॉर्स,उर्मिला ने राजस्थानी मेला में ग्रामीण पुरुष, संत कुमार ने कृष्ण को पंचतत्व में समाहित, राकेश प्रजापति ने अवलिकोतेश्वर की पेंटिंग्स बनाकर संदेश प्रस्तुत किए।

इस कैम्प में युवा कलाकार मानसी,पंखुड़ी एवं सूर्य कविता ने नए सुकून की उम्मीद लेते हुए क्राफ्ट ट्री ,रतिका प्रेरणा एवं सानिध्य ने शहरीकरण के प्रभाव आदि थीम पर संदेश दिए।

युवा कलाकारों को श्रीमती श्रेया गुहा, राजीविका की ब्रांड एम्बेसडर श्रीमती रूमा देवी, इंडियन डेल्फिक काउंसिल के अध्यक्ष श्री एन. एन.पांडे एवं उत्तर पश्चिम सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के निदेशक फुरखान खान सहित उपस्थिति अतिथियों ने प्रमाण पत्र एवं अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया । इस अवसर बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित रहें ।

बस की टक्कर से मौत : देर से पहुंची फायर ब्रिगेड

लोगों ने बस को आग लगाई...

इन्दौर आ रही तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद बस ड्राइवर फरार हो गया। गुस्साई भीड़ ने सभी यात्रियों को उतारकर बस में आग लगा दी। इस आग की चपेट में आने से पास खड़ा एक मल्टी एक्सेल ट्रक भी जल गया। हादसा सोमवार दोपहर करीब 12.20 बजे वर्मा ट्रेवल्स की बस MP46-P4069 से धरमपुरी में हुआ। बताया जा रहा है कि बस तेज रफ्तार से जा रही थी। एक ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान बस ने बाइक स वार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। मृतक का नाम नौमान पिता सोहेल खान निवासी धरमपुरी बताया जा रहा है।

एम्बुलेंस भी काफी देर से पहुंची

वर्मा ट्रेवल्स की उक्त बस सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर मनावर से निकली थी। बस धरमपुरी होते हुए इंदौर आ रही थी। इस दौरान धरमपुरी के नवीन पुनर्वास स्थल के सामने ये हादसा हो गया। सूचना के करीब 20 मिनट बाद फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची तो टैंकर में पर्याप्त पानी भी नहीं था। लोगों का आरोप है कि एम्बुलेंस सूचना देने के लगभग 30 मिनट बाद आई, लेकिन उससे पहले ही लोग छोटे लोडिंग वाहन में नौमान को लेकर अस्पताल जा चुके थे। पुलिस और एम्बुलेंस को ना आते देख लोगों ने चक्काजाम कर दिया था।

तेज रफ्तार बसों और मल्टी एक्सल ट्रकों से लोग नाराज

मनावर-खलघाट स्टेट हाईवे नं-38 पर हुए इस हादसे को लेकर लोगों का गुस्सा इसलिए फूट पड़ा क्योंकि इस मार्ग पर बड़ी संख्या में मल्टी एक्सल ट्रकों की आवाजाही है। इंदौर से मनावर की ओर जाने वाली नॉन स्टाप यात्री बसें भी यहां से बेहद तेज गति से निकलती हैं। कई बार शांति समिति की बैठक में भी यह मुद्दा उठ चुका है, लेकिन इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।

आठ दिन से खड़ा था ट्रक

हादसे के बाद गुस्साए लोगों के बस में आग लगा दी। इसमें सड़क किनारे 8 दिन से खड़ा अल्ट्राटेक कम्पनी का मल्टी एक्सेल ट्रक भी जल गया। लोगों का कहना है कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी काफी देर से पहुंची। आज सोमवती अमावस्या होने के चलते धरमपुरी में नर्मदा स्नान करने आने वालों की भारी भीड़ है। इसके चलते बड़ी संख्या में पुलिस बल ड्यूटी में व्यस्त था, इसलिए पुलिस भी घटनास्थल पर देर से पहुंची।

दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव जलाने वाले को दोहरा आजीवन कारावास

घर में घुसकर युवती से दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या और शव जलाने वाले आरोपित को दोषी मानते हुए स्पेशल कोर्ट ने दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना मई 2017 में इंदौर की पंचम की फैल में हुई थी। मामले में बड़वानी जिले के गांव खड़कल के रहने वाले गोलू झिल्ले को दोषी मानते हुए अंतिम सांस तक सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है।

इंदौर के तुकोगंज थाने को सूचना मिली थी कि पंचम की फैल में एक युवती ने जलकर आत्महत्या कर ली है। मौके पर जब पुलिस टीम पहुंची तो हत्या का संदेह पैदा हुआ। दरअसल, युवती का अधजला शव गद्दे पर पड़ा हुआ था। कमरे में खून बिखरा था। साथ ही पास में चाकू का टूटा मूठ भी मिला था। पुलिस ने जांच की तो घटना स्थल से ग्लेज कंपनी का एक परिचय पत्र मिला जो आरोपित गोलू झिल्ले का था। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या की गई। बाद में शव को जलाने की कोशिश हुई। जिला लोक अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव के अनुसार, विशेष न्यायालय एससी एसटी एक्ट ने प्रकरण में निर्णय पारित करते हुए आरोपित 27 वर्षीय गोलू झिल्ले निवासी ग्राम खड़कल जिला बड़वानी को धारा 376 (2) (एम) भादवि में अंतिम सांस तक आजीवन कारावास के साथ धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास व धारा 201 भादवि मे सात वर्ष का सश्रम कारावास तथा कुल 25000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक आरती भदौरिया ने की। प्रकरण में आठ अभियोजन साक्षियों को पुनः साक्ष्य के लिए बुलाया गया था।

हवाई अड्डा केवल रीवा नहीं पूरे विंध्य के लिए सौगात...

रीवा ही नहीं संपूर्ण विंध्य और बघेलखंड विकास की उड़ान भरने के लिए तैयार

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विन्ध्य और बघेलखंड आज विकास की उड़ान के लिए तैयार है। विन्ध्य क्षेत्र का वर्षों पुराना सपना आज साकर होने जा रहा है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और केन्द्रीय उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आभार माना, जिनके प्रयासों से रीवा में हवाई अड्डा के निर्माण का कार्य शुरू हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान रीवा में चोरहटा हवाई अड्डा का शिलान्यास कर महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 747 करोड़ रूपये की लागत के 32 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें 603 करोड़ रूपये के 17 कार्यों का भूमि-पूजन और 144 करोड़ रूपये के 15 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रीवा जिले की विकास पुस्तिका तथा औद्योगिक निवेश के लिए चलाये जा रहे 'रीवा चलो' अभियान के लोगो का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हवाई अड्डा खुलाने के बाद विन्ध्य क्षेत्र विकास की नई ऊँचाईयों को छूयेगा। क्षेत्र में पहले से ही सड़कों का जाल बिछा है। विन्ध्य में उद्योग के लिये आपार संभावनाएँ हैं और रोजगार के नये अवसर भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में इंदौर में संपन्न इन्वेस्टर मीट में इंदौर के बाद सर्वाधिक विन्ध्य क्षेत्र के लिए 2 लाख 88 हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। यह रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य के लिए बड़ी सौगात है। इस निवेश से क्षेत्र के एक लाख 50 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 'विन्ध्य एक्सप्रेस-वे' के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि भोपाल से सागर, दमोह, सतना, रीवा, सीधी होते हुए सिंगरौली तक यह एक्सप्रेस-वे बनाया जायेगा। इसके दोनों ओर औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जायेगा, जिससे नौजवानों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने विन्ध्य को सबसे बड़े सोलर प्लांट और बाणसागर बांध का उपहार दिया है। अब विन्ध्य का किसान फसल उत्पादन में पंजाब को भी पीछे छोड़ देगा। स्लीमनाबाद में टनल बना कर नर्मदा मैया का पानी विन्ध्य क्षेत्र में पहुँचाने का काम जारी है। स्व. माधव राव सिंधिया ने रेलवे का उपहार दिया था। ललितपुर सिंगरौली रेलवे लाइन का काम तेजी से किया जा रहा है। अब उनके बेटे केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रीवा को एयरपोर्ट का उपहार दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में अब तीर्थ-यात्रियों को हवाई जहाज से यात्रा करायेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महिला सम्मेलन में शामिल बहनों से राखी बधवाई। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को राखी के उपहार और धन्यवाद की पाती दी। महिलाओं के स्वागत से अभिभूत मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जहाँ नारियों का सम्मान होता है वहीं देवताओं का वास होता है। हमारी सरकार की प्रमुख योजनाओं में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है। महिला सशक्त होगी तो परिवार, समाज और देश भी सशक्त होगा। लाड़ली लक्ष्मी योजना ने महिलाओं को सशक्त करने के बड़े अवसर दिये हैं। अब लाड़ली बहना योजना शुरू की जा रही है। इसमें बहन को हर महीने एक हजार रूपये की राशि दी जायेगी। योजना के आवेदन 5 मार्च से दर्ज किये जायेंगे। अधिकारी सभी गाँव और शहरी क्षेत्रों के वार्डों में शिविर लगा कर महिलाओं के आवेदन-पत्र दर्ज करेंगे। बहनों को जून माह से उनके बैंक खाते में प्रति माह 1000 रूपये दिये जायेंगे। योजना से परिवार में प्यार बढ़ेगा और महिलाओं की आर्थिक आत्म-निर्भरता बढ़ेगी। आज बहनों ने मुझे जो राखी बांधी है उसी की शपथ लेकर मैं कहता हूँ कि जब तक हर बहन को सशक्त नहीं बना दूँगा, तब तक चैन से नहीं बैठूगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गुण्डों और माफियाओं से 23 हजार एकड़ जमीन मुक्त कराई जा चुकी हैं, जो गरीबों को दी जायेगी। सभी आवासहीन परिवारों को आवासीय भूमि के पट्टे दिये जायेंगे। जिन पर प्रधानमंत्री आवास योजना से उनके आवास बनेंगे। इस वर्ष एक लाख 14 हजार शासकीय पदों पर भर्ती की जा रही है। उद्योग और स्व-रोजगार योजनाओं से भी रोजगार के अवसर भी दिये जा रहे हैं।

केन्द्रीय नागरिक विमानन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के कार्यकाल में विकास की गंगा बहाने का कार्य शुरू हुआ। विन्ध्य ऐसा क्षेत्र है जिसने पूरे देश का नाम बुलंद किया है। विन्ध्य को एयरपोर्ट देना मेरा धर्म है। मेरे पिता जी ने रीवा को रेलवे की सौगात दी थी। मुझे रीवा को एयरपोर्ट देने का सौभाग्य मिला है। पहले जहाँ रेलवे की मांग होती थी वहाँ अब हवाई सेवा की मांग होती है। आजादी के 60 से अधिक वर्षों में 74 हवाई अड्डे बनाये गये। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 9 वर्ष के कार्यकाल में 74 हवाई अड्डे बनाये गये हैं। रीवा में एयरपोर्ट निर्माण के लिए मुख्यमंत्री सहित सांसद और विधायक लगातार प्रयासरत रहे। इसलिए मेरी जिम्मेदारी थी कि विन्ध्य के विकास की उड़ान में अपना योगदान दूँ। रीवा में पहले 20 सीटर विमान के लिए हवाई अड्डा बनाया जा रहा था। मैंने भविष्य को देखते हुए 72 सीटर विमान उतारने के लिए एयरपोर्ट निर्माण की मंजूरी दी है। यहाँ 300 करोड़ रूपये का निर्माण कार्य शीघ्र ही शुरू होगा। रीवा एयरपोर्ट से कम आय वाले व्यक्तियों को भी हवाई यात्रा का अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी की उड़ान योजना से केवल 2500 रूपये देकर अब तक एक करोड़ 15 लाख व्यक्तियों ने हवाई यात्रा की है।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि आज विन्ध्य के लिए ऐतिहासिक दिन है। विन्ध्य ने 2003 तक विकास की अभिलाषा नहीं दिखलाई लेकिन अब विन्ध्य तेजी से विकास कर रहा है। पूरे विन्ध्य में बहुत तेजी से परिवर्तन हुआ है। हमारे संकल्पवान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बाणसागर बांध का काम पूरा कर विन्ध्य के किसानों को समृद्धि का उपहार दिया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में दी जाने वाली 6 हजार रूपये की राशि में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 4 हजार रूपये शामिल कर 10 हजार रूपये देने का कार्य किया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण वक्त की आवाज है। इसे मुख्यमंत्री ने साकार किया है। लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना से इसे और गति मिलेगी। हमारी सरकार का ध्येय विन्ध्य का विकास तथा हमारा लक्ष्य जन-कल्याण है। उन्होंने विधायक रीवा श्री राजेन्द्र शुक्ल के क्षेत्र के विकास के लिए किये गये प्रयासों की सराहना की।

दिवालिया होते पाकिस्तान में कई फैक्ट्रियों पर लग गया ताला

संकट दूर करने के लिए क्या कर रही है सरकार..?

पाकिस्तान में आर्थिक संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। संकटग्रस्त देश में कई बड़ी कंपनियों ने कच्चे माल या विदेशी मुद्रा की कमी के कारण काम बंद कर दिया है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिलने वाली वित्तीय मदद भी रुक चुकी है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था ने कहा कि सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में अच्छा पैसा कमा रहे लोगों को अर्थव्यवस्था में योगदान देने की जरूरत है। उधर पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो चीन का दौरा करने वाले हैं जिससे एक बार फिर देश को आर्थिक सहयोग की उम्मीद है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की सेहत सुधरने की बजाय दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। 2022-23 की पहली दो तिमाहियों में पाकिस्तान की विदेशी ऋण अदायगी में 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इससे डॉलर में और कमी आ गई। 10 फरवरी तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.193 अरब डॉलर हो गया। जानकारों के मुताबिक, इस वित्तीय वर्ष के अंत में आर्थिक विकास घटकर 1-1.25 फीसदी तक पहुंच सकती है। इसी बीच देश के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि देश पहले ही दिवालिया हो चुका है। देश में इस संकट का असर सबसे ज्यादा आम लोगों पर पड़ रहा है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यहां दूध की कीमत 250 प्रति लीटर और चिकन की कीमतें 780 प्रति किलोग्राम तक बढ़ गईं हैं।

बिगड़ती अर्थव्यवस्था का क्या प्रभाव पड़ रहा है?

पाकिस्तान में आर्थिक संकट का असर हर ओर दिख रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में कई बड़ी कंपनियों ने कच्चे माल या विदेशी मुद्रा की कमी के कारण काम करना बंद कर दिया है। स्टॉक एक्सचेंज के एक बयान के मुताबिक, सुजुकी मोटर कॉर्प की स्थानीय इकाई ने अपने विनिर्माण संयंत्र को 21 फरवरी तक बंद कर दिया।

...तो ज़ेलेंस्की की 'विश्वयुद्ध' की चेतावनी

ज़ेलेंस्की ने कहा कि कि चीन इस युद्ध में रूसी संघ का समर्थन न करे। वास्तव में, मैं चाहूंगा कि यह हमारे पक्ष में हो। हालाँकि, फिलहाल, मुझे नहीं लगता कि यह संभव है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने यूक्रेन युद्ध के बीच रूस का समर्थन करने के खिलाफ चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसा करने से विश्व युद्ध होगा। ज़ेलेंस्की ने जर्मन दैनिक डाई वेल्ट को बताया कि ये हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि चीन इस युद्ध में रूसी संघ का समर्थन न करे। वास्तव में, मैं चाहूंगा कि यह हमारे पक्ष में हो। हालाँकि, फिलहाल, मुझे नहीं लगता कि यह संभव है। लेकिन मैं चीन के लिए यहां जो हो रहा है उसका व्यावहारिक आकलन करने का एक अवसर देखता हूं।

अगर चीन खुद को रूस के साथ मिलाता है तो विश्व युद्ध होगा और मुझे लगता है कि चीन इससे वाकिफ है।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने रूस के देश पर आक्रमण की एक साल की सालगिरह से पहले एकजुटता व्यक्त करते हुए ज़ेलेंस्की से मिलने के लिए यूक्रेन की एक अघोषित यात्रा की। जो बाइडेन ने कीव में पांच घंटे से अधिक समय बिताया, लगभग एक साल पहले की आशंकाओं को याद करते हुए कि रूस शहर पर कब्जा कर सकता है। जो बाइडेन ने कहा कि यूक्रेन को जो कीमत चुकानी पड़ी है वह असाधारण रूप से अधिक है। बलिदान बहुत अधिक रहे हैं। हम जानते हैं कि आगे बहुत कठिन दिन और सप्ताह और वर्ष होंगे। लेकिन रूस का मकसद यूक्रेन को नक्शे से मिटा देना था। पुतिन की जीत का युद्ध विफल हो रहा है।

शादी के बंधन में बंधा ये फेमस टीचर और यूट्यूबर, करोड़ों में होती है कमाई

फिजिक्स वाला के फाउंडर, मशहूर यूट्यूबर और फिजिक्स के शिक्षक अलख पांडे शादी के बंधन में बंध गए है। उन्होंने 22 फरवरी, 2023 को अपनी मंगेतर शिवानी दुबे के साथ सात फेरे लिए और शादी के बंधन में बंधे। इस खास मौके पर भी वो अपने छात्रों को याद करते दिए और उनके नाम खास संदेश दिया।

फिजिक्स वाला के फाउंडर, मशहूर यूट्यूबर और फिजिक्स के शिक्षक अलख पांडे शादी के बंधन में बंध गए है। उन्होंने 22 फरवरी, 2023 को अपनी मंगेतर शिवानी दुबे के साथ सात फेरे लिए और शादी के बंधन में बंधे। Edutech के यूनिकॉर्न यानी फिजिक्स वाला के फाउंडर और सीईओ अलख पांडे ने जीवन में नई पारी की शुरुआत कर ली है। अलख पांडे ने अपनी मंगेतर शिवानी दूबे के साथ 22 फरवरी को एक शानदार समारोह में करीबियों के बीच शादी की है। दोनों ने मई 2021 में सगाई की थी। शादी के बाद Physics Wallah के सह-संस्थापक अलख पांडेय ने अपने जीवन में सबसे अधिक महत्व रखने वाले अपने छात्रों के नाम एक खास संदेश भी शेयर किया है। उन्होंने अपने शादी की कुछ झलकियां साझा करते हुए लिखा, हो गई शादी। आप लोगों के साथ जीवन के सात साल हो गए बच्चों, और सात सालों में मेरे जीवन में कितने फेज आए, हर बार आप साथ थे.... मेरी लाइफ की शायद सबसे खास तारीखों में से एक 22 फरवरी 2023 होगी। हमसफर शिवानी दुबे बन गई है। आप लोगों को बुला नहीं पाया, शायद बुलाना मुमकिन नहीं था। सीधा प्रसारण करना भी अच्छा नहीं लगता। कुछ तस्वीरें आपके साथ शेयर कर रहा हूं।

बता दें कि अलख मूल रूप से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से ताल्लुक रखते है। कानपुर के कोचिंग संस्थान में वो फिजिक्स पढ़ाते थे। उन्होंने इसके बाद ही फिजिक्सवाला

की स्थापना की थी, जहां फिजिक्स, मैथ, बायोलॉजी, इकोनॉमिक्स जैसे विषय पढ़ाए जाते है। यहां इंजीनियरिंग कॉलेजों और मेडिकल में एडमिशन के लिए होने वाले एंट्रेंस एग्जाम के लिए तैयारी होती है।

यूनिकॉर्न है अलख की कंपनी

फिजिक्स वाला एक यूनिकॉर्न कंपनी है, जिसे सीरीज ए फंडिंग में 100 मिलियन डॉलर की राशि मिली थी। वर्तमान में अलख 21 ऑफलाइन कोचिंग सेंटर चलाते है। उनके पास करोड़ों रुपये की संपत्ति है। गौरतलब है कि अलख पांडे का यूट्यूब से एक बिलियन डॉलर के एडटेक तक पहुंचने वाला सफर शानदार था। आंकड़ों के मुताबिक अलख की कंपनी की नेटवर्थ 1.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है।

3200 में बहुत महंगा है, बेवकूफ बनाते रहो, अडानी के FPO पर मोइत्रा का तंज

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने संकटग्रस्त अडानी समूह की गिरावट पर तंज कसा है। महुआ ने ट्वीट करते हुए कहा कि एलआईसी इंडिया को अब तक अडानी के शेयरों में 3,200 करोड़ का घाटा, निर्मला सीतारमण... भारतीय जनता की कीमत पर अडानी को समर्थन देने का क्या दबाव है?

कारोबारी गौतम अडानी ने बाजार में उतार-चढ़ाव की वजह से उनके समूह की प्रमुख कंपनी के एफपीओ को वापस लेने का फैसला किया है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अडानी समूह के शेयरों में अरबों डॉलर की गिरावट आई है। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने संकटग्रस्त अडानी समूह की गिरावट पर तंज कसा है। महुआ ने ट्वीट करते हुए कहा कि एलआईसी इंडिया को अब तक अडानी के शेयरों में 3,200 करोड़ का घाटा, निर्मला सीतारमण... भारतीय जनता की कीमत पर अडानी को समर्थन देने का क्या दबाव है? हमें जवाब चाहिए।

शेयर की गई स्क्रीनशॉट में एक समाचार रिपोर्ट है, जिसमें कहा गया था कि 'अडानी समूह की पांच बड़ी कंपनियों में राज्य के स्वामित्व वाली जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शेयरधारिता का बाजार मूल्य पहली बार इसके खरीद मूल्य से नीचे गिर गया है'। रिपोर्ट में विचाराधीन पांच कंपनियों की पहचान अदानी एंटरप्राइज, टोटल अदानी गैस, अदानी ग्रीन एनर्जी, अदानी ट्रांसमिशन और अदानी पोर्ट्स के रूप में की गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित लघु-विक्रेता हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में 'बेशर्म स्टॉक हेरफेर और लेखा धोखाधड़ी' का आरोप लगाने के बाद से गौतम अडानी का समूह गंभीर जांच के दायरे में आ गया है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का नतीजा भारत में एक बड़े पैमाने पर राजनीतिक तूफान रहा है और अडानी समूह को अरबों का नुकसान हुआ है। इस हफ्ते इसकी 10 कंपनियों का संयुक्त इक्विटी बाजार मूल्य 100 अरब डॉलर से नीचे गिर गया, और अडानी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में तेजी से नीचे गिर गया - 2 नंबर से 29 नंबर पर आ गए।

पुनर्वास और विस्थापन के लिए बनाई रणनीति

जोशीमठ : घर बनाने के लिए भूमि के साथ धन भी देगी सरकार...

जोशीमठ आपदा प्रभावितों के पुनर्वास और विस्थापन के लिए सरकार ने तीन विकल्पों का प्रस्ताव रखा है। जिलाधिकारी स्तर पर बनी कमेटी के सुझावों पर अपर मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में बनी उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) ने तीनों विकल्पों पर अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी है। अब इन्हें राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। आपदा प्रभावितों को भूमि और भवनों के क्षति की एवज में एकमुश्त समाधान (वन टाइम सेटलमेंट) के साथ ही घर के बदले घर और भूमि के बदले भूमि का विकल्प भी दिया गया है।

सोमवार को राज्य सचिवालय में अपर मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में हुई एचपीसी की बैठक में जिलाधिकारी चमोली के प्रस्तावों पर चर्चा के बाद तीन विकल्पों पर मुहर लगाई गई। बैठक की जानकारी देते हुए सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने जोशीमठ आपदा प्रभावित अपनी मर्जी से तीनों में से किसी एक विकल्प का चुनाव कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जमीन का मुआवजा सर्किल रेट के आधार पर तय किया जाएगा। सर्किल रेट कितना निर्धारित किया जाएगा, इस पर कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया जाएगा।

डॉ. सिन्हा ने बताया कि भवनों का मुआवजा केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के निर्धारित मानकों के अनुसार दिया जाएगा। इसके अलावा बड़े होटलों को पूरा मुआवजा दिया जाएगा। जबकि छोटी-छोटी दुकानों और होटलों (ढाबों) को भी दो विकल्प दिए जाएंगे। पहले विकल्प के तौर पर छोटे दुकानदार और ढाबा संचालक एक साथ पूरा मुआवजा ले सकेंगे। जबकि दूसरे विकल्प के तौर पर विस्थापित की जाने वाले जगह पर 15 वर्गमीटर में दुकान बनाकर आवंटित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि कितने भवन हटाए जाएंगे, कितनों की रेट्रोफिटिंग की जाएगी, इस पर केंद्रीय भवन अनुसंधान

संस्थान (सीबीआरआई) की अंतिम रिपोर्ट मिलने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उच्चाधिकारी प्राप्त समिति ने जिलाधिकारी चमोली की ओर से पुनर्वास व विस्थापन के संबंध में प्रस्तावित तीन विकल्पों को उपयुक्त पाते हुए शासन स्तर पर मंत्रिमंडल के समक्ष रखने का निणर्य लिया है। पहले विकल्प के तौर पर आपदा प्रभावितों को एकमुश्त समाधान (वन टाइम सेटलमेंट) का विकल्प दिया गया है। इसके तहत प्रभावित भू-भवन स्वामियों को वित्तीय सहायता क्षति के मुआवजे के रूप में निर्धारित मानकों के तहत एक बार में ही क्षतिग्रस्त भवन एवं भूमि का पूरा भुगतान कर दिया जाएगा। भुगतान से पूर्व संबंधित प्रभावित की भूमि, भवन की रजिस्ट्री राज्य सरकार के पक्ष में की जाएगी।

दूसरे विकल्प के तहत प्रभावित भू-भवन स्वामियों को प्रभावित भूमि के सापेक्ष घर बनाने के लिए अधिकतम 100 वर्ग मीटर जमीन दी जाएगी। इसके अलावा प्रभावित भवन का मुआवजा दिया जाएगा। प्रभावित भू-भवन स्वामियों को 100 वर्ग मीटर से अधिक भूमि होने पर अतिरिक्त भूमि का मानकों के अनुसार भुगतान किया जाएगा। वहीं, यदि किसी के पास 50 वर्गमीटर ही भूमि है तो संबंधित को उतनी ही भूमि आवंटित की जाएगी। यदि किसी के पास 200 या 300 वर्गमीटर या इससे अधिक भूमि है तो उसे भूमि का अतिरिक्त मुआवजा दिया जाएगा। भुगतान से पूर्व संबंधित प्रभावित की भूमि, भवन की रजिस्ट्री राज्य सरकार के पक्ष में की जाएगी। तीसरे विकल्प के तहत प्रभावितों के पुनर्वास के लिए चिह्नित स्थान पर अधिकतम 75 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में डुप्लेक्स भवन निर्माण कर सरकार की ओर से दिया जाएगा। यदि आपदा प्रभावितों का आवासीय भवन या भूमि इससे अधिक है तो उसके बदले उन्हें शेष धनराशि का भुगतान किया जाएगा। डुप्लेक्स भवन कहां बनाए जाएंगे, इसके लिए अभी भूमि का चयन किया जाना शेष है। तीसरे विकल्प में भी प्रभावितों को पहले अपनी आवास, जमीन की सरकार के पक्ष में रजिस्ट्री करानी होगी।

राहत पैकेज को करना होगा इंतजार

जोशीमठ आपदा प्रभावितों के लिए केंद्र सरकार को भेजे जाने वाले राहत पैकेज को तैयार करने में अभी समय लग सकता है। सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा ने बताया कि अभी भूमि का सर्किल रेट तय किया जाना है। इसके अलावा जब तक यह तय नहीं हो जाता है कि कितने प्रभावित परिवार हैं, कितने लोगों को विस्थापित किया जाना है, कितने भवन तीक्ष्ण और कितने आंशिक क्षतिग्रस्त हैं, कितनों भवनों की रेट्रोफिटिंग की जानी है, प्रभावितों को किस दर पर कितना पैसा दिया जाना है, तब तक राहत पैकेज तैयार नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह सभ तकनीकी संस्थाओं की फाइनल रिपोर्ट आने के बाद संभव हो पाएगा। इसके बाद राहत पैकेज तैयार कर कैबिनेट की मंजूरी के बाद केंद्र को भेजा जाएगा।

प्रयागराज शूटआउट पर सीएम योगी आदित्यनाथ की असेंबली में दो टूक, मिट्टी में मिला दूंगा...

सीएम आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर माफियाओं (अपराधियों) को संरक्षण देने का आरोप लगाया और कहा कि 'उनको मिट्टी में मिला दूंगा'। प्रयागराज में बहुजन समाज पार्टी के विधायक राजू पाल की 2005 की हत्या के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या ने शनिवार सुबह उत्तर प्रदेश विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के बीच तीखी बहस छेड़ दी। सीएम आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर माफियाओं (अपराधियों) को संरक्षण देने का आरोप लगाया और कहा कि 'उनको मिट्टी में मिला

दूंगा'। उमेश पाल की शुक्रवार को उनके प्रयागराज स्थित आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके एक गनर, जो भी गोलीबारी में घायल हुआ था, की बाद में एक अस्पताल में मौत हो गई। पूर्व सांसद अतीक अहमद के छोटे भाई खालिद अजीम को हराकर अपने चुनावी पदार्पण में इलाहाबाद (पश्चिम) विधानसभा सीट जीतने के महीनों बाद राजू पाल की हत्या कर दी गई थी। राजू पाल हत्याकांड में अतीक अहमद, उनके भाई और पूर्व विधायक अशरफ मुख्य आरोपी हैं। सभी आरोपी फिलहाल जेल में बंद हैं।

बिजुरी नपा में करोड़ों का भ्रष्टाचार, 4 की सेवा समाप्त, तीन निलंबित

नगरीय निकायों के अफसर-कर्मचारियों की मिलीभगत से करोड़ों का घोटाला सामने आया है। बिजुरी नगर पालिका परिषद में बिना सामग्री आए ही 107 नस्तियां बनाकर 7 करोड़ 27 लाख रुपए का भुगतान कर दिया गया। नगर पालिका परिषद के स्टेट बैंक के बचत खाते में 23 करोड़ 74 लाख रुपए खर्च किए गए जबकि ई-कैशबुक में केवल 11 करोड़ 30 लाख रुपए ही दर्ज है।

इस प्रकार 12 करोड़ 44 लाख रुपए का हिसाब नहीं मिल रहा है। इसे गबन की श्रेणी में मानते हुए तीन कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई है। एक संविदा कर्मचारी की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई है। तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी मीना कोरी, तत्कालीन उपयंत्री वंदना अवस्थी और तीन अन्य अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

कई कर्मचारियों को नोटिस थमाए गए है। आयुक्त नगरीय प्रशासन भरत यादव ने इस संबंध में निर्देश जारी किए है। नगर पालिका परिषद बिजुरी में सामग्री खरीदे जाने और निर्माण कार्यो में अनियमितता के लिए विभिन्न स्तर से प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए अधीक्षण यंत्री की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की गई थी।

समिति ने भ्रमण कर अपना जांच प्रतिवेदन आयुक्त को सौपा था। इस जांच प्रतिवेदन के अनुसार नगर पालिका परिषद बिजुरी में वित्तीय वर्ष 21-22 के दौरान बना सामग्री खरीदे नियमों का उल्लंघन करते हुए 107 नस्तियां बनाकर बिना सामग्री खरीदे ही 7 करोड़ 27 लाख रुपए का भुगतान करना प्रमाणित पाया गया है।इससे नगर पालिका को करोड़ों की क्षति पहुंची है। नगरपालिका के भारतीय स्टेट बैंक के खाते में 23 करोड़ 74 लाख रुपए का खर्च दर्ज है जबकि ई कैशबुक में 12 करोड़ 44 लाख रुपए कम मिले है।

इन अधिकारियों भी जारी हुए नोटिसः इस मामले में नगर पालिका अध्यक्ष पुरुषोत्तम ंसिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उपयंत्री एनपी सिंह के विरुद्ध कार्यवाही के लिए अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग शहडोल संभाग को कार्यवाही के निर्देश दिए गए है। मस्टर श्रमिक संजय महतो, स्थाई कर्मी विनोद पाण्डेय और मस्टर श्रमिक विनोद सोंधिया को सेवा से पृथक कर दिया गया है। दोषी फर्मो जिनके द्वारा निकाय को क्षति पहुंचाई गई है उनके विरुद्ध भी कार्यवाही के निर्देश दिए गए है। तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी मीना कोरी को भी निलंबित कर दिया गया है। उनके विरुद्ध आरोप पत्र जारी कर दिए गए है। तत्कालीन उपयंत्री वंदना अवस्थी को भी निलंबित कर दिया गया है।

मुख्य लिपिक शिवनरेश, सहायक राजस्व निरीक्षक प्रदीप द्विवेदी,ख् सहायक ग्रेड तीन रामबिहारी मिश्रा को निलंबित किया गया है। उपयंत्री संविदा रविन्द्र यादव की सेवाएं कलेक्टर ने समाप्त कर दी है। इन सभी दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता के तहत आपराधिक केस दर्ज कराया जा रहा है।

एमपी में खुलेगी खुली जेल, परिवार के साथ रहेंगे कैदी

अब तक आपने ऐसी जेल सुनी या देखी होगी, जिसमें कैदी सलाखों के पीछे रहते हैं, लेकिन अब मध्यप्रदेश में ऐसी जेल बनने जा रही है, जो खुली जेल होगी, यानी इसमें कैदियों को सलाखों के पीछे नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि वे परिवार के साथ जेल के अंदर बने क्वार्टर में रह सकेंगे, लेकिन शासन की इस योजना का लाभ उन्हीं बंदियों को मिलेगा, जिनका अचारण अच्छा है।

केंद्रीय भैरवगढ़ जेल में अब अच्छे व्यवहार वाले कैदियों को बैराक के बजाय क्वॉर्टर में रखने का रास्ता साफ हो गया है। करीब दो सालों से खुली जेल की मंजूरी के इंतजार के बाद 16 फरवरी को इसका भूमि पूजन होने जा रहा है। इसकी तैयारियां जेल प्रशासन ने शुरू कर दी अब जल्द ही यहां 20 कैदियों के लिए खुली जेल का निर्माण होगा। जिसमें अच्छे व्यवहार वाले कैदी पत्नी बच्चे और माता पिता के साथ रह सकेंगे, यही नहीं इन कैदियों को बाहर मजदूरी पर जाने का भी मौका मिलेगा।

यह कैदियों के लिए नवाचर : भैरवगढ़ जेल में कैदियों को लेकर नवाचार किया जा रहा है। इसके तहत संभाग की पहली खुली जेल बनाई जा रही है। भैरवगढ़ जेल के समीप

ही खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास जेल प्रशासन की करीब 10-15 एकड़ जमीन है। जिस पर खुली जेल के लिए पीडब्ल्यूडी की पीआइयू विंग द्वारा एस्टिमेट बनाया है। गुरुवार को पीआइयू के अधिकारियों सहित जेल अधीक्षक उषाराज ने कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के साथ बैठक कर भूमि पूजन का कार्यक्रम तय किया है। 15 या 16 फरवरी को भूमि पूजन की तारीख तय हुई है जिसमें 16 को भूमि पूजन होना तय माना जा रहा है।

ये कैदी रहेंगे खुली जेल में

जिस कैदी की दो तिहाई सजा पूरी हो चुकी हो। जेल में कैदी का व्यवहार बेहतर हो। कैदी का अपराध गंभीर श्रेणी का न हो। छोटे अपराध और कम सजा पाए कैदी हो।

इन्दौर-उज्जैन में सात हजार जगह बन रही सूरज की किरणों से बिजली...

सोलर नेट मीटर योजना के तहत आम उपभोक्ताओं में बढ़ी रूचि

सूरज की किरणों से पैनल्स लगाकर बिजली बनाने में इंदौर, उज्जैन शहर काफी आगे है। इंदौर शहर सीमा में लगभग सवा चार हजार और उज्जैन शहर सीमा में लगभग 700 स्थानों पर सूरज की किरणों से बिजली तैयार की जा रही है। मौजूदा उपभोक्ताओं के घर, परिसरों , कार्यालयों की छतों आदि स्थानों पर पैनल्स से बिजली तैयार हो रही है। इससे बिलों में व्यापक कमी आ रही हैं।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि अब नेट मीटर के माध्यम से बिजली तैयार करने वाले परिसरों की संख्या बढ़कर सात हजार के पार हो गई है। वर्तमाम में उच्च दाब और निम्न दाब दोनों ही श्रेणी के उपभोक्ता इस ओर सतत जुड़ते जा रहे है। ज्यादातर शहरी क्षेत्र में सबसे ज्यादा स्थानों पर छत, परिसरों, औद्योगिक इकाइयों के परिसरों में सोलर पैनल्स लगाकर बिजली तैयार की जा रही है। इस बिजली को लाइनों में भेजा जाता है। संबंधित उपभोक्ता को मात्र अंतर राशि का बिल प्रदान किया जाता है। इस तरह कंपनी क्षेत्र में हजारों उपभोक्ताओं की ग्रीन एनर्जी में रूचि बढ़ने से आर्थिक रूप से भी बचत हो रही है। छत, परिसरों का सदुपयोग हो रहा है। श्री तोमर ने बताया कि समय समय पर नए उपभोक्ताओं को सोलर पैनल्स लगाने के लिए सब्सिडी भी शासन की ओर से उपलब्ध कराई जाती है। श्री तोमर ने बताया कि सबसे ज्यादा 4350 उपभोक्ताओं की रूचि इंदौर शहर के आसपास में देखी

गई है। इसके बाद उज्जैन शहर में करीब सात सौ और उज्जैन जिले में 900, रतलाम जिला 300, खरगोन जिला 240, नीमच जिला 180, धार जिला 155, मंदसौर जिला 120, बड़वानी जिला 108, खंडवा जिले में 105 स्थानों पर सूरज की किरणों से बिजली तैयार की जा रही है। सभी स्थानों पर नेट मीटर लगे है। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया कि केंद्र और राज्य शासन दोनों ही सौर ऊर्जा से अधिकाधिक बिजली तैयार करने और कार्बन उत्सर्जन में कमी की दिशा में सघन प्रयास कर रही है। बिजली कंपनी भी इसी दिशा में हर संभव मदद कर उपभोक्ताओं से घर, परिसर, छतों का उपयोग कर अपनी छत- अपनी बिजली का नारा बुलंद करने का आह्वान कर रही है, काफी उपभोक्ता इस दिशा में जुड़ते भी जा रहे हैं।

चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व स्तर पर नीतियों की जरूरत : कृषि मंत्री श्री तोमर

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सोमवार को कहा कि विश्व समुदाय को उन जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व स्तर पर समन्वित नीतियों और कार्यों पर अधिक जोर देना चाहिए जो परस्पर गहराई से जुड़े हुए हैं और केवल सीमाओं द्वारा परिभाषित नहीं होते हैं।

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सोमवार को कहा कि विश्व समुदाय को उन जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए विश्व स्तर पर समन्वित नीतियों और कार्यों पर अधिक जोर देना चाहिए जो परस्पर गहराई से जुड़े हुए हैं और केवल सीमाओं द्वारा परिभाषित नहीं होते हैं। तोमर यहां दो दिन के जी20 अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचा कार्यसमूह की बैठक को संबोधित कर रहे थे। तोमर ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस के साथ बैठक का उद्घाटन किया। तोमर ने कहा कि यह देश के नागरिकों के लिए गर्व का क्षण है कि भारत इस साल

जी20 बैठक की अध्यक्षता कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश इसके साथ आने वाली जिम्मेदारियों से अच्छी तरह वाकिफ है। तोमर ने कहा, ''दुनिया आज कई जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है, जो परस्पर गहराई से जुड़ी हुई हैं और केवल सीमाओं द्वारा परिभाषित नहीं हैं। जिन चुनौतियों का सामना किया जा रहा है वे अपनी प्रकृति में वैश्विक हैं और उसके लिए वैश्विक समाधान की आवश्यकता है। इसलिए विश्व समुदाय को आज वैश्विक रूप से समन्वित नीतियों और कार्यों पर अधिक जोर देने की जरूरत है।

मंत्री ने आगे जोर देकर कहा कि बहुपक्षवाद में नए सिरे से विश्वास बढ़ाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र और बहुपक्षवाद के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हमारा देश न केवल बहुआयामी विकास बल्कि सार्वभौमिक रूप से मान्य अपनी क्षमता दिखाने के लिए भी तैयार है।'' तोमर ने कहा कि हाल ही में हुई विश्व आर्थिक मंच की बैठक में भारत को एक नाजुक दौर से गुजर रही दुनिया में 'एक उज्ज्वल स्थान' के रूप में वर्णित किया गया था और जलवायु लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और कोविड के बाद के विकास पथ पर लौटने की सभी ने सराहना की थी।

मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्य में लापरवाही पाई तो एमडी मनीष सिंह ने लगाई फटकार

मेट्रो प्रोजेक्ट के काम में अब और फूर्ति नजर आएगी। खासकर साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर को इस साल अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जो कि पहले सितम्बर में होना था। अगले महीने से पटरियों के बिछने की भी शुरूआत हो जाएगी। लापरवाही बरतने वाली कम्पनी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं और अन्य ठेकेदार कम्पनियों को भी एमडी ने कड़ी चेतावनी दे दी है और काली सूची में भी डाला जाएगा। गांधी नगर रेलवे स्टेशन के साथ मेट्रो यार्ड का काम भी एमडी ने देखा और देश के अन्य शहरों में जहां पर मेट्रो प्रोजेक्ट चल रहे हैं वहां जाकर भी अधिकारियों और ठेकेदार कम्पनियों के प्रतिनिधियों को अवलोकन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इंदौर और भोपाल प्रोजेक्ट तय समय सीमा में पूरे हो सके। मेट्रो रेल कापोरेशन के एमडी ने इंदौर के प्रोजेक्ट की निर्माण प्रगति का मौका पर जाकर जायजा भी लिया।

सेवा संविदा समाप्त करने की चेतावनी भी दी

प्रबंध निदेशक ने मेट्रो रेल कापोरेशन के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक सिविल एलिवेटेड को कार्य की पूर्ण जानकारी का अभाव और असंतोषजनक प्रदर्शन के चलते बर्खास्त करने के नोटिस देने के साथ कार्य में सुधार आने पर सेवा संविदा समाप्त करने की भी चेतावनी दी है। सभी स्टेक होल्डर्स, मेट्रो के अधिकारियों, जनरल कंसल्टेंट और कॉन्ट्रेक्टर को भी कहा कि वे अपनी जिम्मेवारियों के प्रति निष्ठावान रहें और निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर किसी भी तरह की कोई कोताही वर्तांश्त नहीं की जाएगी।

ठेकेदार फर्मों से सीधी चर्चा : निर्माण कार्यों में लगने वाली अन्य सामग्रियों की भी आपूर्ति करने वाली ठेकेदार फर्मों से भी सीधी चर्चा की जा रही है। वहीं संबंधित आपूर्तिकतार्ओं से खुद भी फोन पर चर्चा की। डिपो के वाया डक्ट भाग को सबसे चुनौतीपूर्ण बताते हुए इसके निर्माण में गति लाने के भी निर्देश दिए। गांधी नगर मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया और पिछले दिनों ही प्राधिकरण ने मैन केरेजवे बंद कर स्टेशन निर्माण के चलते दोनों तरफ सर्विस रोड भी तैयार की। एमडी श्री सिंह के मुताबिक कास्टिंग यार्ड के कॉन्ट्रेक्टर यूआरसी कंस्ट्रक्शन कम्पनी चैन्नई को कार्य में लापरवाही बरतने और स्टेशन के प्रीकॉस्ट पाई गर्डर के निर्माण की धीमी प्रगति के चलते नोटिस जारी किया जा रहा है। साथ ही इंदौर- भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट में जिन- जिन अधिकारियों को काम सौंपा गया है उन्हें अब लगातार मैदानी मॉनिटरिंग करने को कहा है। लक्ष्यों के मुताबिक कार्य पूरा न होने की स्थिति में संबंधित कम्पनियों को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित किया जा सकता है, ताकि भविष्य में कम्पनियों को मेट्रो के काम नहीं मिल सकें।

पहले पति को फोन पर मैसेज भेजा, फिर लगा ली फांसी

आजादनगर थाना क्षेत्र में नवविवाहिता ने फांसी लगा ली। आत्महत्या के पूर्व उसने पति के फोन पर मैसेज भी भेजा था। वह किराना दुकान संचालित करता है। पति ने आत्महत्या की वजह सांस की बीमारी बताई है।टीआइ इंद्रेश त्रिपाठी के मुताबिक घटना शनिवार रात मयूरनगर की है। सूचना मिली थी 27 वर्षीय चांदनी पति मोनू जैन ने घर में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है। मोनू की किराना दुकान है और चांदनी भी उसके साथ दुकान संभालती थी। दोनों ससुराल देवास में शादी में गए थे। चाबियां गुम हो जाने के कारण चांदनी यह बोलकर लौट आई कि वह चाबी बना कर दुकान खोलेगी।

मोनू बाइक की चाबी बनवाने के लिए चला गया। उसने

घर आकर मोनू के फोन पर मैसेज भेजा कि मुझे किसी से कोई परेशानी नहीं है। शक होने पर मोनू ने पड़ौसी को घर भेजा तो पता चला वह फांसी लगा कर जान दे चुकी थी।स्वजन के मुताबिक चांदनी को सांस की बीमारी थी।

खेलो इंडिया में 40 प्रतिशत बेटियों की भागीदारी महत्वपूर्ण

खिलाड़ियों की मंजिल अब एशियाड और ओलिंपिक : मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में खिलाड़ियों को भरपूर सुविधाओं के साथ सम्मान भी दिया जाएगा। खेलो इंडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी एक पृथक कार्यक्रम में पुरस्कृत और सम्मानित किए जाएंगे। पिछले खेलो इंडिया गेम्स में देश में 8वें क्रम पर रहने वाले मध्यप्रदेश ने अब तीसरे क्रम पर स्थान बनाया है। यह गर्व और गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ है। इसमें खेल क्षेत्र भी शामिल है। खेलों के लिए बजट राशि बढ़ाई गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इन खेलों के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश पर भरोसा किया। मध्यप्रदेश उमंग और उत्साह में डूबा रहा। खिलाड़ियों ने जोश दिखाया और हिन्दुस्तान का दिल धड़काया। मध्यप्रदेश में 13 दिन खेलमय वातावरण था। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज शाम भोपाल के बोट क्लब पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मैडल प्राप्त करने वाले और भागीदारी करने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेलो इंडिया में ओवर ऑल चेम्पियन महाराष्ट्र विशेष बधाई का पात्र है। हरियाणा दूसरे स्थान पर रहा है। मध्यप्रदेश भी तीसरे क्रम पर आया है। मध्यप्रदेश, हरियाणा से थोड़ा ही पीछे रहा। मध्यप्रदेश ने 39 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। एक समय मध्यप्रदेश का खेलों में

कोई विशेष नाम नहीं था। श्री देव कुमार मीणा ने राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। खेलो इंडिया में 40 प्रतिशत बेटियों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। मलखम्भ, एथलीट और वाटर स्पोर्टस में मध्यप्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 19 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया यूथ गेम्स प्रोत्साहनकारी रहे। अब इन खेलों में सफल हुए खिलाड़ियों को अपनी मंजिल की ओर बढ़ना है। इनकी मंजिल अब एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलिंपिक हैं। इन सभी में खिलाड़ियों को पदक जीतना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, स्पोर्टस एथारटी ऑफ इंडिया और खेल विभाग की संपूर्ण टीम बधाई की पात्र है। खिलाड़ियों ने जोश, जिद और जुनून का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खिलाड़ियों को निरंतर विजय प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएँ दी।

केंद्रीय खेल, युवा कार्य और सूचना प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि मध्यप्रदेश में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में अनेक रिकॉर्ड टूटे हैं। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान और उनकी पूरी टीम बधाई और धन्यवाद की पात्र है। श्री ठाकुर ने कहा कि बेटियों ने खेलों में कमाल कर दिखाया है। इन खिलाड़ियों ने अनेक अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक के दावेदार होने का प्रमाण दिया है। मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया गेम्स के लिए बहुत अच्छी व्यवस्थाएँ की गई। युवा खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मंच मिला। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में खेलों के आयोजन से खेल क्षेत्र की प्रतिभाएँ आगे आ रही हैं। निर्धन परिवारों से आए खिलाड़ियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। यह आवश्यक है कि सरकार, समाज और कॉर्पोरेट घराने, खेल संस्थाएँ और फेडरेशन के साथ मिल कर खेलों को प्रोत्साहन देने का कार्य करें। सहयोग राशि भी खेल गतिविधियों के लिए दी जानी चाहिए। केन्द्रीय मंत्री श्री ठाकुर ने विभिन्न खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली बेटियों और अन्य खिलाड़ियों का अलग-अलग उल्लेख भी किया।

मंत्री श्री सिलावट ने इंदौर शहरी क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात दी

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट विकास यात्रा लेकर सांवेर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले इंदौर शहर के वार्ड क्रमांक-35 और 36 पहुँचे। विकास यात्रा के दौरान उन्होंने वार्ड की विभिन्न बस्तियों और कॉलोनियों में लगभग 12 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। यात्रा का नागरिकों ने जगह-जगह भव्य स्वागत किया। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि हर वार्ड के संपूर्ण विकास के लिये हमारी सरकार और हम कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, पानी और ड्रेनेज लाईन के विस्तार के लिये कोई कसर नहीं रखी जायेगी। हर क्षेत्र में एक जैसा विकास होगा। बस्तियों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। बस्तियों में सभी मूलभूत सुविधाएँ जुटाई जाएंगी। उन्होंने निपानिया के संजीवनी क्लीनिक के भवन निर्माण के लिये 28 लाख रूपये की राशि स्वीकृत करने की बात कही। श्री सिलावट ने कहा कि यह भवन शीघ्र बन कर तैयार हो जायेगा। इंदौर स्वच्छता में तो अव्वल है। अब विकास में भी इंदौर को अव्वल बनाया जायेगा।

मंत्री श्री सिलावट ने विकास यात्रा की शुरुआत इंदौर बाईपास स्थित ग्राम अरंडिया से की। उन्होंने अरंडिया गाँव में ड्रेनेज लाइन तथा सड़क का भूमि-पूजन किया। मायाखेड़ी मेन रोड, ओमेक्स सिटी के गेट तथा निपानिया/पिपलिया कुमार काकड़ पर भी जगह-जगह विकास यात्रा का स्वागत हुआ।

मातृभाषा को शिक्षा और व्यवहार में लाएं- पूर्व राज्यपाल श्री कोकजे

इन्दौर प्रेस क्लब के राजेन्द्र माथुर सभागृह में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति विष्णु सदाशिव कोकजे थे। उन्होंने कहा कि मातृभाषाओं का व्यवहार एवं शिक्षा में अधिक से अधिक प्रयोग किया जाना चाहिए।

मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा रविवार दोपहर आयोजित समारोह में भारतीय जन संचार संस्थान(आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो संजय द्विवेदी और साहित्यकार डा.भगवती लाल राजपुरोहित को 'हिन्दी गौरव अलंकरण' से अलंकृत किया गया। इन्दौर प्रेस क्लब के राजेन्द्र माथुर सभागृह में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति विष्णु सदाशिव कोकजे थे। उन्होंने कहा कि मातृभाषाओं का व्यवहार एवं शिक्षा में अधिक से अधिक प्रयोग किया जाना चाहिए। हम ज्यादा से ज्यादा भाषाएँ सीखें किन्तु मातृभाषा का अनादर न होने दें।

तेज करें बौद्धिक अभियान-प्रो.द्विवेदी

सम्मान से अलंकृत होने के पश्चात प्रो.संजय द्विवेदी ने कहा कि भाषाएं और माताएं अपने पुत्र-पुत्रियों के कार्यों से ही सम्मानित होती हैं। हमें भारतीय भाषाओं का गौरव बढ़ाने के लिए बौद्धिक प्रयत्न तेज करने होंगे। उन्होने कहा कि इक्कीसवीं सदी भारत की सदी है और इसका वाहक हमारी भाषाएं ही बनेंगी। हमारे बौद्धिक योद्धा इसे संभव बनाएंगे। इस समारोह को सांसद शंकर लालवानी, प्रेस क्लब अध्यक्ष, मुस्कान भारतीय ने भी संबोधित किया।

इस मौके पर नोएडा से कवयित्री पल्लवी त्रिपाठी, तेलंगाना से श्रीमन्नारायण चारी विराट, इंदौर से राकेश दांगी, छिन्दवाड़ा से भुवन सिंह धांसू एवं भोपाल से डॉ. अंशुल आराध्यम को काव्य गौरव अलंकरण प्रदान किया गया। स्वागत उदबोधन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' ने दिया, संचालन कवि अंशुल व्यास ने किया और अंत में आभार अमित मौलिक ने माना।

मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. नीना जोशी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शिखा जैन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नितेश गुप्ता सहित मध्यप्रदेश अध्यक्ष अमित मौलिक, कार्यकारणी सदस्य जलज व्यास, मयंक व्यास, मुकेश तिवारी, सूर्यकान्त नागर, डॉ योगेन्द्र नाथ शुक्ल, अश्विन खरे, प्रदीप जोशी, संजय त्रिपाठी, गिरेन्द्र सिंह भदौरिया प्राण, रामचंद्र अवस्थी, सुषमा दुबे, इन्दु पराशर, माला सिंह ठाकुर, नीलम तोलानी आदि उपस्थित रहे।

सीएम शिवराज सिंह के चहेते रिटायर्ड अफसर को बचाने बदल दिए लोकायुक्त के दो जांच अधिकारी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के चहेते अफसर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच कर रहे दो जांच अधिकारियों को लोकायुक्त से हटा दिया गया। गौरतलब है कि हाल ही में जब लोकायुक्त ने प्रदेश के रसूखदार अधिकारियों के खिलाफ अपनी निगाहें तिरछी की तो सरकार ने लोकायुक्त डी जी कैलाश मकवाना को हटा दिया था। लोकायुक्त के दो डी एस पी योगेश कुरचानिया और सलिल शर्मा की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उन्हें पुलिस मुख्यालय भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि योगेश कुरचानिया को सात आठ माह पूर्व ही लोकायुक्त में पदस्थ किया गया था। उक्त दोनों अधिकारियों के पास हाल ही में सीहोर जिले से सेवानिवृत्त हुए एस डी ओ पी चंद्रमणि द्विवेदी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच थी। एक मामला गिफ्ट में करोड़ों की जमीन लेने का है और दूसरा मनी लांड्रिंग आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का।

उल्लेखनीय है कि द्विवेदी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ उनके संसदीय कार्यकाल से जुड़े हुए हैं। शिवराज के मुख्यमंत्री बनने के बाद द्विवेदी को दो बार परिवहन विभाग में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापना दी गई। हाल ही में द्विवेदी सीहोर जिले में पदस्थ थे। द्विवेदी के दामाद भी सीहोर जिले में बिलकिसगंज में बतौर थाना प्रभारी पदस्थ हैं।

भोपाल में सड़क पर गंदगी देख भड़के मंत्री सारंग

राजधानी भोपाल के देवकी नगर की सड़क पर गंदा पानी देख चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग भड़क गए। उन्होंने मौके पर ही नगर निगम के अफसर को फटकार लगा दी। बोले कि तुम्हारे बस का नहीं तो तुम्हें हटा दूं? मेन रोड पर यही स्थिति है। मंत्री सारंग बुधवार को नरेला विधानसभा में विकास यात्रा के दौरान देवकी नगर से गुजर रहे थे। तभी सड़क पर सीवेज का पानी बहता देख उन्होंने गाड़ी रुकवा दी। इसके बाद निगम अफसर को जमकर फटकार लगाई। मंत्री ने निगम अफसरों को तत्काल सफाई के निर्देश दिए। वे वार्ड-77 के शहीद भगतसिंह मंडल में विकास यात्रा के दौरान चौपाल में कार्यकर्ताओं और जनता से संवाद करने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं वापस आकर भी देखूंगा।

भारत सरकार ने कई लोन देने वाली ऐप्स से हटाया बैन...

भारत सरकार ने कुछ दिनों पूर्व ही 200 से अधिक ऐप्स पर बैन लगाया था। इस बैन को कई ऐप्स पर से हटा दिया गया है। भारत सरकार ने बेटिंग और लोन देने वाले ऐप्स के खिलाफ ये कार्रवाई की थी।

भारत सरकार ने कुछ दिनों पूर्व ही 230 से अधिक लोन देने वाली और बेटिंग करने वाली एप्स पर प्रतिबंध लगाया था। प्रतिबंध लगाने के समय भारत सरकार ने तर्क दिया था कि ये ऐप्स चीन से संबंधित है और इनके चालू रहने से सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। वहीं अब इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ऐप्स पर लगे बैन को हटा लिया है। जिन ऐप्स से बैन लटाया गया है उन्हे भारत से संबंधित ही बताया गया है। सराकर ने हाल ही में 138 बेटिंग और 94 लोन देने वाले एप्स को बैन किया था।

जानकारी के मुताबिक भारत सरकार ने PayU, LazyPay Kissht, Buddlyloan.com, faircent.com, KreditBee और mPokket के Aptoide से बैन हटाया है। इन सभी ऐप्स पर हाल ही में बैन लगाया गया था। बता दें कि सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए LazyPay पर भी बैन लगाया था। इस बैन के हटने से यूजर्स को बड़ी राहत मिली है। सरकार आने वाले दिनों और भी कई ऐप्स से बैन हटाएगी। इस दौरान उन ऐप्स को हटाया जाएगा जिसका चीन से कोई ताल्लुक नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को कई ऐसे दस्तावेज भेजे गए थे जिसके जरिए कहा गया था कि एप्स सुरक्षित है। वहीं मंत्रालय ने IT

Act के सेक्शन 69 का हवाला देते हुए इन ऐप्स को बैन किया था।

कई लोगों ने की आत्महत्या

मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला है कि ये ऐप लोगों को कर्ज लेने और सट्टा खेलकर जीतने का लालच देते हैं। बाद में ये कर्जदारों पर सालाना 3000% तक व्याज वढ़ा देते हैं । जव कर्जदार लोन के पैसे वापस करने में असमर्थता जताते तो उन्हें प्रताड़ित किया जाता। उन्हें वट्सऐप समेत कई सोशल मीडिया मंच पर भद्दे मेसेज भेजते हैं और उनकी तस्वीरों से छेड़छाड़ कर उन्हें वायरल करने की धमकी देते हैं। इससे परेशान होकर कई लोगों ने आत्महत्या की है। दिल्ली, तेलंगाना, ओडिशा, यूपी जैसे राज्यों ने भी गृह मंत्रालय से इन ऐप पर कार्रवाई की सिफारिश की है।

...साली की सालगिरह पार्टी में नाचते समय दवा कारोबारी को आया हार्ट अटैक, मौत

शादी की साल गिरह पार्टी में नाचते समय आए हार्ट अटैक से युवा दवा कारोबारी की मौत हो गई। दवा कारोबारी को तीन निजी अस्पतालों में दिखाया गया, चिकित्सकों के जवाब देने के बाद परिजन उन्हें लेकर स्वरूप रानी अस्पताल गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद मचे कोहराम की वजह से सालगिरह की पार्टी की खुशियां पल भर में गम में तब्दील हो गईं।

पार्टी में परिजनों, रिश्तेदारों के साथ नाचते समय दिल का दौरा पड़ने की यह घटना शनिवार की रात 11:05 बजे की है। सिविल लाइंस स्थित अतुल माहेश्वरी मार्ग (क्लाइव रोड) पर बंगला नंबर -नौ के निवासी अमरदीप वर्मा(46) की साली पूनम की शादी की सालगिरह मनाई जा रही थी। इसके लिए पंखुड़ी अपार्टमेंट में भव्य इंतजाम किए गए थे। सजावट के बीच डीजे पर अमर दीप अपनी पत्नी नीतू वर्मा और अन्य रिश्तेदारों के साथ फिल्मी नग्मे पर नृत्य कर रहे

थे। पहले उन्हें सीने में हल्का दर्द महसूस हुआ तो वह बैठ गए। लेकिन कुछ देर बाद ही आराम मिलते ही वह फिर अपनी पत्नी के साथ नाचने लगे। इसी दौरान उन्हें तेज अटैक आया और वह गिर पड़े। अमर दीप के गिरते ही सालगिरह पार्टी में कोहराम मच गया। आनन-फानन में डीजे बंद करा दिया गया। परिजन और रिश्तेदार उन्हें कार से लेकर पार्वती हॉस्पिटल पहुंचे। वहां से चिकित्सकों ने जवाब दे दिया।

रेलवे ने थमाया बजरंगबली को नोटिस, बवाल बढ़ा तो पुजारी के नाम किया

मुरैना जिले के सबलगढ़ कस्बे के ग्यारहमुखी हनुमान मंदिर के भगवान बजरंगबली को रेलवे ने नोटिस थमा दिया। नोटिस में सात दिन में मंदिर का अतिक्रमण न हटाने पर जबरन कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई, जिसमें जेसीबी आदि के खर्च की वसूली भी बजरंग बली से ही करने का उल्लेख किया गया। मंदिर पर भगवान के नाम नोटिस चस्पा करने का मामला तूल पकड़ा तो रेलवे ने दूसरा नोटिस जारी कर दिया, जो पुजारी के नाम है।

झांसी रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह का कहना है कि सबलगढ़ में श्योपुर-ग्वालियर ब्राडगेज लाइन का काम चल रहा है, यहां से अन्य अतिक्रमण भी हटाए गए हैं। मंदिर रेलवे की जमीन में है, पहले बजरंग बली के नाम नोटिस जाना क्लेरिकल गलती थी, जिसे सुधार दिया गया है, नया नोटिस पुजारी के नाम दिया गया है। झांसी रेल मण्डल के वरिष्ठ खण्ड अभियंता, जौरा अलापुर की ओर से 9 फरवरी को बजरंग बली सबलगढ़ के नाम से जारी नोटिस एमएस रोड, दीवान पैलेस के सामने स्थित ग्यारहमुखी हनुमान मंदिर के बाहर चस्पा कर दिया गया।

मंदिर 108 साल से ज्यादा पुरानी नैरोगेज लाइन से करीब 25 से 30 फीट दूरी पर है। यही नैरोगेज लाइन अब ब्राडगेज में बदली जा रही है। रेलवे ने मंदिर को ब्राडगेज लाइन की जद व रेलवे की जमीन में बताते हुए हटाने का नोटिस जारी किया है।

नोटिस में भगवान बजरंग बली को संबोधित करते हुए लिखा है कि आपके द्वारा सबलगढ़ के मध्य किलोमीटर में

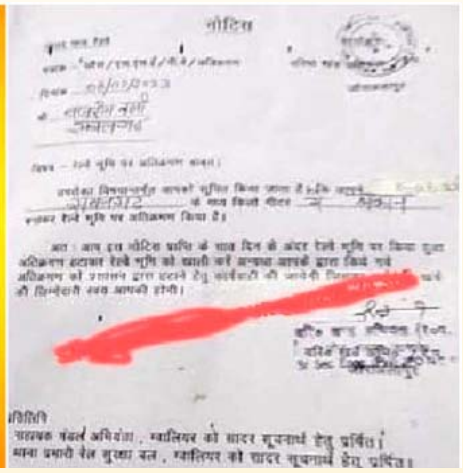

मकान (मंदिर) बनाकर रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण कर लिया गया है। अतः आप इस नोटिस के सात दिन के अंदर रेलवे भूमि पर किया गया अतिक्रमण हटाकर रेलवे भूमि को खाली करें अन्यथा आपके द्वारा किए गए अतिक्रमण को प्रशासन द्वारा हटाने की कार्रवाई की जाएगी, जिसका हर्ज एवं खर्च की जिम्मेदारी स्वयं आपकी (भगवान बजरंग बली की) होगी।

हंगामा होने पर नोटिस को हटाने गए रेलकर्मी, लोगों ने लौटाया : बजरंग बली को दिया गया नोटिस इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हो गया। इसको लेकर लोगों ने रेलवे का निशाने पर ले लिया। मामला तूल पकड़ता देख रविवार की सुबह रेलवे के कर्मचारी मंदिर पर चस्पा किए नोटिस को वापस लेने पहुंचे, लेकिन लोगों ने विरोध किया। इसके बाद रेलवे ने नया नोटिस जारी किया है, जिसमें बजरंग बली की जगह मंदिर के पुजारी हरशिंकर शर्मा का नाम लिख दिया गया है। स्थानीय निवासी आकाश खेमरिया ने बताया कि मंदिर अतिक्रमण करके नहीं बना है, रेलवे जबरन हटाने का प्रयास करेगा तो जनता आंदोलन करेगी। बजरंगबली के नाम से नोटिस आपत्तिजनक है, जिसे उन्होंने अपने पास सुरक्षित रख लिया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने सीएम को बता दिया कंस मामा दीपक धुलवाने के लिए बुलाया गया था...

उज्जैन। महाशिवरात्रि पर्व पर उज्जैन में 21 लाख दीपक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी की जा रही है। इस कार्यक्रम को 'शिव ज्योति अर्पणम्' नाम दिया गया है। इसकी तैयारी में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मदद भी ली जा रही है। रविवार को जब आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दीपक की धुलाई करवाने के लिए बुलाया गया तो वे भड़क गए। आंगनवाड़ी की एक कार्यकर्ता ने तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को 'कंस मामा' बता दिया। उज्जैन में महाशिवरात्रि पर्व पर शिप्रा नदी के तट, महाकालेश्वर मंदिर, चिंतामणि गणेश मंदिर, हरसिद्धि मंदिर सहित सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक स्थानों पर 21 लाख दीपक लगाए जाएंगे। इसे लेकर व्यापक पैमाने पर तैयारियां चल रही हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक भी ली।

मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार,स्थानीय जिला प्रशासन पूरी ताकत के साथ इस महोत्सव की तैयारी में जुटा हुआ है। 'शिव ज्योति अर्पणम' के आयोजन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मदद भी ली जा रही है।रविवार को

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दीपक की धुलाई कराने के लिए बुलवा लिया गया।इस पर उनका आक्रोश भड़क गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता सोनी ने आरोप लगाया कि उन्हें वेतन तक समय पर नहीं मिल पा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वर्तमान समय में बहुत परेशान हैं।इसके बाद भी उन्हें समग्र आईडी, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड की ड्यूटी में लगा दिया जाता है।

अब 21 लाख दीपक धुलवाने के लिए भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बुलवा लिया गया है। यह सरकार की गलत नीति है। इसका आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विरोध करते हैं। ममता सोनी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कंस मामा जैसे काम कर रहे हैं।वे अपनी वाहवाही लूटने के लिए बेहद कम वेतन में काम कर रहे आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का दोहन कर रहे हैं।

12 करोड़ की फोरलेन सड़क का नहीं हुआ काम शुरू...

होलकर प्रतिमा से बायपास तक बनना है पौने दो किमी से ज्यादा लंबी सड़क

पिछले साल विधानसभा 5 के विधायक महेंद्र हार्डिया ने सीएम शिवराज सिंह चौहान से अपनी विधानसभा के बंगाली चौराहा क्षेत्र से बायपास को जोड़ने वाले मार्ग के लिए लगभग १२ करोड़ की लागत के आसपास की नई फोरलेन सड़क मंजूर करवाई थी। लेकिन हालत यह है कि लोकनिर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) अफसरों की लेटलतीफी के चलते अभी तक टैंडर प्रक्रिया के बावजूद कोई काम शुरू नहीं हो पाया। जबकि पीडब्ल्यूडी अफसरों ने पिछले साल ही इस सड़क के निर्माण और चौड़ीकरण का काम शुरू करने से पहले तमाम विभागीय तैयारियां पहले ही शुरू कर दी थी। यही नहीं। दिवाली बाद टैंडर संबधित प्रक्रिया भी शुरू हो गई थी बावजूद इसके अभी तक कोई काम शुरू नहीं हो पाया। गौरतलब है कि बंगाली क्षेत्र में होलकर प्रतिमा से मयंक ब्लू वॉटर पार्क होकर बायपास को जोड़ने वाली मुख्य सड़क वर्तमान में कहीं बेहद संकरी तो कहीं टू लेन सड़क है। वहीं अब पीडब्ल्यूडी द्वारा यहां १०० फिट से ज्यादा चौड़ाई वाली फोरलेन सड़क बनाने की प्लानिंग है। यही नहीं इसके लिए शासन से लगभग पोने बारह करोड़ के आसपास राशि भी मंजूर हो गई है। साथ ही लोकनिर्माण विभाग ने इसके लिए टेंडर संबधित तमाम प्रोसेस और प्रक्रिया भी पिछले दिनों ही शुरू भी कर दी थी। बाबजूद इसके अभी तक सड़क निर्माण को लेकर कोई हलचल नजर नहीं आ रही है। इधर पीडबल्यूडी अफसरों का कहना है कि फिलहाल टैंडर संबधित तमाम प्रक्रिया अंतिम दौर में चल रही है। बेहद जल्द अगले एक से डेढ़ माह में इस फोरलेन सड़क का काम बेहद जल्द शुरू करवाने की तैयारी है। वहीं सड़क निर्माण से पहले विभागीय तैयारीयां भी पूरी कर ली गई है।

50 फीट की बजाय अब दुगनी होगी चौड़ाई

इधर विधायक महेंद्र हार्डिया ने बताया वर्तमान में बंगाली चौराहा क्षेत्र में होलकर प्रतिमा के पीछे से मयंक ब्ल्यू वॉटर पार्क होते हुए बिचौली बायपास को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की चौड़ाई कहीं ४० फीट तो कहीं ५० से ६० फिट के आसपास भी चौड़ाई है,वहीं अब २ लेन सड़क के बजाय अब इसे पहले से दुगनी चौड़ाई कर फोरलेन बनाने की तैयारी चल रही है। साथ ही सड़क की चौड़ाई भी पहले से दुगनी हो जाने से यहां आए दिन लगने वाले जाम से भी वाहन चालकों को राहत मिलेंगी। वहीं सड़क की चौड़ाई टू लेन से फोर लेन हो जाने से बायपास की और जाने वालों को भी एक और नई चौड़ी सड़क मिलेंगी साथ ही यहां का ट्रैफिक भी सुगम हो जाएगा।

रौशनी के लिए लगेंगी 200 से ज्यादा एलईडी लाइट

सड़क प्रोजेक्ट से जुड़े पीडब्ल्यूडी अफसरों के मुताबिक बंगाली कालोनी क्षेत्र में महाराजा यशवंत राव होलकर प्रतिमा के पीछे से मयंक ब्लू वॉटर पार्क होते हुए बिचौली बायपास और कई बड़ी कालोनियों और टाउनशिप को जोड़ने वाली मुख्य सड़क के चौड़ीकरण और निर्माण का काम जल्द शुरू करने की तैयारी एकदम अंतिम दौर में है। वहीं खास बात यह होगी कि इस लंबी चौड़ी फोरलेन सड़क के बीच रौशनी के लिए सेंट्रल डिवाइडर बनाकर उन पर ८० से ९० बिजली के पोल लगाकर इन पर २०० से ज्यादा आकर्षक एलईडी लाइटिंग से जगमगाहट भी की जाएगी।

योग गुरु बाबा रामदेव पर एफआईआर व गिरफ्तारी पर अड़ा मुस्लिम समाज..

शिवकुमारसिंह चौराहा स्थित एसडीएम कार्यालय सोमवार को योग गुरु बाबा रामदेव मुर्दाबाद के नारों से गूंज उठा। कांग्रेस अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओं ने बाबा रामदेव के खिलाफ एफआईआर और गिरफ्तारी की मांग की। सोमवार दोपहर 1.20 बजे कांग्रेस अल्पसंख्यक सहित कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने राज्यपाल के नाम प्रभारी तहसीलदार रामलाल पगारे को मांग पत्र सौंपा। कांग्रेस के डॉ. फरीद काजी ने कहा- एक टीवी न्यूज में बाबा रामदेव का विवादित बयान देखने और सुनने में आया है। जिसमें पाखंडी बाबा ने इस्लाम धर्म में आतंकवादी बनाए जाने और हिंदू बहन-बेटियों को गवाह करने के आरोप लगाए है। उन्होंने यह भी बयान दिया कि ऐसे

लोग ईसाई धर्म चर्च में मोमबत्ती लगाकर अपने किए अपराधों पर माफी मांगते है। जिससे उनका गुनाह माफ हो जाता है। ऐसे बयान देकर उन्होंने देश की एकता और अखंडता तोड़ने का काम किया है। ऐसे में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता कार्रवाई की जाए। मुसलमान और ईसाइयों पर दिए विवादित बयान के विरोध में सोमवार को शहर में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिंकू टांक, पूर्व विधायक रविंद्र महाजन, प्रदेश उपाध्यक्ष हमीद काजी, रफीक गुल मोहम्मद, कैलाश यवतकर, सलीम कोटनवाला, शेख रूस्तम सहित अन्य मौजूद रहे।

सांसद शंकर लालवानी के प्रयास के बावजूद भी

इंदौर और उदयपुर के बीच नहीं मिल रही सीधी हवाई सेवा...

भोपाल से उदयपुर के लिए पिछले साल से सीधी विमान सेवा शुरू हो चुंकी है। इधर इंदौर से उदयपुर जाने के लिए हवाई सेवा के लिए लोगों को इतने सालों बाद भी अभी तक इतना लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। जबकि इंदौर शहर से विभिन्न समाज के लोग लगातार श्रीनाथजी, चारभुजाजी दर्शन के लिए जातें रहते है, वहीं इनके द्वारा लंबे समय से इंदौर सांसद शंकर लालवानी से दोनों शहरों के बीच सीधी हवाई सेवा की मांग की जा रही है। बावजूद इसके फिलहाल यहां यह सुविधा नहीं मिल पा रही है। जबकि यहां से आए दिन बड़ी तादाद में श्रीनाथजी नाथद्वारा, चारभुजानाथजी दर्शन के लिए जाने वाले पालीवाल ब्राह्मण समाजजनो, अग्रवाल और माहेश्वरी समाजजनों द्वारा लंबे समय से इंदौर सांसद से मांग की जा रही है कि इंदौर से उदयपुर के लिए सीधी विमान सेवा शुरू हो जाए तो यात्री एक दिन में दर्शन कर वापस लोट आए।

अभी एकमात्र ट्रेन का है विकल्प जबकि अभी इंदौर से सिर्फ एक मात्र ट्रेन वीरभूमि मेवाड़ एक्सप्रेस (इंदौर-उदयपुर एक्सप्रेस) चलती है जो शाम साढ़े ५ बजे चलकर अलसुबह साढ़े तीन से चार बजे के बीच उदयपुर पहुंचाती है। जिससे यात्रियों को इस समय आगे की यात्रा के लिए कोई साधन नहीं मिलता। वहीं यात्रियों का कहना है कि हवाई सेवा शुरू हो जाए तो वे एक दिन में श्रीनाथ जी और चारभुजाजी के दर्शन कर वापस इंदौर आ सकतें है। वहीं अभी एक मात्र ट्रेन है जो शाम को यहां से रवाना होती है और सुबह जल्दी उतार रही है जिससे यात्रियों को ठंड और बारिश के दिनों में सबसे ज्यादा परेशानी होती है, क्योंकी इतनी जल्दी यात्रियों को दर्शन के लिए जाने के लिए कोई साधन नहीं मिलते। पालीवाल समाज २४ श्रेणी अध्यक्ष राकेश जोशी, सचिव ललित पुरोहित, ४४ श्रेणी अध्यक्ष भुरालाल व्यास,मेनारिया ब्राह्मण समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष जसराज मेहता का कहना है कि समाजजन लंबे समय से सांसद शंकर लालवानी से मांग कर रहें है कि इंदौर से भी उदयपुर के लिए हवाई सेवा शुरू हो जाए तो इसका समाजजनों के साथ अन्य व्यापारी वर्ग को भी फायदा होगा।

रोज बड़ी तादाद में उदयपुर जातें है विभिन्न समाजजन

दरअसल इंदौर से बड़ी संख्या में पालीवाल सहित अन्य समाजजन भी राजस्थान जातें है। जहां विभिन्न गांवों में स्थित देवी देवताओं के मंदिर दर्शन के साथ जागरण के लिए भी पालीवाल समाज जन जाते-रहते है।

आधी रात को उतार देती है ट्रेन,फिर सुबह तक नहीं मिलते कोई साधन : श्रीनाथजी और चारभुजानाथजी के दर्शन के लिए भी आए दिन जाते रहते है,ऐसे में इंदौर से केवल एक मात्र ट्रेन का साधन है जो शाम को इंदौर से जल्दी चलने के कारण आधी रात में २:३० से ३ बजे के बीच मावली और फिर ३:३० से ४ बजे के बीच उदयपुर पहुंचाती है। जो यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। मेवाड़ महासंघ के विनोद जोशी का कहना है मावली स्टेशन पर अपने पैतृक गांव जाने श्रीनाथजी दर्शन और चारभुजानाथजी दर्शन के लिए जाने वालों को भी यहीं उतरना पड़ता है। इधर आधी रात को आगे की यात्रा के लिए कोई साधन नहीं मिलता। जिससे लोगों को अपने परिवार के साथ रेलवे स्टेशन पर बैठकर सुबह का इंतजार करना पड़ता है तब कहीं जाकर साधन मिलते है। लोगों का कहना है इंदौर से ट्रेन का समय परिवर्तन कर रात में आठ बजे के बाद चला दी जाए तो भी सुविधा हो जाएगी। साथ ही भोपाल से उदयपुर के लिए जैसे पिछले साल इंडिगो ने सीधी हवाई सेवा शुरू की वैसी सीधी विमान सेवा इंदौर उदयपुर के बीच भी होना चाहिए। जिससे यात्रियों के साथ व्यापारियों को भी इसका फायदा मिलेंगा।

यातायात को बेहतर बनाने की कमांड कलेक्टर ने संभाली

बेतरतीब और अव्यवस्थित यातायात के लिए एक अलग पहचान रखने वाले इंदौर शहर के यातायात को बेहतर बनाने की कमान अब कलेक्टर इलैयाराजा टी ने संभाल ली है। इसके साथ ही महापौर पुष्यमित्र भार्गव के हाथ से बेहतर यातायात का मुद्दा भी निकल जाने के आसार बढ़ गए हैं। पिछले नगर निगम के चुनाव में महापौर के द्वारा शहर की जनता से सबसे बड़ा वादा यातायात को व्यवस्थित करने और बेहतर बनाने का किया गया था। यह एक अलग बात है कि चुनाव जीतने के बाद से लेकर अब तक इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो सका है। अलबत्ता प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान नागरिकों को यातायात मित्र के रुप में शहर के चौराहों पर आकर यातायात संभालने की अपील की गई थी। इस तरह की अपील पूर्व में भी की जा चुकी है और पूर्व से ही बड़ी संख्या में नागरिक यातायात को संभालने में अपनी ओर से सहयोग भी दे रहे हैं इसलिए इसमें भी कुछ नया नहीं था। इसके अलावा यातायात को बेहतर बनाने की दिशा में महापौर और नगर निगम की ओर से अब तक कोई ठोस काम नहीं हो सका है। ऐसी स्थिति में अब शहर के यातायात को बेहतर बनाने की कमान कलेक्टर इलैया राजा टी ने संभाल ली है। सभी विभागों के द्वारा भी इस कार्य में कलेक्टर को सहयोग किया जा रहा है। कलेक्टर के द्वारा यात्रा को बेहतर बनाने के लिए लगातार बैठक लेकर योजना बनाने का कार्य शुरू किया गया है। कल भी कलेक्टर की ओर से सिटी बस कंपनी के कार्यालय के सभागार में यातायात मोबिलाइजेशन के लिए बैठक ली गई। इस बैठक में अब शहर में ह्यपहले आप' का अभियान चलाने का फैसला लिया गया है।

यूनिवर्सिटी ने पुलिस विभाग के साथ मिलकर की नए साइबर सिक्यूरिटी कोर्स की शुरूआत

अब पुलिस अधिकारियों से भी पढ़ेगें, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स...

वर्तमान परिदृश्य में बढ़ते साइबर अपराधों को ध्यान में रखते हुए, इन अपराधों की बारिकियों एवं इनमें आने वाली नई नई तकनीकों से परिचित होकर, साइबर सुरक्षा के क्षेत्र मे काम करने वाले ज्यादा से ज्यादा साइबर एक्सपर्ट हमें मिल सकें, इसी को मद्देनजर रखते हुए, यूजीसी के द्वारा साइबर सिक्योरिटी कोर्सेज कराने के लिए पहली बार एक सिलेबस निर्धारित किया गया है। जिसके तहत दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र, दे.अ.वि.वि.इन्दौर द्वारा पहली बार साइबर सुरक्षा पर आधारित एक अंडर ग्रैजुएट विशेष कोर्स मध्यप्रदेश पुलिस के साथ मिलकर शुरू किया जा रहा है, जिसमें पुलिस विभाग का भी विशेष सहयोग रहेगा।

उक्त कोर्स का उद्घाटन 6 फरवरी को पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर हरिनारायणाचारी मिश्र एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की कुलपति डॉ. रेणु जैन की विशेष उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर अति. पुलिस उपायुक्त मुख्यालया इंदौर श्रीमती मनीषा पाठक सोनी, दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केंद्र की डॉ. माया इंगले, प्रो. आशुतोष मिश्रा, प्रो. संजीव टोककर, डॉ. अजय तिवारी, एसीपी साइबर श्री निमेश देशमुख, एसीपी क्राइम सुश्री सौम्या अग्रवाल सहित सहित यूनिवर्सिटी का अन्य स्टाफ एवं लगभग 200 विद्यार्थी भी उपस्थित रहें।

प्रारंभ में स्वागत भाषण विभाग की निदेशक डॉ. माया इंगले द्वारा दिया गया। विशेष रूप से यूजीसी द्वारा प्राप्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस प्रायोगिक रूप से किस तरह से मददगार साबित हो सकती है।

विश्वविघालय द्वारा शुरू किये जा रहे उक्त नये कोर्स के संबंध में कुलपति डॉ. रेणु जैन द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि यूनिवर्सिटी के विषय विशेषज्ञों के साथ ही इस कोर्स में पुलिस विभाग के अधिकारी भी यहां आकर छात्रों को साइबर क्राइम की बारिकियों के बारे में पढ़ाएगें। इस प्रशिक्षण के सफल होने पर पोस्ट ग्रैजुएट लेवल पर भी यह प्रशिक्षण आरंभ किया जाएगा। वर्तमान में विभिन्न कोर्सेज कर रहे स्टूडेंट्स पार्ट टाइम इस कोर्स को करेंगे। शनिवार रविवार को सिर्फ क्लास होगी जिसमें पुलिस अधिकारी क्लास में विघार्थियों को वर्तमान समय में होने वाले साइबर क्राइम के बारें में उन्हें जानकारी देगें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणाचारी मिश्र ने अपने उद्बोधन में सभी से कहा कि वर्तमान समय के तकनीकी दौर में जिस प्रकार से हर चीज का डिजटलाईजेशन हो रहा है तो अपराधी भी नई तकनीकों का उपयोग कर, नित नये तरीकों से साइबर अपराधों को अंजाम दे रहे है, लेकिन पुलिस भी इन चुनौतियों का सामना कर इन अपराधों पर अंकुश लगाने की कड़ी कार्यवाही कर रही है और करोड़ों रुपए की राशि भी इनसे वापस फरियादियों तक पहुंचाई है। उन्होनें कहा कि यूनिवर्सिटी द्वारा यह कोर्स आरंभ किया गया है, जो स्वागत योग्य है। मध्य प्रदेश पुलिस इसमे पूर्ण रूप से सहयोग देगी।

चूंकि इन साइबर अपराधों से पुलिस का रोज ही सामना होता है, तो इनका पुलिस से अच्छा प्रैक्टिकल नॉलेज और कोई नहीं दे सकता। पुलिस अधिकारी अपनी ड्यूटी से समय निकालकर आपकी लगने वाली क्लासेस में आएगें और साइबर अपराधों की बारिकियों एवं इनकों किस प्रकार रोक सकते है आदि जानकारी के साथ ही आपकों विभिन्न केसों के प्रैक्टिकल अनुभवों से भी आपका ज्ञान बढ़ाने का प्रयास करेगें। आपकों थ्योरी की कक्षाओं के साथ ही प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए भी पुलिस की लैब व शाखाओं में विजिट भी कराया जाएगा। इस अवसर पर श्रीमती मनीषा पाठक सोनी ने भी सभी को वर्चुअल दुनिया और सोशल मीडिया पर कैसे सुरक्षित रहे बिारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

यह देश में पहला कार्यक्रम होगा जो कि यूनिवर्सिटी और पुलिस विभाग मिलकर संचालित करेगी। अतिथियों का स्वागत डॉ. माया इंगले, डॉ. संजय तनवानी एवं सुश्री अंशिका जैन द्वारा किया गया। धन्यवाद प्रस्ताव कुलसचिव श्री अजय वर्मा द्वारा प्रेषित किया गया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दीपिका राय द्वारा किया गया।

गंगा विलास क्रूज... देश का सबसे लंबा क्रूज, फाइव स्टार सुविधाएं

देश का सबसे लंबा रिवर क्रूज गंगा विलास क्रूज जिसके अंदर 'फाइव स्टार होटल' जैसी फैसिलिटीज हैं। आजकल चर्चा का विषय बना हुआ है। इस दौरान आपको ये जानकर अधिक खुशी होगी की मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में इससे भी बड़ा क्रूज बन रहा है, जिसकी क्षमता गंगा विलास से 5 गुना ज्यादा होगी। पूरी संभावना है अगले 4 माह में लोग इसका भरपूर आनंद ले पाएंगे। **बड़े तालाब में उतारा जाएगा क्रूजः** देश के सबसे बड़े क्रूज का कंस्ट्रक्शन भोपाल के खानूगांव में हो रहा है। इसे कंस्ट्रक्शन के बाद भोपाल की सान बड़े तालाब में उतारा जाएगा। मीडिया सूत्रों के मुताबिक क्रूज में 200 लोग बैठ सकेंगे। इसकी 36.6 मीटर, चौड़ाई 12 मीटर और ऊंचाई 10 मीटर होगी और ये 8 मीटर तक पानी में डूबा रहेगा। इस क्रूज का वजन 155 टन के करीब होगा।

बनेगा आकर्षण का केंद्र

भोपाल के बड़े तालाब में उतरने के बाद यह क्रूज राजधानी के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। मीडिया सूत्रों के अनुसार निर्माणाधीन क्रूज के फर्स्ट फ्लोर पर बैंक्वेट हॉल, डांस स्पेस और 8 सुइट होंगे और सेकेंड फ्लोर पर 12 सुइट होंगे। इसे इस तरह से बनाया जा रहा है कि इसके अलग-अलग फ्लोर पर भीड़ एकत्रित न हो पाएं।

गंगा विलास से 5 गुना कैपेसिटी

सबसे विशेष बात की इसमें 20 सुइट होंगे और 150 से 200 लोग यहां एक साथ रुक सकेंगे. वहीं हाल ही में लॉन्च गंगा विलास की बात करें तो इसमें 36 टूरिस्ट को सफर कराने की कैपेसिटी है. हालांकि, गंगा विलास, भोपाल के क्रूज से कई मायने में आगे है। क्योंकि ये 36 पैसेंजर के साथ लक्जरी सहूलियत से लैस होकर 51 दिनों में 3200 किलोमीटर का सफर तय करेगा।

क्या है गंगा विलास क्रूज

नए साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को सबसे बड़े रिवर क्रूज गंगा विलास की सौगात दी. ये काशी से डिब्रूगढ़ के लिए यात्रा तय करेगा. 3200 किलोमीटर के इसके सफर को पूरा करने में 51 दिन का वक़्त लगेगा. इस बीच ये यूपी के अतिरिक्त बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश होते हुए असम के डिब्रूगढ़ पहुंचेगा. इसके पहले सफर में 32 पैसेंजर निकले हैं. जिन्हें पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।

महाशिवरात्रि

जानिए शिव पूजन के शुभ मुहूर्त, मंत्र, कथा व विधि

वर्ष 2023 में शिव का प्रिय महाशिवरात्रि व्रत 18 फरवरी, शनिवार को मनाया जा रहा है। आपको बता दें कि हिन्दू धार्मिक मान्यता के अनुसार, फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर यह पर्व मनाया जाएगा।

महा शिवरात्रि पर शिव पूजा के शुभ मुहूर्त

महा शिवरात्रि व्रत : 18 फरवरी 2023, शनिवार
फाल्गुन चतुर्दशी तिथि का प्रारंभ- दिन शनिवार, 18 फरवरी 2023 को 08.02 पी एम से
चतुर्दशी तिथि का समापन- 19 फरवरी, 2023 दिन रविवार को 04.18 पी एम पर।
निशिथकाल पूजन समय- 12.09 ए एम से 10 फरवरी को 01.00 ए एम तक।
कुल अवधि - 00 घंटे 51 मिनट्स
रात्रि प्रथम प्रहर पूजन समय- 06.13 पी एम से 09.24 पी एमरात्रि द्वितीय प्रहर पूजन समय- 09.24 पी एम से 19 फरवरी को 12.35 ए एम तक।
रात्रि तृतीय प्रहर पूजन समय- 12.35 ए एम से 19 फरवरी को 03.46 ए एम तक।
रात्रि चतुर्थ प्रहर पूजन समय- 03.46 ए एम से 19 फरवरी को 06.56 ए एम तक।
पारण समय- रविवार, 19 फरवरी को 06.56 ए एम से 03.24 पी एम तक।
18 फरवरी, दिन का चौघड़िया
शुभ- 08.22 ए एम से 09.46 ए एम
चर- 12.35 पी एम से 02.00 पी एम
लाभ- 02.00 पी एम से 03.24 पी एम
अमृत- 03.24 पी एम से 04.49 पी एम
18 फरवरी, रात का चौघड़िया
लाभ- 06.13 पी एम से 07.49 पी एम
शुभ- 09.24 पी एम से 10.59 पी एम
अमृत- 10.59 पी एम से 19 फरवरी 12.35 ए एम तक।
चर- 12.35 ए एम से 19 फरवरी 02.10 ए एम तक।
लाभ- 05.21 ए एम से 19 फरवरी 06.56 ए एम तक।

महाशिवरात्रि मंत्र

- ॐ शिवाय नमः
- ॐ ह्रौं जूं सः। ॐ भूः भुवः स्वः। ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्। स्वः भुवः भूः ॐ। सः जूं ह्रौं ॐ ॥
- ॐ ऐं ह्रीं शिव गौरीमय ह्रीं ऐं ॐ
- शिवाय नमः
- ॐ त्रिनेत्राय नमः

महाशिवरात्रि कथा

महाशिवरात्रि व्रत कथा के अनुसार चित्रभानु नामक एक शिकारी था। जानवरों की हत्या करके वह अपने परिवार को पालता था। वह एक साहूकार का कर्जदार था, लेकिन उसका ऋण समय पर न चुका सका। क्रोधित साहूकार ने शिकारी को शिवमठ में बंदी बना लिया। संयोग से उस दिन शिवरात्रि थी। शिकारी ध्यानमग्न होकर शिव-संबंधी

धार्मिक बातें सुनता रहा। चतुर्दशी को उसने शिवरात्रि व्रत की कथा भी सुनी।

शाम होते ही साहूकार ने उसे अपने पास बुलाया और ऋण चुकाने के विषय में बात की। शिकारी अगले दिन सारा ऋण लौटा देने का वचन देकर बंधन से छूट गया। अपनी दिनचर्या की भांति वह जंगल में शिकार के लिए निकला। लेकिन दिनभर बंदी गृह में रहने के कारण भूख-प्यास से व्याकुल था। शिकार खोजता हुआ वह बहुत दूर निकल गया। जब अंधकार हो गया तो उसने विचार किया कि रात जंगल में ही बितानी पड़ेगी। वह वन एक तालाब के किनारे एक बेल के पेड़ पर चढ़ कर रात बीतने का इंतजार करने लगा।

बिल्व वृक्ष के नीचे शिवलिंग था जो बिल्वपत्रों से ढंका हुआ था। शिकारी को उसका पता न चला। पड़ाव बनाते समय उसने जो टहनियां तोड़ीं, वे संयोग से शिवलिंग पर गिरती चली गईं। इस प्रकार दिनभर भूखे-प्यासे शिकारी का व्रत भी हो गया और शिवलिंग पर बिल्वपत्र भी चढ़ गए। एक पहर रात्रि बीत जाने पर एक गर्भिणी हिरणी तालाब पर पानी पीने पहुंची।

शिकारी ने धनुष पर तीर चढ़ाकर ज्यों ही प्रत्यंचा खींची, हिरणी बोली- 'मैं गर्भिणी हूं। शीघ्र ही प्रसव करूंगी। तुम एक साथ दो जीवों की हत्या करोगे, जो ठीक नहीं है। मैं बच्चे को जन्म देकर शीघ्र ही तुम्हारे समक्ष प्रस्तुत हो जाऊंगी, तब मार लेना।'

शिकारी ने प्रत्यंचा ढीली कर दी और हिरणी जंगली झाड़ियों में लुप्त हो गई। प्रत्यंचा चढ़ाने तथा ढीली करने के वक्त कुछ बिल्व पत्र अनायास ही टूट कर शिवलिंग पर गिर गए। इस प्रकार उससे अनजाने में ही प्रथम प्रहर का पूजन भी सम्पन्न हो गया। कुछ ही देर बाद एक और हिरणी उधर से निकली। शिकारी की प्रसन्नता का ठिकाना न रहा। समीप आने पर उसने धनुष पर बाण चढ़ाया।

तब उसे देख हिरणी ने विनम्रतापूर्वक निवेदन किया- 'हे शिकारी! मैं थोड़ी देर पहले ऋतु से निवृत्त हुई हूं। कामातुर विरहिणी हूं। अपने प्रिय की खोज में भटक रही हूं। मैं अपने पति से मिलकर शीघ्र ही तुम्हारे पास आ जाऊंगी।' शिकारी ने उसे भी जाने दिया। दो बार शिकार को खोकर उसका माथा ठनका। वह चिंता में पड़ गया। रात्रि का आखिरी पहर बीत रहा था। इस बार भी धनुष से लग कर कुछ बेलपत्र शिवलिंग पर जा गिरे तथा दूसरे प्रहर की पूजन भी सम्पन्न हो गई।

तभी एक अन्य हिरणी अपने बच्चों के साथ उधर से निकली। शिकारी के लिए यह स्वर्णिम अवसर था। उसने धनुष पर तीर चढ़ाने में देर नहीं लगाई। वह तीर छोड़ने ही वाला था कि हिरणी बोली- 'हे शिकारी! मैं इन बच्चों को इनके पिता के हवाले करके लौट आऊंगी। इस समय मुझे मत मारो।' शिकारी हंसा और बोला- 'सामने आए शिकार को छोड़ दूं, मैं ऐसा मूर्ख नहीं। इससे पहले मैं दो बार अपना शिकार खो चुका हूं। मेरे बच्चे भूख-प्यास से व्यग्र हो रहे होंगे।'

उत्तर में हिरणी ने फिर कहा- जैसे तुम्हें अपने बच्चों की ममता सता रही है, ठीक वैसे ही मुझे भी। हे शिकारी! मेरा विश्वास करो, मैं इन्हें इनके पिता के पास छोड़कर तुरंत लौटने की प्रतिज्ञा करती हूं। हिरणी का दुखभरा स्वर सुनकर शिकारी को उस पर दया आ गई। उसने उस मृगी को भी जाने दिया। शिकार के अभाव में तथा भूख-प्यास से व्याकुल शिकारी अनजाने में ही बेल-वृक्ष पर बैठा बेलपत्र तोड़-तोड़कर नीचे फेंकता जा रहा था।

पौ फटने को हुई तो एक हष्ट-पुष्ट मृग उसी रास्ते पर आया। शिकारी ने सोच लिया कि इसका शिकार वह अवश्य करेगा। शिकारी की तनी प्रत्यंचा देखकर मृग विनीत स्वर में बोला- ' हे शिकारी! यदि तुमने मुझसे पूर्व आने वाली तीन मृगियों तथा छोटे-छोटे बच्चों को मार डाला है, तो मुझे भी मारने में विलंब न करो, ताकि मुझे उनके वियोग में एक क्षण भी दुःख न सहना पड़े। मैं उन हिरणियों का पति हूं। यदि तुमने उन्हें जीवनदान दिया है तो मुझे भी कुछ क्षण का जीवन देने की कृपा करो। मैं उनसे मिलकर तुम्हारे समक्ष उपस्थित हो जाऊंगा।'

मृग की बात सुनते ही शिकारी के सामने पूरी रात का घटनाचक्र घूम गया। उसने सारी कथा मृग को सुना दी। तब मृग ने कहा- 'मेरी तीनों पत्नियां जिस प्रकार प्रतिज्ञाबद्ध होकर गई हैं, मेरी मृत्यु से अपने धर्म का पालन नहीं कर पाएंगी। अतः जैसे तुमने उन्हें विश्वासपात्र मानकर छोड़ा है, वैसे ही मुझे भी जाने दो। मैं उन सबके साथ तुम्हारे सामने शीघ्र ही उपस्थित होता हूं।'

शिकारी ने उसे भी जाने दिया। इस प्रकार प्रातः हो आई। उपवास, रात्रि-जागरण तथा शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ने से अनजाने में ही पर शिवरात्रि की पूजा पूर्ण हो गई। पर अनजाने में ही की हुई पूजन का परिणाम उसे तत्काल मिला। शिकारी का हिंसक हृदय निर्मल हो गया। उसमें भगवद्शक्ति का वास हो गया।

थोड़ी ही देर बाद वह मृग सपरिवार शिकारी के समक्ष उपस्थित हो गया, ताकि वह उनका शिकार कर सके, किंतु जंगली पशुओं की ऐसी सत्यता, सात्विकता एवं सामूहिक प्रेमभावना देखकर शिकारी को बड़ी ग्लानि हुई। उसने मृग परिवार को जीवनदान दे दिया। अनजाने में शिवरात्रि के व्रत का पालन करने पर शिकारी को मोक्ष और शिवलोक की प्राप्ति हुई।

विजया एकादशी...

व्रत करने से व्यक्ति को हर कार्य में विजय मिलती है..

विजया एकादशी व्रत को हिंदू धर्म में विशेष माना गया है। मान्यता है कि इस व्रत को विधि पूर्वक करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। साल 2023 में विजया एकादाशी 16 फरवरी को है। सनातन धर्म में एकादशी का विशेष महत्व है। यह सभी कठिन व्रतों में से एक है। एकादशी व्रत एकादशी तिथि को रखा जाता है। हर माह में दो एकादशी आती हैं। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को विजया एकादशी व्रत रखते है। साल 2023 में विजया एकादशी व्रत 16 फरवरी दिन गुरुवार को रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इस दिन भगवान श्री हरि विष्णु जी की पूजा और व्रत करने से व्यक्ति को हर कार्य में विजय प्राप्त होती है। शत्रुओं में पर जीत हासिल होती है और मृत्यु के पश्चात मोक्ष की प्राप्ति होती है।

विजया एकादशी व्रत कब है?

पंचांग के अनुसार 16 फरवरी 2023, बृहस्पतिवार को फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि है। इस एकादशी को विजया एकादशी कहते हैं। विजया एकादशी व्रत 16 फरवरी 2023 को रखा जाएगा। इस दिन व्रत रखते हुए भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन ऐसा करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। हर कामना पूरी होती है।

एकादशी व्रत का शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार एकादशी की तिथि का प्रारंभ 16 फरवरी 2023 दिन बृहस्पतिवार को सुबह 05 : 32 बजे से होगा, जो अगले दिन यानी 17 फरवरी 2023, शुक्रवार को 2 बजकर 49 मिनट तक रहेगी।

विजया एकादशी व्रतः 16 फरवरी 2023 बृहस्पतिवार को

एकादशी तिथि प्रारम्भ : फरवरी 16, 2023 को 05:32 AM बजे

एकादशी तिथि समाप्त : फरवरी 17, 2023 को 02:49 AM बजे

विजया एकादशी व्रत पारण (व्रत तोड़ने का) समय : 17 फरवरी को 08 : 01 AM से 09:13 AM

विजया एकादशी व्रत पारण तिथि के दिन हरि वासर समाप्त होने का समय : 17 फरवरी को 08:01 AM

विजया एकादशी 2023 व्रत पारण समय एवं मुहूर्त

साल 2023 का विजया एकादशी व्रत 16 फरवरी को रखा जाएगा और इस व्रत का पारण अगले दिन 17 फरवरी को 08 : 01 AM से 09:13 AM के बीच किया जा सकता है। वहीं वैष्णव विजया एकादशी व्रत 17 फरवरी 2023 शुक्रवार को रखा जाएगा। वैष्णव एकादशी के लिए विजया एकादशी व्रत पारण (व्रत तोड़ने का) का समय 18 फरवरी को सुबह 06:57 AM से 09:12 AM तक है। पारण के दिन द्वादशी सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाएगी।

सोमवती अमावस्या पर स्नान-दान का महत्व

फाल्गुन मास में सभी व्रत एवं त्योहारों विशेष महत्व है। इन्हीं से एक है सोमवती \और भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। आइए जानते हैं कब रखा जाएगा सोमवती अमावस्या व्रत और इस व्रत का धार्मिक महत्व।

हिन्दू पंचांग के अनुसार जल्द ही फाल्गुन मास प्रारंभ होने जा रहा है। सनातन धर्म में इस मास को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि फाल्गुन मास में उपवास एवं पूजा-पाठ करने से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और साधकों को विशेष लाभ मिलता है। इस मास में पवित्र स्नना और दान को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। बता दें कि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सोमवती अमावस्या व्रत रखा जाएगा। सोमवती अमावस्या के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का भी विशेष महत्व है। आइए जानते हैं फाल्गुन मास में कब रखा जाएगा सोमवती अमावस्या व्रत और जानिए इस व्रत का अध्यात्मिक महत्व।

उदया तिथि के अनुसार सोमवती अमावस्या व्रत 20 फरवरी 2023 के दिन रखा जाएगा। इस दिन स्नान के लिए सुबह ब्रह्म मुहूर्त समय उत्तम है। पंचांग के अनुसार सोमवती अमावस्या पर अभिजित मुहूर्त सुबह 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। इस अवधि में अन्न, धन या वस्त्र का दान करने से विशेष लाभ मिलता है।

शास्त्रों के अनुसार सोमवती अमावस्या के दिन पवित्र स्नान एवं दान के साथ-साथ तर्पण आदि का भी विशेष महत्व है। इस दिन स्नान के बाद पितरों के आत्मा की शांति के लिए तर्पण आदि जरूर करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और पितर प्रसन्न होते हैं। साथ ही इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की उपासना करने से सभी मनोकामना पूर्ण हो जाती है और जीवन में सभी दुखों का नाश हो जाता है। इसके साथ साधकों को कई प्रकार के दोष से मुक्ति प्राप्त हो जाती है। इस दिन पीपल वृक्ष की पूजा का भी विशेष महत्व है।

दूध से एलर्जी तो कैल्शियम की कमी को ऐसे करें दूर

प्रोटीन के साथ ही सोयाबीन और उससे बनी चीजें कैल्शियम का भी अच्छा स्रोत है। सोया वड़ी के अलावा इसका आटा, सोया दूध, सोयाबीन तेल आदि भी मिलता है। सोया दूध का इस्तेमाल खासतौर पर चाय, कॉफी और स्मूदी बनाने के लिए किया जाता है। दूध और दूध से बनी चीज़ें कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत होती हैं, लेकिन कुछ लोगों को दूध और उसमें मौजूद लैक्टोज से एलर्जी होती है।

क्यों जरूरी है कैल्शियम?

कैल्शियम हमारे शरीर के लिए जरूरी मिनरल्स में से एक है जो हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। कैल्शियम की आपूर्ति के लिए कैल्शियम से भरपूर चीज़ों को डायट में शामिल करना जरूरी है। दूध के अलावा भी बहुत सी चीज़ों में कैल्शियम होता है जिसके जरिए आप शरीर में कैल्शियम की कमी को दूर कर सकते हैं।

1. सोयाबीन

प्रोटीन के साथ ही सोयाबीन और उससे बनी चीज़ें कैल्शियम का भी अच्छा स्रोत है। सोया वड़ी के अलावा इसका आटा, सोया दूध, सोयाबीन तेल आदि भी मिलता है। सोया दूध का इस्तेमाल खासतौर पर चाय, कॉफी और स्मूदी बनाने के लिए किया जाता है। यदि आपको दूध से एलर्जी है या दूध पसंद नहीं है तो सोयाबीन खा कर कैल्शियम की कमी दूर कर सकते हैं।

2. दलिया

नाश्ते का हेल्दी विकल्प दलिया भी कैल्शियम की कमी दूर करने में मददगार है। 35 ग्राम दलिया में 100 एमजी कैल्शियम होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन और फाइबर की भी भरपूर मात्रा होती है।

3. पनीर

दूध से बना पनीर भी कैल्शियम का अच्छा स्रोत है। पनीर को आप कई तरह से खा सकते है। इसकी सब्जी, परांठा, स्नैक्स आदि किसी भी तरह से खाएं। पनीर आमतौर पर बच्चों से लेकर बड़ों तक को पसंद आता है, तो इसे डायट में शामिल करके कैल्शियम की कमी को दूर करें।

4. ब्रोकोली

खासतौर पर सर्दियों में ब्रोकोली खूब मिलती है। ब्रोकोली का सलाद या सब्जी बनाकर खा सकते हैं। यह भी कैल्शियम से भरपूर होता है। 2 कप ब्रोकोली में 1 ग्लास दूध जितना कैल्शियम होता है। इतना ही नहीं शरीर इससे मिलने वाले कैल्शियम को जल्दी अवशोषित कर लेता है।

5. रागी

कई तरह के मिनरल्स से भरपूर रागी में कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। 100 ग्राम रागी में तकरीबन 344 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। इसके अलावा रागी में तरह के फाइटोन्यूट्रिएंट्स और पॉलीफेनोल भी होता है जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है।

6. तिल

तिल कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत है और 100 ग्राम तिल खाकर आप कैल्शियम की डेली डोज का करीब 97% तक पा सकते हैं। तिल में मैग्नीशियम, आयरन, फास्फोरस, जस्ता और सेलेनियम के साथ ही प्रोटीन भी भरपूर होता है। तिल को आप सब्जियों, सूप या सलाद के ऊपर डालकर खा सकते हैं या तिल की चटनी, लड्डू आदि बना सकते हैं।

7. चना

चना प्रोटीन का सबसे अच्छे स्रोत तो है ही साथ ही कैल्शियम भी इसमें भरपूर होता है। 100 ग्राम चने में लगभग 105 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। आप चने को उबालकर या अंकुरित करके खा सकते हैं।

8. पालक

जो लोग दूध पसंद नहीं करते, उन्हें कैल्शियम की पूर्ति के लिए डायट में पालक को शामिल करना चाहिए। पालक को उबालकर खाना ज्यादा अच्छा होता है।

9. संतरा

यदि आपको भी लगता है कि संतरा सिर्फ विटामिन सी की कमी को दूर करता है, तो आप गलत हैं। 1 कप संतरे में करीब 80 एमजी कैल्शियम होता है यानी इसे डायट में शामिल करके भी शरीर में आवश्यक कैल्शियम की पूर्ति की जा सकती है।

10. बादाम

यदि आपको ड्राई फ्रूट्स पसंद है तो इसे खाकर भी कैल्शियम की कमी दूर कर सकते हैं। बादाम में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है। बादाम को रातभर पानी में भिगोकर रखें और सुबह छिलका निकालकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

हाइट बढ़ाने के लिए सप्लीमेंट की नहीं पड़ेगी जरूरत...

हाइट बढ़ाने के लिए हैंगिंग एक्सरसाइज को बेहद अच्छा माना जाता है। इन्हें करना भी आसान है। आप इसे घर पर भी कर सकते हैं। बस अपने कमरे में सुविधाजनक ऊंचाई पर एक रॉड लगवा लें। इसके बाद कूदकर रॉड को पकड़ें और कुछ देर के लिए इसे होल्ड करें। हाइट किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी का एक अहम् हिस्सा होती है। अगर आपकी हाइट अच्छी होती है तो ऐसे में आपकी पर्सनैलिटी भी निखरती है और लोग आपकी ओर आकर्षित होते हैं। लेकिन जिन लोगों की हाइट कम होती है, वे अक्सर अपने लुक्स को लेकर परेशान रहते हैं। इतना ही नहीं, अपनी हाइट को बढ़ाने के लिए वे तरह-तरह की दवाइयों का सेवन करते हैं। इसे उनकी हाइट बढ़े या ना बढ़े, लेकिन दवाइयों के साइड इफेक्ट्स जल्द ही नजर आने लगते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप कुछ नेचुरल उपायों को अपनाएं।

करें हैंगिंग एक्सरसाइज

हाइट बढ़ाने के लिए हैंगिंग एक्सरसाइज को बेहद अच्छा माना जाता है। इन्हें करना भी आसान है। आप इसे घर पर भी कर सकते हैं। बस अपने कमरे में सुविधाजनक ऊंचाई पर एक रॉड लगवा लें। इसके बाद कूदकर रॉड को पकड़ें और कुछ देर के लिए इसे होल्ड करें। नियमित रूप से इस एक्सरसाइज को करने से आपको जल्द ही असर दिखने लगता है।

करें स्ट्रेचिंग

स्ट्रेचिंग करना कई मायनों में अच्छा माना जाता है। यह आपको हाइट बढ़ाने में भी मदद करता है। इसके लिए, बस दीवार के सहारे झुक जाएं और अपने हाथों को अपने सिर के ऊपर जितना हो सके उतना फैलाएं। अब अपने पंजों के बल खड़े हो जाएं और जब तक हो सके इस स्थिति में बने रहें।

स्किपिंग की करें प्रैक्टिस

लंबाई बढ़ाने के लिए यह एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। स्किपिंग ना केवल आपकी बॉडी को बेहतर शेप देती है, बल्कि इससे आपकी हाइट में भी सकारात्मक असर नजर आता है। रस्सी से कूदना वाकई मजेदार है। आप नियमित रूप से इस एक्सरसाइज का अभ्यास करें।

करें योगाभ्यास

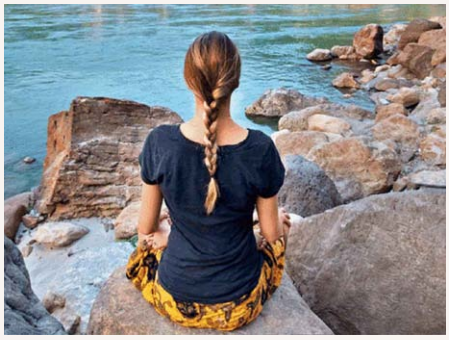

योग आपको शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है। इतना ही नहीं, कुछ ऐसे आसन होते हैं, जो आपकी हाइट बढ़ाने में मददगार साबित हो सकते हैं। आप भुजंगासन, त्रिकोणासन और ताड़ासन जैसे योगासनों का अभ्यास करके कुछ ही दिनों में अपनी हाइट बढ़ते हुए महसूस कर सकते हैं। इतना ही नहीं, ये योगासन आपकी समग्र फिटनेस को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

आहार पर दें ध्यान : आहार आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इसलिए, हर किसी को बैलेंस्ड डाइट लेनी चाहिए। अगर आप अपनी हाइट बढ़ाना चाहते हैं तो ऐसे में अपने आहार में पर्याप्त कैल्शियम और विटामिन डी को शामिल करें। स्वस्थ हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम और विटामिन डी महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, शरीर की ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए प्रोटीन और जिंक की आवश्यकता होती है। जंक फूड से बचें और अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए खूब पानी पिएं।

पर्याप्त नींद लें : आपको शायद जानकर हैरानी हो, लेकिन लंबाई बढ़ाने के लिए पर्याप्त नींद लेना भी उतना ही आवश्यक है। शोध से पता चला है कि मानव शरीर नींद के दौरान बढ़ता है। इसलिए आपको हर रात कम से कम 8 घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए। वहीं, अगर आप पर्याप्त मात्रा में नींद नहीं लेते हैं, तो इससे आपका मस्तिष्क पर्याप्त मात्रा में ग्रोथ हार्मोन जारी नहीं कर पाएगा। इससे आपकी हाइट कम रह जाएगी। इसलिए, बेहतर होगा कि आप अच्छी नींद लेने के लिए कुछ उपाय अपनाएं।

फाल्गुन के महीने में रखें इन नियमों का ध्यान...

हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास की शुरुआत सोमवार, 06 फरवरी 2023 से हो चुकी है। ये साल का आखिरी महीना होता है। ये माह मंगलवार, 07 मार्च तक रहने वाला है। फाल्गुन के महीने को ऊर्जा और यौवन का महीना माना जाता है। कहा जाता है कि इस महीने में वातावरण खुशनुमा हो जाता है और हर जगह नई उमंग छा जाती है। धार्मिक दृष्टिकोण से भी फाल्गुन का महीना बहुत ही शुभ माना जाता है। फाल्गुन शिव जी, श्री कृष्ण और चंद्र देव की पूजा-उपासना का महीना होता है। इस महीने होली, महाशिवरात्रि आदि प्रमुख व्रत-त्योहार मनाए जाते हैं। खासतौर पर मथुरा-वृंदावन में तो पूरे फाल्गुन महीने में होली का अलग ही उत्सव देखने को मिलता है। वहीं धार्मिक शास्त्रों में फाल्गुन महीने को लेकर कुछ नियम बताए गए हैं, जिनका जरूर पालन करना चाहिए। आइए जानते हैं कौन से वे नियम हैं...

इन नियमों का रखें ध्यान

• फाल्गुन माह के शुरू होते ही सर्दियां खत्म होने लगती हैं और गर्मी के मौसम की शुरुआत हो जाती है। ऐसे में इस महीने में शीतल या सामान्य जल से स्नान करें।

• फाल्गुन माह में अनाज की बजाय फलाहार ज्यादा करना चाहिए। इस महीने में कम अनाज का सेवन करना चाहिए।

• इस माह में भगवान शिव और भगवान श्री कृष्ण की नियमित उपासना करें। साथ ही पूजा में फूलों का अधिक से अधिक प्रयोग करें।

• पूरे फाल्गुन माह में मांस-मछली या नशीली चीजों का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा अपनी वाणी पर संयम रखें और क्रोध से बचें।

• फाल्गुन का महीना आनंद और उल्लास का महीना माना जाता है। मान्यता है कि वसंत ऋतु होने की वजह से इस महीने में लोगों के प्रेम संबंधों एवं व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होने लगता है। इसलिए हर किसी से प्रेम पूर्वक व्यवहार करें।

फाल्गुन मास की शुभ तिथियां व्रत एवं त्योहार

19 फरवरी- गुरु गोलवलकर जयंती
20 फरवरी- गणेश संकष्टी चतुर्थी व्रत (चंद्रोद्रय रात 9.10)
23 फरवरी- संत गाडगे महाराज की जयंती
24 फरवरी- श्री जानकी प्रकटोत्सव, सीताष्टमी, शबरी जयंती
25 फरवरी- गुरु रामदास नवमी, अवतार मेहेर बाबा जन्मोत्सव
26 फरवरी- विजया एकादशी व्रत, दयानंद सरस्वती जयंती,28 फरवरी- सोम प्रदोष व्रत
1 मार्च- महाशिवरात्रि व्रत, बैद्यनाथ जयंती और पंचक शुरू
2 मार्च- स्नान दान श्राद्ध अमावस्या, विश्नोई मेला
4 मार्च- फुलोरिया दोज, रामकृष्ण परमहंस जयंती
5 मार्च- पं. लेखाराम जयंती, मुस्लिम मास सावान प्रारंभ
6 मार्च- विनायकी चतुर्थी व्रत
10 मार्च- होलाष्टक प्रारंभ, संत दादू दयाल जयंती, रोहिणी व्रत
13 मार्च- पुष्य नक्षत्र
14 मार्च- सूर्य मीन संक्रांति, रंगभरी ग्यारस, आमलकी एकादशी व्रत
15 मार्च- खाटूश्याम मेला, भौम प्रदोष व्रत, सौर चैत्र मास प्रा., खरमास प्रारंभ, गोविंद द्वादशी,
17 मार्च- व्रत पूर्णिमा, होलिका दहन पर्व
18 मार्च- स्ना.दा. पूर्णिमा, शब्बे रात, चैतन्य महाप्रभु जयंती, होलाष्टक समाप्त, रंगों का पर्व होली, धुलेंड़ी पर्व।

हाइट बढ़ाने के लिए सप्लीमेंट की नहीं पड़ेगी जरूरत...

हाइट बढ़ाने के लिए हैंगिंग एक्सरसाइज को बेहद अच्छा माना जाता है। इन्हें करना भी आसान है। आप इसे घर पर भी कर सकते हैं। बस अपने कमरे में सुविधाजनक ऊंचाई पर एक रॉड लगवा लें। इसके बाद कूदकर रॉड को पकड़ें और कुछ देर के लिए इसे होल्ड करें। हाइट किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी का एक अहम् हिस्सा होती है। अगर आपकी हाइट अच्छी होती है तो ऐसे में आपकी पर्सनैलिटी भी निखरती है और लोग आपकी ओर आकर्षित होते हैं। लेकिन जिन लोगों की हाइट कम होती है, वे अक्सर अपने लुक्स को लेकर परेशान रहते हैं। इतना ही नहीं, अपनी हाइट को बढ़ाने के लिए वे तरह-तरह की दवाइयों का सेवन करते हैं। इसे उनकी हाइट बढ़े या ना बढ़े, लेकिन दवाइयों के साइड इफेक्ट्स जल्द ही नजर आने लगते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप कुछ नेचुरल उपायों को अपनाएं।

करें हैंगिंग एक्सरसाइज

हाइट बढ़ाने के लिए हैंगिंग एक्सरसाइज को बेहद अच्छा माना जाता है। इन्हें करना भी आसान है। आप इसे घर पर भी कर सकते हैं। बस अपने कमरे में सुविधाजनक ऊंचाई पर एक रॉड लगवा लें। इसके बाद कूदकर रॉड को पकड़ें और कुछ देर के लिए इसे होल्ड करें। नियमित रूप से इस एक्सरसाइज को करने से आपको जल्द ही असर दिखने लगता है।

करें स्ट्रेचिंग

स्ट्रेचिंग करना कई मायनों में अच्छा माना जाता है। यह आपको हाइट बढ़ाने में भी मदद करता है। इसके लिए, बस दीवार के सहारे झुक जाएं और अपने हाथों को अपने सिर के ऊपर जितना हो सके उतना फैलाएं। अब अपने पंजों के बल खड़े हो जाएं और जब तक हो सके इस स्थिति में बने रहें।

स्किपिंग की करें प्रैक्टिस

लंबाई बढ़ाने के लिए यह एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। स्किपिंग ना केवल आपकी बॉडी को बेहतर शेप देती है, बल्कि इससे आपकी हाइट में भी सकारात्मक असर नजर आता है। रस्सी से कूदना वाकई मजेदार है। आप नियमित रूप से इस एक्सरसाइज का अभ्यास करें।

करें योगाभ्यास

योग आपको शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है। इतना ही नहीं, कुछ ऐसे आसन होते हैं, जो आपकी हाइट बढ़ाने में मददगार साबित हो सकते हैं। आप भुजंगासन, त्रिकोणासन और ताड़ासन जैसे योगासनों का अभ्यास करके कुछ ही दिनों में अपनी हाइट बढ़ते हुए महसूस कर सकते हैं। इतना ही नहीं, ये योगासन आपकी समग्र फिटनेस को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

आहार पर दें ध्यान

आहार आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इसलिए, हर किसी को बैलेंस्ड डाइट लेनी चाहिए। अगर आप अपनी हाइट बढ़ाना चाहते हैं तो ऐसे में अपने आहार में पर्याप्त कैल्शियम और विटामिन डी को शामिल करें। स्वस्थ हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम और विटामिन डी महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, शरीर की ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए प्रोटीन और जिंक की आवश्यकता होती है। जंक फूड से बचें और अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए खूब पानी पिएं।

पर्याप्त नींद लें

आपको शायद जानकर हैरानी हो, लेकिन लंबाई बढ़ाने के लिए पर्याप्त नींद लेना भी उतना ही आवश्यक है। शोध से पता चला है कि मानव शरीर नींद के दौरान बढ़ता है। इसलिए आपको हर रात कम से कम 8 घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए। वहीं, अगर आप पर्याप्त मात्रा में नींद नहीं लेते हैं, तो इससे आपका मस्तिष्क पर्याप्त मात्रा में ग्रोथ हार्मोन जारी नहीं कर पाएगा। इससे आपकी हाइट कम रह जाएगी। इसलिए, बेहतर होगा कि आप अच्छी नींद लेने के लिए कुछ उपाय अपनाएं।

उर्वशी ने पेरिस में मनाया 29वां जन्मदिन...

उर्वशी रौतेला इन दिनों फ्रांस में हैं। यहीं पर अभिनेत्री ने अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया है। उन्होंने अपने फैंस को जन्मदिन की बधाईयों के लिए धन्यवाद देते हुए एक वीडियो भी किया है। वीडियो में, अभिनेत्री एफिल टॉवर के सामने हाथों में दिल के आकर के बैलून लेकर खड़े होकर पोज देती नजर आ रही हैं। बी-टाउन की सबसे खूबसूरत अदाकारों में शुमार अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने 25 फरवरी को अपना 29वां बर्थडे सेलिब्रेट किया है। इस दौरान की कुछ तस्वीरें और वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है, जो इस समय चर्चा का विषय बनी हुई हैं। बता दें, उर्वशी रौतेला इन दिनों फ्रांस में हैं। यहीं पर अभिनेत्री ने अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया है। उन्होंने अपने फैंस को जन्मदिन की बधाईयों के लिए धन्यवाद देते हुए एक वीडियो भी किया है। वीडियो में, अभिनेत्री एफिल टॉवर के सामने हाथों में दिल के आकर के बैलून लेकर खड़े होकर पोज देती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'अद्भुत अनंत आशीर्वादों, उपहारों, कॉलों, ईमेलों के लिए सभी को लाखों धन्यवाद। मैं आप सभी से प्यार करती हूं और मैं आप सभी का प्यार पाने के लिए सुपर धन्य और भाग्यशाली महसूस करती हूं।'

कियारा आडणाणी ने अपनी मां के लिए लिखा खास मैसेज...

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने 7 फरवरी को अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों की उपस्थिति में शादी कर ली। उन्होंने राजस्थान के जैसलमेर में सूर्यगढ़ पैलेस में अपने विवाह समारोह की मेजबानी की। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने 7 फरवरी को अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों की उपस्थिति में शादी कर ली। उन्होंने राजस्थान के जैसलमेर में सूर्यगढ़ पैलेस में अपने विवाह समारोह की मेजबानी की। शादी के कुछ दिनों बाद, कियारा ने अब अपने परिवार के साथ पोज़ देने वाले उत्सवों से अनदेखी तस्वीरों को साझा किया है। उन्होंने पोस्ट के साथ अपनी मां जेनेवीव जाफरी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी।

कियारा आडवाणी ने अब इंस्टाग्राम पर कुछ अनदेखी फैमिली तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने अपनी मां जेनेवीव जाफरी को जन्मदिन की बधाई देने के लिए पोस्ट साझा की। हम शादी के दिन से, मेहंदी से एक और संगीत की रात से स्पष्ट तस्वीरें देख सकते हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा "मम्माआ। मेरी प्यारी, देखभाल करने वाली, प्रार्थना करने वाली मां को जन्मदिन की शुभकामनाएं.. मैं आपकी बेटी बनकर धन्य हूं।"

पहली तस्वीर में कियारा अपनी मां के साथ पोज देती नजर आ रही हैं, जो सॉफ्ट पिंक लहंगे में काफी खूबसूरत लग रही हैं। दूसरी फोटो में कियारा अपनी मां और भाई मिशाल आडवाणी के बीच चेहरे पर अजीबोगरीब एक्सप्रेशन के साथ पोज दे रही हैं। तीसरी कियारा और सिद्धार्थ की मेहंदी से एक पारिवारिक तस्वीर है।

राखी के पति आदिल गिरफ्तार, एक्ट्रेस ने लगाया मारपीट और गहने छीनने का आरोप...

आदिल दुर्रानी के साथ उनकी कथित शादी पर सार्वजनिक नाटक के बाद, अभिनेत्री और बिग बॉस की पूर्व प्रतिभागी राखी सावंत ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करते हुए दावा किया कि उन्होंने उनके पैसे और गहने ले लिए। इसके बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई और आदिल को ओशिवारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

सिमेना की ड्रामा क्वीन राखी सावंत पिछले काफी दिनों से चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी मां को खोया हैं। इसके बाद अब वह अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं। राखी ने शुरूआत में यह आरोप लगाया था कि उनके पति आदिल दुर्रानी का किसी और लड़की के साथ अफेयर चल रहा हैं। उन्होंने कहा कि उनके पति आदिल बेवफाई कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही राखी सावंत की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। राखी मीडिया के सामने आकर लगातार अपने 'पति' आदिल दुर्रानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ताजा जानकारी के अनुसार राखी सावंत ने अपने 'पति' आदिल दुर्रानी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि आदिल ने उनके पैसे और गहने ले लिए। उसकी शिकायत के बाद आदिल को ओशिवारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आदिल दुर्रानी के साथ उनकी कथित शादी पर सार्वजनिक नाटक के बाद, अभिनेत्री और बिग बॉस की पूर्व प्रतिभागी राखी सावंत ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करते हुए दावा किया कि उन्होंने उनके पैसे और गहने ले लिए। इसके बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई और आदिल को ओशिवारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक राखी की शिकायत के आधार पर ओशिवारा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

अब खबर आती है कि आदिल को गिरफ्तार कर लिया गया है और राखी द्वारा लगाए गए आरोपों पर पूछताछ की जाएगी। राखी और आदिल के वीडियो कुछ समय से सोशल मीडिया पर घूम रहे हैं और राखी के मुताबिक, आदिल ने निकाह के बावजूद इस बात से इनकार किया है कि वह उनकी पत्नी हैं। आदिल दुर्रानी के खिलाफ आईपीसी की धारा 406 और 420 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अक्षय, सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ 'हेरा फेरी 3' की शूटिंग शुरू!

हेरा फेरी 3 की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी हैं। खबरों की माने तो अक्षय, परेश और सुनील प्रफुल्लित करने वाली फिल्म के तीसरे अध्याय में फिर से अपना जादू चलाने के लिए सेट पर वापस आ गए हैं। सूत्र ने उल्लेख किया कि पिछले कुछ महीनों में स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने के लिए पर्याप्त बैठकें हुई हैं। पिछले कुछ महीनों से हेरा फेरी 3 की स्टार कास्ट के बारे में कई तरह की अफवाहें इंटरनेट पर घूम रही थीं। कथित तौर पर अक्षय कुमार कल्ट क्लासिक कॉमेडी की तीसरी फ्रेंचाइजी से बाहर हो गए थे। राजू के अपने चरित्र से हटने के बाद कार्तिक आर्यन की फिल्म में एंट्री हुई थी। हांलाकि सुनील शेट्टी ने ये साफ किया था कि कार्तिक आर्यन का अलग किरदार हैं वह राजू को रिप्लेस नहीं कर रहे हैं।

फिल्म में सुनील शेट्टी उर्फ श्याम और परेश रावल उर्फ बाबूराव के किरदारों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। सीक्वल की घोषणा के बाद पिछले साल से प्रशंसकों ने हेरा फेरी में बहुत फेरबदल देखे। अब तमाम अफवाहों के बीच फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी हैं और ये तय हो चुका है कि फिल्म में अक्षय कुमार राजू की भूमिका में नजर आने वाले हैं। हेरा फेरी 3 की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी हैं। खबरों की माने तो अक्षय, परेश और सुनील प्रफुल्लित करने वाली फिल्म के तीसरे अध्याय में फिर से अपना जादू चलाने के लिए सेट पर वापस आ गए हैं। सूत्र ने उल्लेख किया कि पिछले कुछ महीनों में स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने के लिए पर्याप्त बैठकें हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब टीम को भरोसा है कि हेरा फेरी 3 कॉमेडी फ्रैंचाइजी के भाग 3 के आसपास के सभी प्रचार और प्रत्याशा के साथ पूरा न्याय करेगी। सूत्र ने आगे खुलासा किया कि अभिनेता अक्षय कुमार, परेश रावल, सुनील शेट्टी और निर्माता फिरोज नाडियाडवाला राजू, श्याम और बाबूराव के रूप में सेट पर वापसी करने के लिए सकारात्मकता से उत्साहित हैं।

आलिया भट्ट से बांद्रा पुलिस ने किया संपर्क

घर के अंदर से चोरी से फोटो लेने पर लगाई पैपराजी की क्लास...

हाल ही में आलिया भट्ट की एक तस्वीर सोशल के अंदर की थी। पैपराजी ने सीमाओं को पार करते हुए घर के अंदर से आलिया की ये तस्वीर क्लिक की थी। अब आलिया भट्ट ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर पैपराजी की खिंचाई की। हाल ही में आलिया भट्ट की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी। ये तस्वीर उनके घर के अंदर की थी। पैपराजी ने सीमाओं को पार करते हुए घर के अंदर से आलिया की ये तस्वीर क्लिक की थी। अब आलिया भट्ट ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर पैपराजी की खिंचाई की। उन्होंने पैपराजी की ऐसी हरकत को अपनी निजता पर हमला कहा हैं। वायरल हुई तस्वीरों में वह अपने घर के अंदर बैठी नजर आ रही थीं। इसे बगल की बिल्डिंग से जूम लेंस के जरिए क्लिक किया गया था। आलिया ने अपने पोस्ट में मुंबई पुलिस को भी टैग किया था। बांद्रा पुलिस ने इस पर ध्यान दिया और तुरंत अभिनेत्री से संपर्क किया और शिकायत दर्ज करने को कहा। आलिया भट्ट के समर्थन में कई हस्तियां सामने आईं और ऐसे ही अनुभवों को याद किया, जहां पैपराजी ने उनकी निजता पर हमला किया था। बांद्रा पुलिस ने अब इस मामले में आलिया से संपर्क किया है। उसी पर उनकी टेलीफोन पर बातचीत हुई। पुलिस ने एक्ट्रेस से इस मामले में शिकायत दर्ज कराने को कहा। हालांकि, आलिया ने कहा कि उनकी पीआर टीम संबंधित पोर्टल के संपर्क में है जिसने उनकी तस्वीरें प्रकाशित कीं। वह आगे की कार्रवाई पर फैसला लेंगी और फिर पुलिस के पास वापस आएंगी।

आलिया भट्ट, जो शायद ही कभी लोगों पर गुस्सा करती हैं, ने अपनी इंस्टाग्राम पर लिखा, "क्या तुम मुझसे मजाक कर रहे हो? मैं अपने घर पर थी, एक पूरी तरह से सामान्य दोपहर, अपने लिविंग रूम में बैठा हुई थी जब मुझे लगा कि कोई मुझे देख रहा है। मैंने ऊपर देखा और बगल की इमारत की छत पर दो लोगों को कैमरे के साथ देखा। किस दुनिया में यह ठीक है और क्या इसकी अनुमति है? यह किसी की निजता पर घोर आक्रमण है। एक सीमा है जिसे आपको नहीं लांघना चाहिए और यह कहना सही होगा कि आज सभी रेखाएं पार कर ली गईं।'

आलिया भट्ट जल्द ही अपने डेब्यू हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। हार्ट ऑफ स्टोन शीर्षक वाली अभिनेत्री इस एक्शनर में गैल गैडोट और जेमी डॉर्नन के साथ दिखाई देंगी। उनके पास रणवीर सिंह के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी है। करण जौहर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 अनिरुदवन जी धूमेस्वर धाम एवं संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान

विशेष चर्चा : जॉइन्ट डायरेक्टर एवं कार्यालय प्रमुख खनिज विभाग भोपाल

प्रदीप शर्मा : सी ई ओ ग्वालियर विकास प्राधिकरण, एवं साथ मैं शिवदयाल धाकड़ तहसीलदार डबरा और संपादक मनोज चतुर्वेदी, हमारा देश हमारा अभिमान

छतरपुर पुलिस अधीक्षक बनने पर अमित सांघी जी विशेष चर्चा